रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:98 | रविवार, 14 दिसंबर | ₹5 | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

पाकिस्तानी जासूसों से संबंध के आरोप में वायुसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी गिरफ्तार

एजेंसी

शोणितपुर (असम) : पाकिस्तानी जासूसों से कथित संबंध रखने के आरोप में तेजपुर में भारतीय वायुसेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को असम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार पूर्व वायुसेना अधिकारी की पहचान कूलेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क से उनके संपर्क की सूचना मिलने के बाद कूलेंद्र शर्मा को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिन्हें खंगाला जा रहा है। गिरफ्तार कूलेंद्र शर्मा तेजपुर स्थित एयर फोर्स स्टेशन में जूनियर वारंट ऑफिसर के पद पर तैनात थे, जहां सुखोई 30 स्क्वाड्रन सहित महत्वपूर्ण हवाई संपत्ति मौजूद है। वह 2002 में रिटायर हुए थे। इसके बाद उन्होंने कुछ समय के लिए तेजपुर यूनिवर्सिटी में काम किया।

रांची सदर अस्पताल को स्वास्थ्य सेवाओं में तीन बड़ी उपलब्धियों के लिए मिला राज्यस्तरीय सम्मान

संवाददाता

रांची:सदर अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए एक साथ तीन बड़ी सफलताएं दर्ज की हैं। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार के मार्गदर्शन में रांची जिले को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्यस्तरीय सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने शनिवार को प्रदान किया। डीआरसीएचओ डॉ. असीम कुमार मांझी और जिला डाटा समन्वयक संजय तिवारी ने सम्मान ग्रहण किया। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि टीमवर्क, समर्पण और निरंतर प्रयासों के कारण यह सफलता संभव हो पाई।

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी होंगे यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

एजेंसी

लखनऊ : केंद्रीय मंत्री पंकजचौधरी उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। श्री चौधरी ने शनिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में एकमात्र उम्मीदवार के तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। नामांकन पत्र में मुख्यमंत्री भी चौधरी के प्रस्तावकों में से एक थे। इसके बाद कागजात की जांच की जाएगी, और औपचारिक घोषणारविवार दोपहर को होने की उम्मीद है।

राजधानी के लिए वरदान बनेगा करमटोली-साइंस सिटी फ्लाईओवर

ट्रैफिक जाम से मिलेगी बड़ी राहत, आवागमन होगा सुगम

एजेंसी

रांची : राजधानी रांची में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव से निजात दिलाने के लिए करमटोली से साइंस सिटी (चिरौंदी) तक प्रस्तावित फ्लाईओवर परियोजना को अहम माना जा रहा है। 3.216 किलोमीटर लंबे इस फ्लाईओवर के निर्माण से करमटोली, अल्बर्ट चौक, दिव्यायन चौक, साइंस सिटी और चिरौंदी चौक जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक की समस्या का स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद है।

इस परियोजना के तहत करमटोली से साइंस सिटी होते हुए चिरौंदी चौक को जोड़ा जाएगा। साथ ही मोरहाबादी तक 516 मीटर का एक आवश्यक लिंक रोड भी बनाया जाएगा। रिंग रोड के निर्माण के बाद इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव काफी बढ़ गया है, जिसके कारण वाहनों को रोजाना रेंगकर चलना पड़ता है। फ्लाईओवर बनने से इस परेशानी से राहत मिलेगी।

रामगढ़-हजारीबाग की ओर से आने जाने वाले वाहनों को मिलेगी सुविधा परियोजना के पूरा होने पर रामगढ़ और हजारीबाग की ओर से आने-जाने वाले वाहनों को सुचारु आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा रिंग रोड और एनएच-20 से बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी,

जिससे पूरे शहर के ट्रैफिक प्रबंधन में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इससे पहले सितंबर माह में विभागीय प्रेजेंटेशन देखने के बाद मुख्यमंत्री ने करमटोली से साइंस सिटी और अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ तक फ्लाईओवर निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कर कार्य योजना को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में सिरमटोली-मेकॉन, कोकर-बहुबाजार और रातू रोड फ्लाईओवर के निर्माण से राजधानी में ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हुआ है। अब करमटोली-साइंस सिटी फ्लाईओवर के निर्माण से रांचीवासियों को जाम की किचकिच से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रोग्राम में कम समय तक रुके दिग्गज फुटबॉलर, नाराज हुए फैंस

मेस्सी के कार्यक्रम में हंगामा तोड़फोड़, आयोजक अरेस्ट

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रशंसकों से मांगी मांफी, दिए जांच के आदेश

एजेंसी

शनिवार को अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान सॉल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा-तफरी, हंगामा और तोड़फोड़ के कारण स्थिति बिगड़ गई। कार्यक्रम में खिलाड़ी बहुत कम समय तक रुके, इसलिए फैंस नाराज हो गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। बोतलें फेंकी गईं और गेट तोड़ने की कोशिशें हुईं। पुलिस ने कुप्रबंधन के आरोप में मुख्य आयोजक को गिरफ्तार कर लिया। इस स्थिति के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए और फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी को देखने से वंचित रह गए प्रशंसकों से माफी मांगी।

फुटबॉल के दीवानों के लिए जो जीवन का सबसे सुखद अनुभव हो सकता था, वह एक तरह से बुरी याद में बदल गया, क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसकों ने इस दिग्गज की एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।14 दिसंबर को मेस्सी मुंबई पहुंचेंगे। यहां वानखेड़े स्टेडियम में वे भारत के दिग्गज सुनील छेत्री के खिलाफ एक और फ्रेंडली मैच खेलेंगे। 15 दिसंबर को मेसी दिल्ली पहुंचेंगे, यहां सुबह पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद दोपहर 1.30 बजे वे सम्मान समारोह में हिस्सा लेंगे। 15 को ही मेसी भारत से रवाना हो जाएंगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बढ़ते हंगामे के बीच प्रशंसकों ने बिस्वास और आयोजक शताद्रु दत्ता की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारे लगाए।इस हाई- प्रोफाइल कार्यक्रम के घोर कुप्रबंधन के लिए जिम्मेदार

रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष बने शंभू नाथ चौधरी

संवाददाता

रांची : रांची प्रेस क्लब का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हो गया। चुनाव परिणाम के अनुसार शंभू नाथ चौधरी रांची प्रेस क्लब के नए अध्यक्ष चुने गये, जबकि सचिव पद की जिम्मेदारी अभिषेक सिन्हा को मिली है। कोषाध्यक्ष पद पर कुबेर ने जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद के लिए बिपिन उपाध्याय चुने गये। संयुक्त सचिव पद पर चंदन भट्टाचार्य ने विजय हासिल की। चंदन भट्टाचार्य ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विजय मिश्रा को 23 वोटों के अंतर से पराजित किया। रांची प्रेस क्लब के इस द्विवार्षिक चुनाव के तहत मतदान अपराह्न 3:30 बजे संपन्न हुआ था। इसके बाद शाम करीब 5:30 बजे से मतगणना की प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले पदाधिकारियों को मिले मतों की गणना की गई, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पदों के परिणाम घोषित किए गए। इस चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य पदों के लिए कुल 56 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें अध्यक्ष पद के लिए 6, उपाध्यक्ष के लिए 4, सचिव के लिए 5, संयुक्त सचिव के लिए 4, कोषाध्यक्ष के लिए 3 और कार्यकारिणी सदस्य के लिए 34 उम्मीदवार शामिल थे। चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ और देर रात तक सभी पदों के परिणाम घोषित करदिए गए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने जगदलपुर में किया हर घर रोशन प्रोजेक्ट का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ के बस्तर से नक्सलवाद खत्म होते ही विकास की होगी नई शुरूआत : अमित शाह

संवाददाता

जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के बस्तर से नक्सलवाद खत्म होते ही यहां विकास की नई शुरूआत होगी। इस अवसर पर शाह ने जगदलपुर में हर घर रोशन प्रोजेक्ट का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह के मुख्य आतिथ्य में आज छत्तीसगढ़ के बस्तर में ओलंपिक 2025 का आखिरी समारोह हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमने तय किया था कि 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे और आज बस्तर ओलंपिक-2025 के समय हम

इस कगार पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष नवंबर-दिसंबर तक बस्तर ओलंपिक-2026 के समय तक पूरे भारत और छत्तीसगढ़ से लाल आतंक समाप्त हो चुका होगा और नक्सलमुक्त बस्तर आगे बढ़ रहा होगा।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सली इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर फन फैलाए बैठे थे, इससे बस्तर का विकास रुका था। बस्तर से नक्सलवाद खत्म होते ही विकास की नई शुरूआत होगी। उन्होंने बताया कि कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा ये 7 जिले वर्ष 2030 तक देश के विशिष्ट जिलों में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अब बस्तर के हर व्यक्ति के घर में सुविधाएं होंगी। 5 किमी के क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा होगी। वन उपज के लिए प्रोसेसिंग के लिए यूनिट लगेंगे। बस्तर के जिले डेरी के माध्यम से दुग्ध उत्पादन करेंगे। बस्तर के अंदर नई इंडस्ट्री, अस्पताल समेत अन्य चीजें लगेंगी। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति दुनिया भर में सबसे खूबसूरत है केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने यह संकल्प लिया है कि पूरे बस्तर और भारत को नक्सलमुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि 7 ज़िलों का संभाग बस्तर,

राजधानी की दिन सुहावना रातें होगी डरावनी, रांची में पारा 3 डिग्री लुढ़का

,एजेंसी

रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में आने वाले दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री की वृद्धि होने का अनुमान है। इसके बाद तापमान में गिरावट के साथ ठंड बढ़ने की संभावना है। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को दी। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आगामी दिनों में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने के बाद तापमान में गिरावट आएगी और ठंड बढ़ने लगेगी। राज्य के बोकारो, जमशेदपुर, डाल्टनगंज, बोकारो थर्मल और चाईबासा में दिन का अधिकतम तापमान 23 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस चाईबासा

में दर्ज हुआ, जबकि रांची शहर में अधिकतम तापमान सामान्य से थोड़ा कम 22.6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। रांची में न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो राज्य के प्रमुख स्टेशनों में सबसे कम रहा। बोकारो, जमशेदपुर, कोडरमा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, चाईबासा और अन्य स्वचालित वेदर स्टेशनों पर रात का तापमान 12 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिससे सुबह-शाम ठिठुरन महसूस की गई। इसके अलावा गुमला में 5.7, लोहरदगा में 6.0, खूंटी में 6.1, सिमडेगा में 7.4, डाल्टनगंज में 7.6, हजारीबाग में 8.1, लातेहार में 8.9 और पश्चिमी सिंहभूम में 9.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

स्मरण | आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शहीदों दी श्रद्धांजलि

आतंकवाद के खिलाफ शीर्ष नेताओं की दिखाई एकजुटता

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद पर वर्ष 2001 में आज ही के दिन किये गये आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शनिवार को यहां देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले का मुकाबला करते हुए प्राण न्योच्छावर करने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लिया। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन परिसर में शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा

के उपसभापति हरिवंश, अनेक केन्द्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह, राज्यसभा के महासचिव पी. सी. मोदी तथा शहीदों के परिजनों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने शहीद सुरक्षा कर्मियों के शौर्य को स्मरण करते हुए कहा, 'आज के दिन हमारा देश 2001 में संसद पर हुए जघन्य हमले में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को याद करता है। गंभीर खतरे के सामने उनका साहस, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा अद्भुत थी। भारत उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए सदैव कृतज्ञ रहेगा।' राहुल गांधी ने कहा, 'देश के सम्मान की रक्षा करने वाले शहीद जवानों को कोटि कोटि नमन और विनम्र श्रद्धांजलि। भारत आपका यह बलिदान हमेशा याद रखेगा और इससे देश प्रेम की प्रेरणा लेता रहेगा।' गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2001 को भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने संसद भवन पर हमला करने का प्रयास किया था। इस हमले को नाकाम करते हुए संसद भवन की ड्यूटी पर तैनात नौ वीर जवान शहीद हो गये थे।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कैंप में 22575 लाभुकों के बीच किया परिसंपत्ति का वितरण

न्याय प्रणाली को और अधिक संवेदनशील व उत्तरदायी बनाना होगा

संवाददाता

दुमका : झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान शुक्रवार को दुमका पहुंचे। यहां के कन्वेंशन हॉल में उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल उद्घाटन किया। साथ ही स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज कम एंपावरमेंट कैंप में भी भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने 22575 लाभुकों के बीच 13 करोड़ 86 लाख की परिसंपत्ति का वितरण किया। मौके पर झारखंड उच्च न्यायालय के तीन जस्टिस न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश आनंदा सेन और न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। इसके साथ ही जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार की उपस्थिति रही। साथ ही काफी संख्या में लाभुकों ने भाग लिया। इस मौके पर झारखंड सरकार के कल्याणकारी योजनाओं

के स्टालों का भी उन्होंन निरीक्षण किया। वे अपने परिवार के साथ दुमका पहुंचे थे। अपने संबोधन में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान ने कहा कि हमें ऐसी न्याय प्रणाली का निर्माण करना होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति केवल एक केस फाइल नहीं बल्कि गरिमा और संवेदनशीलता से युक्त एक मानव के रूप में दिखे। जब हम कमजोर वर्ग के लोगों की बात ध्यान से सुनते हैं तो हमें यह समझ में आता है कि उनकी पीड़ाएं कितनी वास्तविक हैं। उन्होंने कहा, 'घरेलू हिंसा से पीड़ित व्यक्ति केवल कानूनी संरक्षण का ही नहीं चाहता बल्कि वह भावनात्मक सहारा और आर्थिक सुरक्षा भी चाहता है। शोषण से बचाया गया कोई बच्चा केवल पुनर्वास ही नहीं बल्कि शिक्षा और स्नेह भी चाहता है।

फ्लाइट कैंसिलेशन मामला, रांची के होटल, लॉज एवं गेस्ट हाउस संचालकों के लिए दिशा-निर्देश जारी

रांची, संवाददाता ।

बढ़ती ठंड और कोहरे को लेकर राजधानी रांची से उड़ान भरने वाली कई फ्लाइट्स या तो कैंसिल हो रही हैं या फिर उसे री शेड्यूल किया जा रहा है. ऐसे में यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. एक तो उनकी फ्लाइट कैंसिल हो जा रही है तो दूसरी तरफ होटल वाले भी उनसे मनमाना किराया वसूल रहे हैं. ऐसे मामलों पर संज्ञान लेते हुए रांची डीसी ने होटल मालिकों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं.

लगातार फ्लाइट्स हो रहे कैंसिल

रांची जिला प्रशासन की तरफ से बताया गया है कि ठंड के दौरान कोहरा एवं खराब मौसम के कारण हवाई उड़ानों के निरस्त/विलंबित होने की स्थिति में यात्रियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, इसे लेकर जिला प्रशासन, रांची द्वारा सभी होटल, लॉज एवं गेस्ट हाउस संचालकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची द्वारा अवगत कराया गया है कि दिसंबर-जनवरी माह में घने कोहरे के कारण विशेषकर उत्तर भारत से आने-जाने वाली उड़ानों में बार-बार बाधा उत्पन्न होता है. ऐसी स्थिति में कई यात्री मजबूरन होटल में ठहरने को विवश होते हैं, जिसका कुछ स्थानों पर अनुचित लाभ उठाते हुए होटल किरायों में अत्यधिक एवं मनमानी वृद्धि की शिकायतें प्राप्त होती रही हैं. ऐसे में जिला प्रशासन, रांची स्पष्ट करता है कि आपदा/आपात अथवा हवाई सेवाओं में बाधा की स्थिति में किसी भी प्रकार की किराया वृद्धि अनुचित एवं अस्वीकार्य है. ऐसे समय में यात्रियों से निर्धारित एवं सामान्य दर से अधिक शुल्क वसूलना उपभोक्ता हितों के प्रतिकूल है. इसके तहत रांची जिला अंतर्गत सभी होटल संचालकों को निर्देशित किया जाता है कि उड़ान निरस्त या विलंब की स्थिति में कमरों के किराये में मनमानी वृद्धि नहीं की जाएगी. रांची जिला प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि निदेशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित होटल संचालकों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकारी पहल, 24 दिसंबर को राज्य के स्कूलों में होगा विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा देने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग आगामी 24 दिसंबर को विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन करने जा रही है. इस बैठक के जरिए स्कूली शिक्षा कैसे बेहतर से बेहतर हो इसके लिए सुझाव भी लिए जाएंगे. इस बैठक को प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद रुचि दिखाते हुए ना केवल अपने अधिनस्थ सभी मंत्रियों को चिठ्ठी लिखा है. बल्कि सांसद और विधायक को भी अपने अपने क्षेत्र में आयोजित होनेवाले विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक में शामिल होने की अपील की है. मुख्यमंत्री द्वारा लिखे गए पत्र में जनप्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए कहा गया है कि आप अपने क्षेत्र के विद्यालय एवं उनके पोषक क्षेत्रों से भली-भांति परिचित हैं. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आपकी उपस्थिति में विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक का संचालन दिनांक 24.12.2025 को चिन्हित विद्यालयों में किया जाना प्रस्तावित है. इस अवधि में छात्रों के नियमित उपस्थिति, बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि, मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट का परीक्षाफल, विद्यालयों में शैक्षणिक अनुशासन एवं स्वच्छता आदि पर माता-पिता एवं अभिभावक के साथ विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण से समुदाय को अवगत कराना है. अनुरोध है कि अपने क्षेत्राधीन विद्यालयों में आयोजित होने वाले विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक में कम से कम 01 उच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यालय एवं 01 आकांक्षी विद्यालय में भाग लेकर माता-पिता/अभिभावक एवं शिक्षकों का उत्साहवर्द्धन करें एवं राज्य के नौनिहालों के स्कूली शिक्षा को बेहतर चलाने में भागीदार बने.

मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्त को लिखा पत्र

विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक के सफल संचालन को लेकर मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने राज्य के सभी उपायुक्त को पत्र भेजकर 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक अलग-अलग चरणों में आयोजित होने वाले बैठक को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं. मुख्य सचिव द्वारा लिखे गए पत्र के अनुसार 19 दिसंबर को मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परिणाम, छात्र उपस्थित नामांकन की स्थिति शिक्षक उपलब्धता एवं पीएम पोषण आच्छादन के आधार पर 480 उच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यालय एवं 480 निम्न प्रदर्शन करने वाले आकांक्षी विद्यालय यानी कुल 960 विद्यालयों को छोड़कर राज्य के सभी विद्यालयों में विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक सफलता पूर्वक संपन्न करने के निर्देश दिए हैं. दूसरे चरण में 22 दिसंबर को जिला स्तरीय शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारी जिसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी एवं विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी को प्रत्येक जिले में न्यूनतम 20 विद्यालयों में आयोजित होने वाले बैठक में शामिल होने को निर्देश दिए गए हैं. तीसरे चरण में 23 दिसंबर को जिला स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी खासकर उपायुक्त उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, एडीएम, एसडीओ एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी के द्वारा प्रत्येक जिले में न्यूनतम 10 विद्यालयों में बैठक में शामिल होने को कहा गया है. चौथे चरण में 24 दिसंबर को आयोजित होने वाले विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक में जनप्रतिनिधि चयनित विद्यालयों में शामिल होंगे.

रांची में टेबल टेनिस का शानदार समापन, पायस व सुतिर्था बने चैंपियन

रांची, संवाददाता ।

हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित पांचवीं यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का समापन रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ. प्रतियोगिता के अंतिम दिन दिल्ली के पायस जैन ने पुरुष एकल और रेलवे की सुतिर्था मुखर्जी ने महिला एकल का खिताब जीतकर सीजन का शानदार अंत किया. पुरुष एकल फाइनल में पायस जैन ने रेलवे के जीत चंद्रा को 4झ2 से हराया. शुरूआती दो गेम हारने के बाद पायस ने खेल की रणनीति बदली और आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार चार गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया. महिला एकल फाइनल में सुतिर्था मुखर्जी और महाराष्ट्र की सायली वाणी के बीच सात गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में सुतिर्था ने 4झ3 से जीत दर्ज की. सायली ने आखिरी गेम तक जोरदार संघर्ष किया, लेकिन अनुभव और संयम के दम पर सुतिर्था खिताब जीतने में सफल रहीं. सायली के खेल ने दर्शकों का खूब दिल जीता. सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत चंद्रा ने अनुभवी सनील शेट्टी को हराया. वहीं, पायस जैन ने मिजोरम के एच. जेहो को सीधे गेमों में मात दी. महिला वर्ग में सुतिर्था ने तमिलनाडु की याशिनी शिवशंकर को हराया, जबकि सायली वाणी ने कड़े मुकाबले में मधुरिका पाटकर को बाहर किया. यूथ बॉयज अंडर-19 वर्ग में तमिलनाडु के पी.बी. अभिनंद ने शानदार खेल दिखाते हुए साहिल रावत को हराकर खिताब जीता. यूथ गर्ल्स अंडर-19 फाइनल में दिल्ली की सायनिका माजी ने पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास को कड़े मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की.

राष्ट्रीय पुस्तक मेला जिला स्कूल मैदान में 26 दिसंबर से शुरू

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची का जिला स्कूल मैदान एक बार फिर दुर्लभ पुस्तकों से गुलजार होगा. झारखंड की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक नगरी रांची के जिला स्कूल मैदान में 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला 26 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक लगेगा. यह पुस्तक मेला पुस्तक प्रेमियों के लिए खूबसूरत किताबों की दुनिया लेकर हाजिर होगा जहां एक ही छत के नीचे हर आयु वर्ग के पाठकों के लिए हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं की बेहतरीन पुस्तकें उपलब्ध होंगी. समय इंडिया नई दिल्ली के द्वारा यह पुस्तक मेला आयोजित होगा जो हर दिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक पुस्तक प्रेमियों के लिए खुला रहेगा. राष्ट्रीय पुस्तक मेला की जानकारी समय इंडिया के प्रबंध न्यासी चन्द्र भूषण ने देते हुए कहा कि झारखंड में पुस्तक मेला लगने का सिलसिला समय इंडिया एवं उसकी सहयोगी संस्था पुस्तक मेला समिति की ओर से वर्ष 2003 से शुरू हुआ. 2009 से संस्था ने प्रत्येक वर्ष यहां के पुस्तक प्रेमियों की किताबों के प्रति गहरे अनुराग भाव को देखते हुए पुस्तक मेले का आयोजन जारी रखा. 2017 के बाद 2023, 2024 एवं 2025 में किताबें रांची और आसपास के पुस्तक प्रेमियों के बीच आईं. यहां के पाठकों के लिए संस्था की ओर से नई एवं पुरानी पुस्तकों का अनूठा उपहार होगा. पुस्तक प्रेमी किताबें उपहार में अपने प्रिय जनों को देकर नए वर्ष का स्वागत कर सकेंगे.यह संस्था की ओर से उनके लिए सुखद भेंट होगी.

पुस्तक मेला में भाग लेंगे देश के प्रमुख प्रकाशन

इस बार पुस्तक मेले में देश के नामचीन प्रकाशक शामिल होने जा रहें हैं.जानकारी के मुताबिक जिन प्रकाशकों एवं पुस्तक विक्रेताओं की स्वीकृति मिल चुकी है. उनमें राजपाल एण्ड संस, प्रकाशन संस्थान, समय प्रकाशन, यश प्रकाशन, योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया, क्राउन पब्लिकेशन, झारखंड झरोखा, गीता प्रेस, श्री कबीर ज्ञान प्रकाशन केन्द्र, बोधकृति प्रकाशन, त्रिदेव बुक कलेक्शन, सस्ता साहित्य मण्डल, उपकार प्रकाशन आदि प्रमुख हैं.इसके अतिरिक्त वाणी प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन, पुस्तक महल, मनोज पब्लिकेशन, किताब घर की पुस्तकें भी पुस्तक प्रेमियों के लिए उपलब्ध रहेंगी. इस मेले में भारतीय मण्डप एक ऐसा अनूठा स्टॉल बनाया जा रहा है जिस पर अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें पाठकों के आकर्षण का केन्द्र होंगी. यहां बेस्ट सेलर सीरिज की पुस्तकें आप खरीद सकेंगे.

बच्चों पर केन्द्रित होंगे निःशुल्क कार्यक्रम

पुस्तक मेला के दौरान स्कूली बच्चों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम रखे गए . जिनमें कविता-कहानी सुनाओ प्रतियोगिता, बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता, बच्चों की गायन प्रतियोगिता, बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता, देशभक्ति गीत, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आदि प्रमुख हैं. यह सभी प्रतियोगिताएं निःशुल्क होंगी. आयोजक ने ऐसे सभी स्कूलों एवं वैयक्तिक संस्थाओं से अनुरोध किया है कि इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए बच्चों को प्रेरित करें. मेले में साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें स्थानीय लेखकों से संवाद, चर्चा का अवसर पाठकों को मिलेगा.

दिव्यांग टी-20 : भारत ने नेपाल को 88 रनों से हराया

रांची, संवाददाता ।

भारत और नेपाल के बीच दिव्यांगजनों की तीन मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज चैंपियन स्पिरिट कप का पहला मुकाबला भारत ने 88 रनों से जीत लिया. यह मैच उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, अनगड़ा स्थित अमिताभ चौधरी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. सीरीज का उद्घाटन पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी और झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन (जेएसीए) के सचिव सौरभ तिवारी ने किया. उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों का खेल देखना उनके लिए रोमांचक अनुभव है और वे खिलाड़ियों की प्रतिभा से काफी प्रभावित हैं. उन्होंने भारत और नेपाल दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया. मैच में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की. टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 165 रन बनाए. कप्तान सूब्रो जोरदर ने 57 गेंदों पर 54 रन की शानदार पारी खेली. राहुल शर्मा ने 30 रन बनाए, जबकि सैयद शाह अजीज और आकिब मलिक ने 25-25 रन का योगदान दिया. नेपाल की ओर से दीपक ने 2 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम 77 रन पर ही ऑल आउट हो गई. भारत की ओर से साजिद तंबोली और जितेंद्र बाग ने 3-3 विकेट लिए. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए साजिद तंबोली को मैन ऑफ द मैच चुना गया. इस आयोजन में झारखंड डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन और राउंड टेबल इंडिया के साथ कई संस्थाओं का सहयोग रहा. मैच के सफल संचालन में अंपायर, स्कोरर और कमेंटेटर का भी अहम योगदान रहा.

राजधानी के लिए करमटोली-साइंस सिटी फ्लाईओवर साबित होगा वरदान, ट्रैफिक की किचकिच से मिलेगा छुटकारा

रांची, संवाददाता ।

राजधानी में हर दिन गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है. सड़कों की चौड़ाई सीमित है, जिसकी वजह से गाड़ियां सरकती रहती हैं. राजधानी रांची के करम टोली से साइंस सिटी तक गाड़ियां रेंगती रहती हैं. रिंग रोड बनने के बाद से इस रोड पर ट्रैफिक बोझ बढ़ा है. लिहाजा, राजधानी रांची में करमटोली से साइंस सिटी (चिरौंदी) तक एक 3.216 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण की योजना है.

फ्लाईओवर बनने से किन-किन जगहों पर मिलेगी राहत

यह परियोजना करमटोली को साइंस सिटी होते हुए चिरौंदी चौक को जोड़ेगी, जिसमें मोरहाबादी तक 516 मीटर का एक आवश्यक लिंक भी शामिल है. इसका मुख्य उद्देश्य अल्बर्ट चौक, दिव्यायन चौक, साइंस सिटी और चिरौंदी चौक जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले चौराहों पर व्याप्त ट्रैफिक लोड की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करना है. परियोजना के पूर्ण होते ही, रामगढ़ और हजारीबाग की ओर से आने-जाने वाले शहरी यातायात को बड़ी राहत मिलेगी. साथ ही यह रिंग रोड ठल-20 से भी बेहतर संपर्क सुनिश्चित करेगा, जिससे शहरी यातायात प्रबंधन में व्यापक सुधार होगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिससे निकट भविष्य में रांची के नागरिकों को सुगम और निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होने की आशा है. इस संबंध में इसी साल सितंबर माह में विभाग द्वारा तैयार प्रेजेंटेशन को देखने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ और करम टोली चौक से साइंस सिटी फ्लाईओवर निर्माण के लिए डीपीआर बनाते हुए आगे की कार्य योजना को मूर्त रूप देने का निर्देश दिया था. बता दें कि पिछले कुछ महीनों में राजधानी रांची को सिरम टोली से मेकॉन, कोकर से बहुबाजार और रातू रोड पर फ्लाईओवर बनने से बहुत हद तक ट्रैफिक लोड कम करने में मदद मिली है.

झारखंड की अंडर-18 वॉलीबॉल टीमें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की अंडर-18 जूनियर वॉलीबॉल टीमें (बालक व बालिका) राष्ट्रीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आज रांची से नई दिल्ली के लिए रवाना हुईं. यह प्रतियोगिता 15 दिसंबर से राजस्थान के झुंझुनूं में आयोजित की जाएगी. झारखंड वॉलीबॉल संघ के बैनर तले कुल 30 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे. टीम के रवाना होने के समय रांची रेलवे स्टेशन पर संघ के पदाधिकारी और खेल प्रेमी मौजूद रहे. सभी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई. बालक टीम में आकाश तांती, प्रेम यादव, सच्चिदानंद राणा, सत्यम बाघ, तौसीफ, रोनी भट्टाचार्य, आयुष राज, रौनक कुमार, अभिषेक कुमार, अनीशेक कुमार, आशीष कुमार और अनित कुमार शामिल हैं. वहीं बालिका टीम में रसगुल्ली कुमारी, आशा कुमारी, पूनम कुमारी, बसंती कुमारी, सोनाली मरांडी, मोनालिका कुमारी, आलिया झा, आरती कुमारी, विशाखा यादव, तनीषा कुमारी, रिया कुमारी और कोमल मुखी शामिल हैं. इस मौके पर झारखंड वॉलीबॉल संघ के उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह खरे और उपेन्द्र सिंह, सचिव उत्तम राज, कार्यकारी सचिव संजय कुमार, आयोजन सचिव संजय कुमार ठाकुर, कोषाध्यक्ष विकास वर्मा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे. संघ के संरक्षक शेखर बोस और कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. टीम के साथ बालक वर्ग के प्रशिक्षक संदीप कुमार और देवाशीष झा तथा बालिका वर्ग की प्रशिक्षक अर्चना कुमारी और विवेक उरांव भी रवाना हुए हैं. सभी को उम्मीद है कि झारखंड की टीमें राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करेंगी.

रिम्स परिसर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की पहल, बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य की समीक्षा

रांची, संवाददाता ।

रिम्स निदेशक डॉ राज कुमार ने अपर निदेशक प्रशासन डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्णा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ हीरेन्द्र बिरुआ, अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, सम्पदा पदाधिकारी डॉ शिवप्रिये तथा जेएसबीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रिम्स के उत्तर परिसर स्थित डॉक्टर्स कॉलोनी में चल रहे बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की. निरीक्षण के दौरान निदेशक ने कहा कि पूरे रिम्स परिसर को अतिक्रमण मुक्त, सुरक्षित और संरक्षित बनाने के उद्देश्य से उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में चारों ओर बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जा रहा है. उन्होंने जेएसबीसीएल को निर्देश दिया कि परिसर की सीमा पर स्थित सभी बहु छिद्र और संवेदनशील क्षेत्रों को पूरी तरह बंद किया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के अवैध प्रवेश या अतिक्रमण की संभावना समाप्त हो सके.

निरीक्षण के दौरान डॉक्टर्स कॉलोनी के परिसीमन क्षेत्र में रहने वाले कुछ स्थानीय निवासियों ने बाउंड्री निर्माण को लेकर आपत्ति जताई. उनका कहना था कि निर्माण के कारण कुछ स्थानों पर शॉर्ट कट मार्ग बंद हो रहे हैं. इस पर निदेशक ने स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि रिम्स आम जनता की दैनिक आवाजाही की सुविधा को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है. उन्होंने स्थानीय निवासियों को आश्वस्त किया कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 15 से 20 फीट तक भूमि सड़क के लिए छोड़कर बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है. इसके साथ ही जिन स्थानों पर सड़कें संकरी हैं, वहां बाउंड्री वॉल का निर्माण 2 से 3 फीट अंदर की ओर किया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो.

निदेशक ने कहा कि यह कार्य किसी के विरुद्ध नहीं है, बल्कि उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन और राज्य के एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान की भूमि, सुरक्षा और गरिमा की रक्षा के लिए आवश्यक है. उन्होंने स्पष्ट किया कि रिम्स अपने परिसर को सुरक्षित कर रहा है, लेकिन यह प्रक्रिया स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए की जा रही है. इस कार्य में अनावश्यक बाधा उत्पन्न करना न केवल न्यायालय के आदेशों की अवहेलना है, बल्कि जनहित के भी प्रतिकूल है. अंत में रिम्स प्रबंधन ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की कि वे संस्थान द्वारा कानून के पालन के तहत परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करें.

सीयूज में आईसीएसएसआर प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समापन

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के शिक्षा विभाग तथा अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि-साप्ताहिक आईसीएसएसआर-प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान में मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध पद्धतियां का अंतिम दिवस आध्यात्मिक एवं बौद्धिक वातावरण में संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरूआत असतो मा सद्गमय प्रार्थना एवं दिन का विचार के साथ की गई. पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. (डॉ.) तपन कुमार बर्सातिया ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. पी. सी. अग्रवाल, संयुक्त निदेशक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली का अभिनंदन किया. दिन के प्रथम दो सत्रों में प्रो. अग्रवाल ने विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा के बीच गहन संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मजबूत विद्यालयी शिक्षा के बिना उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती. उन्होंने एनसीईआरटी द्वारा शिक्षकों के लिए संचालित शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी, जिनका उद्देश्य शिक्षण दक्षताओं एवं पाठ्यचर्या की समझ को सुदृढ़ करना है. इसके साथ ही उन्होंने शोध अनुदान प्राप्ति हेतु प्रभावी शोध प्रस्ताव लेखन की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की और शोधकताओं के लिए बाह्य वित्तपोषण के महत्व को रेखांकित किया. सत्र अत्यंत संवादात्मक रहे, जिनमें प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की. इसके पश्चात प्रतिभागियों ने अधिगम परिणामों के मूल्यांकन हेतु आकलन परीक्षा में भाग लिया. इसके बाद प्रो. नारायण सेठी, प्रोफेसर, एनआईटी राउरकेला, ओडिशा ने अकादमिक शोध पर केंद्रित व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने शोध पत्र एवं सार (एब्स्ट्रैक्ट) लेखन की प्रभावी विधियों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया. कार्यक्रम का समापन दीक्षांत सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रो. पी. सी. अग्रवाल, कुलसचिव श्री के. कोसला राव, डीन प्रो. आलोक कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष प्रो. विमल किशोर, सह-पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. संहिता सुचरिता तथा पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. तपन कुमार बर्सातिया सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे. प्रो. आलोक कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया, जबकि प्रो. बर्सातिया ने कार्यक्रम की उपलब्धियों पर संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. दीक्षांत संबोधन में प्रो. अग्रवाल ने शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास की आवश्यकता पर बल दिया. कुलसचिव श्री के. कोसला राव ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उच्च शिक्षा एवं शोध को सुदृढ़ करने हेतु ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया. समारोह के दौरान प्रतिभागियों द्वारा कार्यक्रम की शैक्षिक यात्रा पर आधारित वीडियो प्रस्तुति दी गई, अनुभव साझा किए गए तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए. कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ.प्रतिभागियों ने इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे अपने अकादमिक विकास, सहयोगात्मक अधिगम तथा गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए अत्यंत उपयोगी बताया.

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी के कारण कराई जा रही थी हार्ड लैंडिंग

राजधानी में जमीन से टकराया इंडिगो फ्लाइट का पिछला हिस्सा

संवाददाता । रांची

राजधानी रांची के भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शुक्रवार की रात पायलट की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। इंडिगो की फ्लाइट संख्या- 6ई7361 की रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हार्ड लैंडिंग करानी पड़ी। इसकी वजह से यात्रियों में हड़कंप मच गया। यात्रियों ने एक झटका महसूस किया। हालांकि पायलट की सूझबूझ से कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान में 75 यात्री सवार थे।

रांची एयरपोर्ट के डायरेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि यह विमान विलंब से रात करीब 8:30 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचा था। लेकिन लैंडिंग के वक्त कुछ गड़बड़ी हुई जिसकी वजह से पायलट को हार्ड लैंडिंग करानी पड़ी। उन्होंने कहा कि किसी यात्री को चोट नहीं आई है। सभी सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हार्ड लैंडिंग के बाद भी विमान के पिछले हिस्से को कोई बाहरी नुकसान नहीं पहुंचा है। जब पायलट ने विमान को एप्रन रैंप के साथ अटैच किया, तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली। वहीं, एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों ने बताया कि कई बार कुछ वजहों से हार्ड लैंडिंग करानी पड़ती है। इसके बाद जांच की जाती है कि अगले उड़ान के लिए विमान सुरक्षित है या नहीं।इस मामले में विमान को उड़ान के लायक नहीं पाया गया। आज इसको दुरुस्त करने के लिए दिल्ली से इंजीनियर की टीम आएगी। इसके ठीक बाद इसी विमान को रांची से भुवनेश्वर के लिए उड़ान भरना था। उससे सफर करने के लिए बड़ी संख्या में यात्री भी एयरपोर्ट पर मौजूद थे, लेकिन विमान की टेक्निकल जांच होने लगी। इस दौरान यात्रियों को भरोसा दिया गया कि टेक्निकल जांच के बाद ही उड़ान संभव है। लेकिन रात 9:40 बजे घोषणा की गई कि विमान उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है और दूसरे विमान की व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है। इस वजह से भुवनेश्वर जाने वाले यात्रियों ने हंगामा भी किया। बाद में इंडिगो प्रबंधन ने सभी यात्रियों को होटल में रुकने की व्यवस्था सुनिश्चित की। इसके अलावा 35 यात्रियों को कार से भुवनेश्वर भेजा गया।ठंड में घने कोहरे और खराब मौसम के कारण हवाई उड़ानों के कैंसिल या देर होने की स्थिति में यात्रियों की परेशानी को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। वहीं होटल, लॉज और गेस्ट हाउस संचालकों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसी आपात परिस्थितियों में रूम के किरायों में मनमानी वृद्धि किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से यह जानकारी मिली है कि दिसंबर और जनवरी के महीनों में विशेषकर उत्तर भारत से आने-जाने वाली उड़ानों में कोहरे के कारण परेशानी होती है।

झारखंड मुस्लिम युवा मंच ने 'ऐतिहासिक' फैसले के लिए मुख्यमंत्री और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया

संवाददाता । रांची

रांची, झारखंड झ झारखंड मुस्लिम युवा मंच (खटट) ने माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन और माननीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री हाफिजुल अंसारी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। यह अभूतपूर्व आभार, अलीम-फाज़िल के विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी में नियुक्ति के लिए पात्र बनाने के दूरदर्शी और ऐतिहासिक निर्णय के लिए व्यक्त किया गया है।

झारखंड मुस्लिम युवा मंच के तेजस्वी अध्यक्ष, मोहम्मद शाहिद अय्यूबी ने इस निर्णय की सराहना करते हुए कहाः यह निर्णय न केवल शिक्षा और प्रतिभा को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह ऐतिहासिक कदम हजारों मेधावी युवाओं के लिए उज्जवल भविष्य के द्वार खोलता है। यह समावेशी राजनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।अलीम-फाज़िल के

विद्यार्थियों को सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के लिए पात्र बनाने का यह प्रगतिशील निर्णय सामाजिक न्याय, समावेश और विकास के प्रति झारखंड सरकार की मजबूत और अटल प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दशार्ता है।

विशेष प्रतिनिधि मंडल ने किया गर्मजोशी से सम्मानझारखंड मुस्लिम युवा मंच के विशेष प्रतिनिधि मंडल ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री हाफिजुल अंसारी को फूलों का भव्य गुलदस्ता और सम्मान का प्रतीक शॉल भेंट कर हार्दिक सम्मान व्यक्त किया।इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित गणमान्य सदस्यः

मोहम्मद शाहिद अय्यूबी (अध्यक्ष)
टार्जन जियाउल्लाह हक
असफर खान
मोङ्ग इरशाद अलम विक्की
रशीद अंसारी
अरहान अली
मो महताब आलम
अरशद अली
सोनू शाहिद रहमान
सैयद अशफाक

हार्दिक आभार और धन्यवाद ज्ञापन

झारखंड मुस्लिम युवा मंच की ओर से मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री हाफिजुल अंसारी को इस युग-परिवर्तनकारी निर्णय के लिए हार्दिक आभार और कोटि-कोटि धन्यवाद।हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी आपकी सरकार इसी प्रकार के समावेशी, प्रगतिशील और जनहितैषी निर्णय लेती रहेगी, जिससे हर वर्ग के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सके।

साहिल ने जीता 59वां फ्लड लाइट टेनिस टूनार्मेंट 2025 का खिताब

संवाददाता । रांची

बंगाल टेनिस एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित सैटरडे क्लब फ्लड लाइट टेनिस टूनार्मेंट 2025 का खिताब झारखण्ड के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी राँची के साहिल अमीन ने जीत लिया है । फाइनल मुकाबले में साहिल ने बंगाल के टेनिस खिलाड़ी अभिषेक दास को सीधे सेटो में 6-0, 6-4 से हराकर चैम्पियनशिप अपने नाम कर लीया।जोरदार खेल दिखाते हुए साहिल ने सेमीफाइनल में अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ी बंगाल के सैयद अमान अब्बास को 6-0, 6-0 के स्कोर से हराकर फाइनल में प्रवेश लिया था । साहिल ने यह खिताब दूसरी बार जीता है पिछले वर्ष इनको उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था । पुरे टूनार्मेंट में साहिल ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और दूसरी बार यह चैम्पियनशिप जीत कर झारखण्ड राज्य का मान बढ़ाया है । यह टूनार्मेंट सैटरडे क्लब कोलकाता में 29 नवंबर से 12 दिसम्बर तक आयोजित किया गया ।

एच.बी. रोड में छात्रों का विशेष ध्यान रखकर खोला गया डेली डिश रेस्टूरेंट

● भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने किया रेस्टूरेंट का उद्घाटन, यहां इंडियन के साथ साउथ इंडियन, चाइनीज तथा तंदुर खाना है उपलब्ध, नाश्ता नहीं, सिर्फ लंच और डीनर ही मिलेगा

संवाददाता । रांची

रांची, 13 दिसम्बर 2025: शहर के अतिव्यस्त में से एक हजारीबाग रोड, लालपुर में बी.आई.टी. एक्सटेंशन यूनिट के अतिरिक्त कई कोचिंग संस्थान तथा निजी हॉस्टलों के छात्रों का विशेष ध्यान रखकर ढंग का बेहतर खाना उपलब्ध कराने के लिए आज शनिवार 13 दिसम्बर को ऑर्चिड हॉस्पिटल के पास ह्यद डेली डिशह्ल नामक से एक शानदार रेस्टूरेंट खोला गया। इसका उद्घाटन भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर तथा झारखण्ड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव श्री सौरभ तिवारी ने किया। इस मौके पर शहर के कई गण्यमान लोग उपस्थित थे जिनमें रूपेश कुमार, थाना प्रभारी, सदर थाना, सुप्रिया भट्टक, जेएमएम प्रवक्ता, ए.के. महतो, कोतवाली थाना प्रभारी, पंकज शर्मा, एयरपोर्ट थाना प्रभारी आदि शामिल थे। होटल के संचालक श्री वसीम खान उर्फ बिट्टू ने बताया कि इस इलाके में छात्रों की संख्या काफी है, पर उनको उनकी इच्छाओं के मुताबिक खाना नहीं मिल रहा था और वे दूसरे इलाके में जाकर खाना खाने को मजबूर थे। छात्रों की इस स्थिति को ध्यान में रखकर मैंने एक रेस्टूरेंट खोलने का फैसला किया। हमारे दो और भाई मुश्ताक अहमद उर्फ टिंकू और सोहैल खान उर्फ टिंकू भी इसके संचालक हैं जो विभिन्न कामों को देखते हैं। श्री बिट्टू ने बताया कि हमारे यहां इंडियन के साथ-साथ साउथ इंडियन, चाइनीज तथा तंदुर खाना भी उपलब्ध है। खाना बनाने के लिए हमने कोलकाता के अलावा अन्य जगहों से भी शेफ बुलाया है। यहां सिर्फ लंच और डीनर की सुविधा है।बिट्टू बताते हैं कि तंदुर खाने में चिकेन तंदुर, बिरयानी, भेज चिकेन कबाब, चिकेन टिक्का, भेज हरियाली कबाब उपलब्ध है। साउथ इंडियन में इडली, डोसा के साथ सादा साउथ इंडियन खाना भी उपलब्ध है। चाइनीज में चिकेन चाउमिन, भेज चाउमिन, मिक्स चाउमिन, चिकेन भेज अंडा चाउमिन शामिल है।

आईरिस आई हॉस्पिटल में एक नेशनल सी.एम.ई का आयोजन आज दिल्ली के प्रतिष्ठित डॉक्टर एवं अनुभवी वक्ता अपना अनुभव स्थानीय डॉक्टरों एवं वक्ताओं के साथ साझा करेंगे

संवाददाता । रांची

हर साल की भांति इस साल भी कल दिनांक 13 दिसंबर 2025 दिन शनिवार को लाइन टैंक रोड स्थित आईरिस सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया । यह प्रेस कॉन्फ्रेंस आईरिस के स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में डॉ सुबोध कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर में आईरिस आई हॉस्पिटल में एक नेशनल सी.एम.ई का आयोजन दिन रविवार 14 दिसंबर 2025 को की जाएगीक यह एक प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम है जिसमे एम्स नई दिल्ली के प्रतिष्ठित डॉक्टर एवं अनुभवी वक्ता अपना अनुभव स्थानीय डॉक्टरों एवं वक्ताओं के साथ साझा करेंगे। जिससे झारखंड के लोगो का आंखों के क्षेत्र में और भी अच्छे से उपचार संभव हो सके और लाभ पहुंचे। इस सी.एम.ई में चीफ गेस्ट प्रोफेसर (डॉ) राधिका टंडन गेस्ट ऑफ ओनर डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह भूतपूर्व निदेशक, स्वस्थ्य विभाग, झारखण्ड, नेशनल स्पीकर डॉ देवेन तुली सीनियर ग्लूकोमा कंसलटेंट नेशनल स्पीकर डॉ प्रदीप महंता उपस्थित रहेंगे। डॉ सुबोध कुमार सिंह ने यह भी बताया कि आईरिस आई हॉस्पिटल रेटिना, मोतियाबिंद, भेंगापन, आंखों का ट्यूमर और काला मोतियाबिंद सहित आंखों के रोगों का सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज हो रहा है बल्की यहाँ मेडिकल एजुकेशन एवं रिसर्च पर भी काम हो रहा है । इस सी.एम.ई में विभिन्न तरह के आंखों के रोगो की रिकार्डेड सर्जरी प्रस्तुत करते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा इस पर चर्चा करेंगे। इन 5 वर्षों में आईरिस आई हॉस्पिटल ने रेटिना फेलोशिप, मोतियाबिंद फैलोशिप, इंटर्नशिप, ऑप्टोमेट्रिस्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम भी शुरू किया जिसके वजह से झारखंड के युवा डॉक्टर्स को अब बाहर जाने की जरूरत नहीं रही है।और झारखंड के विभिन्न स्थानों में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन भी किया गया पिछले 5 वर्षों में आईरिस आई हॉस्पिटल में लगभग 150000 से ज्यादा मरीजों का ओ.पी.डी परामर्श किया गया है जिसमें लगभग 15000 से ज्यादा सर्जरी की गई है। मेनजिंग पार्टनर डॉ सुबोध कुमार सिंह के अनुसर आईरिस अस्पताल ने लगभग 5000 से ज्यादा मरीजों का इलाज किया है जो कि झारखंड के बाहर के प्रदेश जैसे बिहार, उड़ीसा,

आलिम-फाज़िल डिग्रियों को मान्यता के लिए

झारखंड के अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त करता हूँ जुनैद अनवर

● अब सरकारी नौकरियों में आलिम-फाज़िल डिग्री धारकों के लिए रास्ता पूरी तरह साफ

संवाददाती

रांचीःलम्बे समय से झारखंड में आलिम-फाज़िल की डिग्री प्राप्त हजारों छात्र सरकारी नौकरियों से वंचित थे। इन डिग्रियों को मान्यता न मिलने के कारण छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो गया था और पूरे अल्पसंख्यक समुदाय में गहरी निराशा व्याप्त थी। इसका सबसे बड़ा असर सहायक आचार्य भर्ती-2023 पर पड़ा, जिसमें चयनित सैकड़ों आलिम-फाज़िल छात्रों की नियुक्ति वर्षों से अटकी हुई थी।इस गंभीर समस्या को झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री माननीय हफीजुल हसन साहब ने बहुत संजीदगी से उठाया और इसे राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय हेमंत सोरेन जी के संज्ञान में लाये। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया, सभी तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर व्यक्तिगत रूप से विचार किया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल उचित दिशा-निर्देश दिए।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप झारखंड सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए आलिम-फाज़िल डिग्रियों को पुनः सरकारी नौकरियों के लिए पूर्ण रूप से मान्यता प्रदान कर दी है। इस निर्णय से न केवल सहायक आचार्य भर्ती-2023 में अटके सभी चयनित अभ्यर्थियों की

नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ है, बल्कि भविष्य में भी हजारों आलिम-फाज़िल छात्र बिना किसी बाधा के सरकारी नौकरियों में आवेदन कर सकेंगे।यह फैसला झारखंड में शिक्षा की समानता, प्रतिभा के सम्मान और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के दूरदर्शी नेतृत्व और अल्पसंख्यकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता के कारण आज राज्य के हजारों युवाओं के चेहरे पर खुशी और उम्मीद लौट आई है। राज्य का समस्त अल्पसंख्यक समुदाय माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री हफीजुल हसन साहब का हृदय से आभार व्यक्त करता है। हमारी यह कामना है कि माननीय मुख्यमंत्री जी भविष्य में भी अल्पसंख्यक समुदाय के हितों की रक्षा और कल्याण के लिए इसी संकल्प और संवेदना के साथ कार्य करते रहें।

आलिम-फाज़िल छात्रों के लिए अब सरकारी नौकरी का द्वार पूरी तरह खुल गया है झ यह झारखंड के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

ब्रीफ न्यूज

आम आदमी पार्टी और भाजपा के सैकड़ों सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

संवाददाता ।

आज दिनांक 13 दिसंबर 2025 को रांची के हरमू स्थित झामुमो केंद्रीय कार्यालय (कैंप) मे पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए केंद्रीय महासचिव श्री विनोद कुमार पांडेय जी के समक्ष लातेहार जिला के आम आदमी पार्टी और भाजपा के सैकड़ों सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता श्री विनोद कुमार पांडेय जी ने सभी को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई और पार्टी मे स्वागत किया। साथ ही संगठन के नीति सिद्धांतों से अवगत कराया पार्टी को मजबूत करने एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जन को दिलाने का संकल्प दिलाया।झामुमो लातेहार जिलाध्यक्ष श्री मोतीलाल नाथ सहदेव जी के नेतृत्व और जिला सचिव बुदेश्वर उराँव के उपस्थिति में सदस्यता लेनेवालों मे मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री सौरव श्रीवास्तव, अश्विनी मिश्रा, रोहित अग्रवाल उर्फ जोनी, करण कुमार, दुर्गा कुमारी, बुधन गंझू, कमलेश उरांव, लीलामणि देवी, अनुरोध कुजूर, अशोक भुइंया, बल्कु मुंडा, नीलम देवी, रिंकी देवी, सुशीला देवी, सुजीत सिंह, डॉ शम्स रजा, डॉ संशोष राणा, मनीष गुप्ता, चांद खान, मुबारक अंसारी, प्रशांत सिंह, सौरव साहू, रोशन गुप्ता, देव ओझा, प्रमोद गिरि, रोशन कुमार, अभिषेक सिंह, कृपाचार्य सिंह, अनीता देवी, लीलामणि देवी, संगीता देवी, मनोहर भगत, सुशीला टोपनो, बुधन गंझू, आश्रम यादव, दुर्गा सिंह, नागेशर गंझू सहित सैकड़ो लोग रहे।

मनरेगा का नाम पूज्य बापू करना अनैतिक निर्णय, मोदी सरकार प्रचंड बेरोजगारी पलायन महंगाई भ्रष्टाचार रोकने के बजाय नाम बदलने में व्यस्त

संवाददाता ।

आज दिनांक 13/11/25 को प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने केंद्र की मोदी सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि विगत 11 वर्षों से लगातार तीसरी बार सत्तासीन होने के बावजूद जनहित में कोई ठोस समृद्ध तथा मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक काम नहीं किया है !

देश में प्रचंड स्तर पर बेरोजगारी, पलायन,बेतहाशा महंगाई,भ्रष्टाचार अमीरी और गरीबी के बीच खाई दूर करने की ओर चिंता व्यक्त नहीं कर बजाय देश के ऐतिहासिक स्थलों का सिर्फ नाम बदलने में व्यस्त है ! नामचीन स्थानों में सड़क, बिल्डिंग, संस्था, या योजनाओं का नाम बदलकर नए नामकरण करने जैसे अनैतिक कार्य कर रहे हैं !

यादव ने कहा है राजद के संस्थापक सदस्य एवं तत्कालीन पूर्व केंद्रीय मंत्री ग्रामीण विकास का कार्यभार संभाल रहे श्रद्धेय डॉ रघुवंश प्रसाद सिंह के कर कमलों द्वारा (2005-6) में यूपीए -1 मनमोहन सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का शुभारंभ कर 100 दिनों का काम देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था ! जिसकी सराहना देश एवं विदेश में जमकर हुई थी ! गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार भारत में वृहत रूप से मनरेगा जैसी 100 दिन की ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना लागू की गई थी !महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को सफलपूर्वक अक्षरशः लागू करने में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री श्रद्धेय रघुवंश प्रसाद सिंह की सराहना कर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने रघुवंश बाबू को मनरेगा मैंन की उपाधि दिया था ! यादव ने कहा है महात्मा गांधी राष्ट्रीय पिता थे उनके स्वराज इंडिया की सपनो को साकार करने के लिए देश में गरीबों एवं असहाय लोगों के लिए 100 दिन का गारंटी काम को मनरेगा नाम देकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी गई थी ! राजद की ओर स्पष्ट कहना है कि बेहद अफसोस है आज देश में फकर के अनुयायी के रूप में कार्य कर रहे भाजपा नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना कर दिया है !विदित है देश में पूज्य बापू के नाम से कई लोगों को संबोधित किया जाता है जैसे आसाराम बाबू ,मोरारी बापू जैसे अनेकों संत हैं इसलिए पूज्य बापू नामकरण के निर्णय से स्पष्ट नहीं है कि पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर किया गया है !मोदी सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय का राजद विरोध किया है और आरोप लगाया है कि मोदी सरकार के इस निर्णय से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और मनरेगा मैंन पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रघुवंश प्र सिंह के सपने व आत्मा पर आघात पहुंचाने का काम किया है !

वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में भाग लेने दिल्ली पहुंचे शिल्पी और बंधु तिर्की

संवाददाता ।

रांची। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित होनेवाली वोट चोर - गद्दी छोड़ महारैली में झारखंड से कई मंत्री और कांग्रेस के नेता शामिल होंगे। महारैली में कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के नेतृत्व में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचे। इसमें कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी रहीं।शनिवार को दिल्ली के राजघाट स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि स्थल पर बंधु तिर्की की अगुवाई में पार्टी नेताओं ने से श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर झारखंड के 7 से अधिक जिलों के टाना भगतों ने प्रार्थना कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही छत्तीसगढ़ से आए टाना भगत भी इस समूह में शामिल है। राजघाट के बाद सभी नेता कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन पहुंचे, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, झारखंड प्रदेश प्रभारी के राजू से भी मिले। इस दौरान मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और बंधु तिर्की के साथ राष्ट्रीय नेताओं ने रैली से संबंधित जानकारी साझा की। मौके पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि देश भर में वोट चोरी के खिलाफ जनता में जबरदस्त आक्रोश है। यह आक्रोश भीड़ के रूप में केंद्र सरकार को अपनी गलती का अहसास दिलाने के लिए दिल्ली पहुंच रहा है। दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात के दौरान आलोक कुमार दुबे, राजेश गुप्ता, किशोर नाथ शाहदेव, शशि भूषण भगत, मचकुल, मुद्दसिर हक, मोहम्मद इश्तियाक, मंगा उरांव, बंधु टोप्पो, केडी गुरु, जयंत बारला सहितअन्य का नाम शामिल है।

बर्मामाइंस की जनसमस्याओं को लेकर विधायक पूर्णिमा साहू ने उपायुक्त से मुलाकात कर रखी ठोस मांग

जमशेदपुर, संवाददाता

पूर्वी विधायक पूर्णिमा साहू ने शनिवार विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बमार्माइंस और इसके आस-पास के इलाकों की गंभीर जनसमस्याओं के समाधान को लेकर जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बमार्माइंस क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं के साथ-साथ जेम्को भगत सिंह चौक से गोविंदपुर अन्ना चौक तक भारी वाहनों की अवैध पार्किंग, सड़कों पर उड़ती धूल, अपर्याप्त स्ट्रीट लाइट, टाटा स्टील यूआईएसएल द्वारा बिजली-पानी कनेक्शन में देरी और प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में हो रही ढिलाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही उन्होंने कहा कि बमार्माइंस क्षेत्र लंबे समय से प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार हो रहा है। भारी वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग और बदहाल सड़क व्यवस्था ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक ट्रेनिंग सेंटर लालबाबा गोदाम से ट्यूब कंपनी गोलचक्कर होते हुए बमार्माइंस गोलचक्कर तक तथा ट्यूब कंपनी गोलचक्कर से डीवीसी मोड़-जेम्को भगत सिंह चौक-गोविंदपुर अन्ना चौक तक सड़क के दोनों ओर भारी गाड़ियों की अवैध पार्किंग से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जेम्को चौक से गोविंदपुर क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही एवं नियमों के पालन न करने से स्थानीय जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा टाटा स्टील और नुवोको सीमेंट कंपनी के पार्किंग स्थलों पर न तो ट्रैफिक पुलिस की तैनाती है और न ही निजी सुरक्षा व्यवस्था की। जिससे जाम की स्थिति लगातार बनी रहती है। उन्होंने बमार्माइंस में स्थित बेचिंग प्लांट और फाइन सेपरेशन यूनिट से फैल रहे वायु प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि भारी वाहनों के आवागमन से उड़ने वाली धूल और फाइन सेपरेशन बिल्डिंग से निकलने वाला प्रदूषण घनी आबादी वाले इलाके के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। जबकि प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय अब तक लागू नहीं किए गए हैं। बैठक में पूर्णिमा साहू ने टाटा स्टील द्वारा विस्तारीकरण के नाम पर बमार्माइंस क्वार्टर और फ्लैटों के ध्वस्तीकरण तथा इससे सटी छोटी व स्लम बस्तियों के रास्ते बंद किए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि डिस्मेंटलिंग एरिया और बमार्माइंस से स्टेशन मार्ग तक पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं होने के कारण रात के समय लोगों, विशेषकर स्टेशन जाने वाले यात्रियों और महिलाओं में भय और असुरक्षा का माहौल बना रहता है। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए विधायक पूर्णिमा साहू ने उपायुक्त के समक्ष कई व्यावहारिक और त्वरित सुझाव को भी रखा। जिनमें भारी वाहनों के लिए सुरक्षित व चिह्नित पार्किंग स्थल, टाटा स्टील और नुवोको सीमेंट के पार्किंग क्षेत्रों में 247 ट्रैफिक पुलिस व निजी सुरक्षा गार्ड की तैनाती, अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई, भारी वाहनों के लिए निर्धारित नो एंट्री को सख्ती से लागू करना, बेचिंग प्लांट से निकलने वाली गाड़ियों के रास्ते मे नियमित पानी छिड़काव, प्रतिदिन मशीन से सड़कों के धूल की सफाई, फाइन सेपरेशन यूनिट में डस्ट कंट्रोल तकनीक, डिस्मेंटलिंग व स्टेशन जाने वाले मार्ग पर उच्च क्षमता के स्ट्रीट लाइटिंग तथा छोटी बस्तियों के आवागमन वाले मार्ग को खुला रखने जैसे सुझाव शामिल हैं। वहीं उपायुक्त ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनकर आश्वासन दिया कि सोमवार को टाटा स्टील प्रबंधन, टाटा स्टील यूआईएसएल और पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में स्थित सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इन मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। ज्ञात हो कि इससे पूर्व विधायक पूर्णिमा साहू जुलाई माह में बमार्माइंस क्षेत्र का सघन दौरा कर चुकी हैं। मौके पर उन्होंने टाटा स्टील प्रबंधन, जिला पुलिस और प्रशासन से संवाद कर तत्काल हस्तक्षेप भी कराया था।हालांकि वह समाधान अस्थायी साबित हुआ। लेकिन इस बार उन्होंने विश्वास जताया है कि जनसमस्याओं के स्थायी और ठोस समाधान को लेकर वे पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जिससे बमार्माइंस एवं विधानसभा क्षेत्र के लोगों को स्थायी राहत मिल सके।

बीआईटी सिंदरी में ऊर्जा संरक्षण पर मुख्य व्याख्यान सत्र आयोजित

धनबाद, संवाददाता

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर बीआईटी सिंदरी के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन कार्उंसिल (IIC 8.0) द्वारा संस्थान परिसर में एक मुख्य व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं संकाय सदस्यों के बीच ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा सतत एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. पंकज राय, निदेशक, बीआईटी सिंदरी ने वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सतत विकास और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. प्रकाश कुमार, अध्यक्ष, IIC 8.0 ने ऊर्जा के कुशल उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया और छात्रों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मुख्य व्याख्यान डॉ. राकेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, यांत्रिक अभियंत्रण विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने डिंपल-आधारित सोलर एयर हीटर द्वारा पीवी कूलिंगः एक ऊष्मीय अध्ययन विषय पर अपने शोध को साझा किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया कि तापमान बढ़ने के कारण फोटोवोल्टिक प्रणालियों की दक्षता में कमी एक प्रमुख चुनौती है। उन्होंने एक अभिनव ऊष्मीय प्रबंधन तकनीक का विवरण दिया, जिसमें डिंपल-आधारित सोलर एयर हीटर के माध्यम से पीवी पैनलों को ठंडा किया जाता है। यह प्रणाली वायु प्रवाह में अशांति बढ़ाकर ऊष्मा स्थानांतरण को बेहतर बनाती है, जिससे न केवल सोलर पैनलों की विद्युत दक्षता में सुधार होता है, बल्कि निकाली गई ऊष्मा का उपयोग स्पेस हीटिंग एवं ड्राइंग जैसे कार्यों में भी किया जा सकता है। इस प्रकार यह प्रणाली समग्र ऊर्जा संरक्षण को समर्थन प्रदान करती है। कार्यक्रम में प्रो. आर. के. वर्मा, प्रो. डी. के. तांती, प्रो. एम. डी. अबुल कलाम, प्रो. राहुल कुमार एवं प्रो. मिनु मंजरी भी उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की अकादमिक गुणवत्ता को और समृद्ध किया। कार्यक्रम का समापन प्रो. राहुल कुमार, संयोजक, क्क्ष 8.0 द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन टिप्पणी के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित किया तथा छात्रों एवं संकाय सदस्यों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। यह सत्र नवाचार और राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण लक्ष्यों के प्रति बीआईटी सिंदरी की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित करता है।

सांसद खेल महोत्सव में आर्चरी और मुक्केबाजी का हुआ आयोजन

जमशेदपुर, संवाददाता

सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत शनिवार जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में आर्चरी और मुक्केबाजी का आयोजन हुआ। आर्चरी का आयोजन जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने इंडियन राउंड में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्लब के चुने हुए तीरंदाज शामिल हुए। यह पूरी प्रतियोगिता द्रोणाचार्य अवॉर्डी और पद्मश्री पूर्णिमा महतो के नेतृत्व में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन ट्रैफिक उपाधीक्षक श्री नीरज ने किया। खिलाड़ियों का उत्साह वरदान के लिए स्वयं सांसद विद्युत वरण महतो भी उपस्थित रहे। खेल के अंत में खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्बोधित भी किया गया। महिला वर्ग के मुकाबले में स्वर्ण पदक निर्मला महतो, रजत पदक काजल महतो और कांस्य पदक आलोमनी महतो को मिला। वहीं पुरुष वर्ग के मुकाबले में स्वर्ण पदक सागेन सोरेन, रजत पदक सगुण सोरेन और कांस्य पदक आकाश महतो को मिला। सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी के साथ सर्टिफिकेट और पुरस्कार राशि भी दी गई। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कुलवंत सिंह बंटी ने किया। मौके पर दीपू सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार, भाजपा नेता नागेंद्र पांडे, मनोज कुमार सिंह, अभय कुमार चौबे, प्रभाकर के साथ बड़ी संख्या में खेल संचालन से जुड़े लोग भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मिला त्वरित न्याय, मोटर वाहन दुर्घटना केस में दो पीड़ितों को मिला 1 करोड़ 80 लाख का चेक

जमशेदपुर, संवाददाता

न्याय को जन-जन तक सुलभ बनाने और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के उद्देश्य से शनिवार जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय के साथ साथ घाटशिला न्यायालय परिसर में भी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। वहीं जमशेदपुर में इसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविन्द कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर न्यायाधीश प्रधान कुटुंब न्यायालय अजीत कुमार सिंह, न्यायाधीश एडीजे 1 कनकन पट्टदार, न्यायाधीश पोक्सो कोर्ट बिमलेश सहाय, जिला बार संघ के अध्यक्ष आरएन दास एवं सचिव कुमार राजेश रंजन तथा डालसा सचिव धर्मेन्द्र कुमार समेत अन्य न्यायायिक पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस दौरान जिला प्रधान न्यायाधीश अरविंद कुमार पाण्डेय ने मोटर वाहन क्लेम केस में दो पीड़ित लोगों को 1 करोड़ 80 लाख रुपए का चेक भी प्रदान किया। जिसमें एडीजे 6 कोर्ट में केस नंबर एमएसी - 137/23 मामले में सोनारी का रहने वाला मृतक निलंजना बोस के माता पिता डॉली बोस व सुब्रतो घोष को संयुक्त रूप से 1 करोड़ 10 लाख रुपए का चेक भेंट दिया गया। साथ ही दूसरा क्लेम प्रधान जिला जज के कोर्ट में केस नंबर एमएसी - 05 / 2025 मामले में चक्रधरपुर निवासी मृतक बिमल खलको की पत्नी पूपेन खलको को 70 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। उक्त दोनों क्लेम राशि टाटा एआईजी इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से दिया गया।

मौके पर इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारी देवजीत सरकार एवं सफदर स्माइल भी मौजूद रहे। इस उपलब्धि पर प्रधान जिला जज अरविंद पांडेय ने कहा कि यह कदम न केवल न्यायपालिका की सामाजिक जिम्मेदारी को दशार्ता है। बल्कि पीड़ित लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए एक वरदान है। जहां बिना किसी खर्च और लंबी प्रक्रिया के त्वरित न्याय मिलता है। उन्होंने सभी पक्षकारों से अपील करते हुए कहा कि वे मध्यस्थता और समझौते के इस मंच का अधिकतम लाभ उठाएं। यह राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय और सामाजिक उत्थान के समन्वय का एक सफल उदाहरण है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कुल 16 बेंच गठित किया गया था। जिसमें जमशेदपुर न्यायालय परिसर में कुल 12 बेंचों का गठन किया गया और घाटशिला न्यायालय में कुल 4 बेंच गठित किया गया था। इन बेंचों में संबंधित मामलों पर त्वरित गति से सुनवाई और निपटारे का कार्य किया गया। जिससे वादियों को जल्द न्याय मिल सका। विभिन्न कानूनी श्रेणियों के मामलों जैसे मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, वैवाहिक विवाद और बैंक ऋण संबंधित मामले पर आपसी सुलह और समझौते के माध्यम से तत्काल फैसला लिया गया। इस पूरे आयोजन में न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी, कोर्ट कर्मचारी और पीएलवी की सक्रिय भूमिका रही। नेशनल लोक अदालत में कुल 2 लाख 75 हजार 9 सौ 36 केसों का निष्पादन किया गया।

जिसमें प्री लिटिगेशन केस 264775 और कोर्ट में लंबित केस 11159 है । केस निष्पादन में कुल राजस्व की प्राप्ति 10 करोड़ 9 लाख 80 हजार 7 सौ 5 रुपए की हुई। इससे पहले नेशनल लोक अदालत का ऑनलाइन उद्घाटन दुमका से हाईकोर्ट के प्रधान न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान एवं झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण सिंह तथा झालसा मेंबर सचिव कुमारी रंजना अस्थाना समेत अन्य लोगों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

गोमिया बांध पंचायत के विक्की यादव बने अग्निवीर, क्षेत्र में खुशी की लहर

गोमिया (बोकारो) : गोमिया बांध पंचायत के ग्राम महलीबांध, बाबूराम टोला निवासी विक्की यादव ने इंडियन आर्मी में अग्निवीर के रूप में सफलता प्राप्त कर पंचायत व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विक्की यादव, रामनाथ यादव के पुत्र हैं। उनके पिता वर्तमान में गोमिया बांध पंचायत सचिवालय में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। विक्की यादव दो भाई और एक बहन में सबसे छोटे हैं। उनके दोनों भाई-बहन सरकारी नौकरी की तैयारी पूरी लगन और मेहनत से कर रहे हैं। घर के छोटे बेटे की इस बड़ी उपलब्धि से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर गोमिया बांध पंचायत की मुखिया महोदया की ओर से विक्की यादव एवं उनके पूरे परिवार को ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। ग्रामीणों ने भी विक्की की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

बंगिया संगीत परिषद का 48वां वार्षिक दीक्षांत समारोह संपन्न

धनबाद, संवाददाता

धनबाद : बंगिया संगीत परिषद का वार्षिक दिक्षांत समारोह शनिवार को धनबाद क्लब में बांगिया संगीत परिषद के झारखंड प्रतिनिधि जाने माने चित्रकार शिवशंकर धर के नेतृत्व में बहुत ही सुसंस्कृत माहौल में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि कर्नल जे. के. सिंह, क्रेडो पब्लिक स्कूल की प्राचार्य शर्मिला सिन्हा, धनबाद क्लब के सचिव अतुल डोकनिया एवं अनिता अग्रवाल निशब्द बंगाली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष गोपाल भट्टाचार्य के द्वारा कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कोलकाता से बंगिया संगीत परिषद के प्रतिनिधी श्यामल गांगुली ने धनबाद आ कर छात्रों को चित्रकारिता की बारीकियां को मार्गदर्शित कर इस कार्यक्रम को संपन्न किया। सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कर्नल जे. के. सिंह ने सफल छात्रों का अभिनंदन करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयास के बाद आप यहां पहुंच पाएं हैं। उन्होंने इस मेहनत को समस्त जीवन के हर पड़ाव में जारी रखने का संदेश दिया है। उन्होंने छात्रों को विभिन्न साहसिक उदाहरण देते हुए सफल एवं उज्जवल भविष्य की बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम की शुरूआत थे प्रज्वलित कर किया गया इसके उपरांत समृद्धि चौधरी उर्फ छोटन के निर्देशन में विद्यार्थियों ने बहुत ही प्रशंसनीय सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया एवं बरनाली मुखर्जी, जोयीता धर व राजदीप चटर्जी ने एक रबीन्द्र संगीत की प्रस्तुती दी। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन सोहिनी धर और बरनाली मुखर्जी ने किया। । इसके साथ ही करीब 150 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट चित्रकला के लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

नर्स की मौत को लेकर परिजन और ग्रामीणों ने सुभाष चौक किया जाम

रामगढ़, संवाददाता

ओरमांझी थाना के पिपरबंडा की रहनेवाली लवली कुमारी (24)बेरेलिया नर्सिंग होम में नर्स के रूप कार्य करती थी। जिसकी मौत गुरुवार की रात हो गई। जिसे अस्पताल द्वारा आत्महत्या बताया गया। लेकिन जब इसकी जानकारी लवली कुमारी के परिजन और पिपरबंडा के लोगों को हुई। तब मृतका लवली कुमारी के परिजन और ग्रामीण शव को लेकर सुभाष चौक पहुंचे और मृतका के शव के साथ सुभाष चौक पर रखकर सड़क जाम कर दिया। परिजनों ने बताया कि ये आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है। पुलिस से हमारी मांग है कि मृतका के परिजन को 15 लाख रुपए और डॉ राहुल बेरेलिया सहित नर्स बिंदिया, साबित और रेणु को गिरफ्तार कर जेल भेजें। कहा कि हमलोगों के आने से पहले मृतका के शव का पोस्टमॉर्टम करवा दिया गया। कहा कि हम इसे आत्महत्या नही मानते हैं। अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी एवं अनुमंडलपुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद तथा थानापभारी नवीन कुमार पांडे के नेतृत्व रामगढ़ मे पीड़ित परिवार के साथ वार्ता हुई। आत्महत्या नहीं हत्या है इस बिंदु पर पुलिस जांच करेगी।

धान क्रय को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार, किसानों को सप्ताह भर में मिलेगा भुगतान

बोकारो, संवाददाता

जिले में धान क्रय कार्य की शुरूआत को लेकर समाहरणालय स्थित सभागार में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अजय नाथ झा ने की। इस अवसर पर जिले के सभी संबंधित पैक्स संचालक, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रतिनिधि एवं मिलर उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य आगामी धान क्रय सत्र को सुचारू, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनाना रहा। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि धान क्रय के दौरान किसानों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए। तौल, गुणवत्ता जांच एवं पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से संपन्न होनी चाहिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंडों में 15 दिसंबर से धान क्रय कार्य प्रारंभ किया जाएगा। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 17 धान क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों के हित में इस वर्ष एक बड़ा निर्णय लेते हुए विभाग ने धान सत्यापन की प्रक्रिया सप्ताह भर में पूरी करने का निर्देश दिया है। सत्यापन पूरा होते ही किसानों को धान की पूरी राशि एक साथ सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान की जाएगी। इससे किसानों को समय पर भुगतान मिलेगा और आर्थिक कठिनाइयों से राहत मिलेगी। उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी संबंधित विभागों, पैक्स, एफसीआई और मिलरों को आपसी समन्वय से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों से अपील की गई कि वे धान क्रय केंद्र पर जाने से पहले धान की अच्छी तरह सफाई कर उसे सुखा लें। इस वर्ष धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2450 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

होमवर्क नहीं करने पर 3 वर्षीय बच्ची की पिटाई, स्कूल प्राचार्य पर गंभीर आरोप

बोकारो, संवाददाता

किताब-कॉपी की दुनिया में अभी कदम रख रही 3 वर्षीय ऋषिका कुमारी के लिए होमवर्क ऐसा डर बन गया, जिसने उसकी मुस्कान छीन ली। सेक्टर-8 स्थित किड्स केयर एकेडमी में होमवर्क नहीं करने की ह्यगलतीह्ल पर मासूम को ऐसी सजा मिली कि उसके नन्हे गाल सूज गए और डर के मारे वह एक दिन तक खाना भी नहीं खा सकी। बच्ची के पिता ऋषितोष कुमार जब बेटी का सूजा हुआ चेहरा देख स्कूल पहुंचे, तो मामला प्रशासन तक जा पहुंचा। उन्होंने एसडीओ चास प्रांजल ढांडा को तस्वीरें भेजकर न्याय की गुहार लगाई। मामला गंभीर देख एसडीओ ने मजिस्ट्रेट राजबाला के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित कर दी, जो पीड़ित परिवार के घर पहुंची। जांच में सामने आया कि मासूम को जरूरत से ज्यादा पीटा गया था। मजिस्ट्रेट ने चोट के निशानों की पुष्टि की और बताया कि प्राचार्य ने अपनी गलती स्वीकार भी की है। प्रशासन ने फिलहाल सुधार का मौका देते हुए सख्त चेतावनी दी है। वहीं पिता का दर्द छलक पड़ा। उन्होंने कहा कि वे न्याय चाहते हैं, लेकिन प्राचार्य के राजनीतिक संबंधों के कारण भय का माहौल है। यह घटना न सिर्फ एक परिवार का दर्द है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करती है– क्या नन्हे बच्चों को पढ़ाने का तरीका डर और मार हो सकता है?

डॉक्टर की लापरवाही से मरीज बन गया दृष्टिहीन, मांग रहा न्याय

बोकारो, संवाददाता

बोकारो जिला के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत जारंगडीह निवासी दिलीप कुमार को डॉक्टर द्वारा झूठा आश्वासन देकर गलत तरीके से की गयी आंख का ऑपरेशन के बाद उसकी दृष्टि समाप्त समाप्त हो गयी। दृष्टिहीन दिलीप ने आज बेरमो बीडीओ को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है।गलत इलाज से दृष्टिहीन हुए जारंगडीह निवासी दिलीप कुमार ने बताया कि वह काफी गरीब है तथा पुर्व में दृष्टिहीन होने से पहले झाल-मुढ़ी एवं चना का फेरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। कहा कि उसके दो पुत्र एवं एक पुत्री हैं। जिसका भरण पोषण कठिन हो गया है।पीड़ित ने बताया कि पुर्व में वर्ष 2021 में उसे आँखों की समस्या होने के कारण रांची स्थित रिम्स तथा मुराई हॉस्पिटल में इलाज चला था, जहाँ के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने स्पष्ट रूप से बताया था कि उसकी आँखों की नसें सूख चुकी हैं, जिसका न तो कोई इलाज संभव है और न ही कोई ऑपरेशन। बताया कि केवल दवा चलाते रहने की उसे सलाह दी गई थी। कहा माह 2 नवंबर 2025 को जरिडीह बाजार के गुजराती स्कूल में नेत्र जांच ०मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया था उक्त शिविर कथारा के हाजी ए.आर मेमोरियल अस्पताल द्वारा आयोजित था, जहाँ वह भी अपना जाँच कराने गया। उपस्थित डॉक्टर को उसने अपनी बीमारी तथा रिम्स और मुराई हॉस्पिटल की रिपोर्ट दिखाने की बात कही, परंतु डॉक्टर ने उसकी रिपोर्ट देखने के बजाय कहा कि आपकी नस सूखी नहीं,बल्कि कमजोर हो गयी है। जिसका इलाज संभव है डॉक्टर के अनुसार ऑपरेशन से उसकी आँखें ठीक हो जाएँगी और रोशनी लौट आएगी। दिलीप के अनुसार डॉक्टर द्वारा न उसका ब्लड शुगर चेक किया गया, न बी.पी. जाँचा गया, और न ही किसी प्रकार की जरूरी जाँच की गई। डॉक्टर के झूठे आश्वासन और भ्रामक बातों पर भरोसा कर उसने कथारा अस्पताल गया, जहाँ डॉक्टर ने उसकी बाएं आँख का ऑपरेशन कर दिया। आरोप लगाते हुए उसने कहा कि डॉक्टर की लापरवाही से चिकित्सा एवं गलत ऑपरेशन के कारण उसकी आँख की पूरी रोशनी चली गई, जबकि ऑपरेशन से पहले उसे काफी हद तक दिखता था। अब वह पूरी तरह दृष्टिहीन है, जिससे उसके परिवार का जीवन संकट में पड़ गया है।पीड़ित दिलीप कुमार द्वारा बेरमो के प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार को जानकारी देते हुए एक आवेदन दिया गया! तथा न्याय की गुहार लगायी गयी है।आवेदन में पीड़ित ने उसका ऑपरेशन करनेवाले डॉक्टर सहित संबंधित अस्पताल प्रबंधन पर झूठा आश्वासन देकर ऑपरेशन करने! चिकित्सा में गंभीर लापरवाही बरतने तथा दृष्टि समाप्त होने के कारण की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में बैरन बीडीओ मुकेश कुमार ने कहा कि उन्हें आवेदन प्राप्त हुआ है। हाजी ए आर मेमोरियल अस्पताल से संबंधित आवेदन को वे अभी के अभी सीएचई के जो चिकित्सा प्रभारी है इनके आवेदन के आलोक में उचित जांच कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जांच के बाद कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।साथ ही, ऐसे चिकित्सकों का लाइसेंस जाँच कर आवश्यक होने पर रद्द भी किया जा सकता है।

बोकारो में ज्वेलरी शॉप में चोरी, नकदी व चांदी के जेवरात ले उड़े चोर

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर-2 सी जैन मंदिर के सामने स्थित श्री वैष्णवी ज्वेलर्स में बीती रात चोरी की घटना सामने आई। चोर दुकान से नकदी और चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि लॉकर नहीं टूट पाया, जिससे सोने के जेवरात सुरक्षित रहे। दुकान मालिक राजू कुमार के अनुसार, वे रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर रामनगर कॉलोनी स्थित घर चले गए थे। सुबह करीब 7 बजे मकान मालिक ने सूचना दी कि दुकान का सीसीटीवी कैमरा टूटा हुआ है। मौके पर पहुंचने पर एस्बेस्टस शीट टूटी मिली और दुकान में सामान बिखरा पड़ा था। नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

पटना के बाद अब बिहार के इस शहर से हटेगा अवैध कब्जा

67 अतिक्रमणकारियों को मिली नोटिस

जहानाबाद। जिले के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत टेहटा बाजार में जिला परिषद की जमीन पर सालों से अवैध कब्जा जमाए लोगों को हटाया जाएगा। इसको लेकर प्रशासन हरकत में आ गया है। शुक्रवार को अंचल कार्यालय से 67 अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेज कर उसका तामिला कराया गया, शेष 21 अतिक्रमण कारियों को शनिवार को नोटिस भेजा जाएगा। मखदुमपुर सीओ द्वारा निर्गत नोटिस में कहा गया है कि 15 दिसंबर तक आदेश का अनुपालन करते हुए स्वयं से लोक भूमि की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कर दें, यदि आपके द्वारा उक्त तिथि तक जमीन को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया जाता है तो प्रशासन के द्वारा पुलिस बल का प्रयोग करते हुए अतिक्रमण हटाया जाएगा। अतिक्रमण हटाने में आने वाला खर्च भी आपसे वसूला जाएगा। साथ ही अवज्ञा की स्थिति भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2003 की सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। गौर हो कि दैनिक जागरण ने 12 दिसंबर को टेहटा बाजार में अतिक्रमण की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिस पर प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की है। इस बाबत पूछने पर मखदुमपुर सीओ रंजीत कुमार उपाध्याय ने बताया कि टेहटा बाजार से अतिक्रमण हटाने के लिए वर्ष 2023 में अतिक्रमणकारियों को चिह्नित किया गया था, कुल 88 कब्जाधारियों को चिह्नित किया गया था, जिसमें 68 लोगों पर कार्रवाई करते हुए पांच जुलाई 2023 को अतिक्रमण हटाया गया था। लेकिन अतिक्रमणकारियों ने फिर से अपनी जगह पर अवैध कब्जा जमा लिया, जिसे हटाने के लिए फिर से कार्रवाई शुरू हो गई है। 15 दिसंबर तक का समय दिया गया है, उसके बाद बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा। टेहटा बाजार में जिला परिषद की सरेन मौजा की जमीन थाना नम्बर 313, खाता संख्या 1090, प्लाट संख्या 3605, 3606 व 3611 पर अवैध कब्जा है। भूमि पर अतिक्रमणकारी पक्का-कच्चा दुकान बनाकर अवैध तरीके से व्यवसाय कर रहे हैं। अतिक्रमण की वजह से आए दिन आम आवाम को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

दानापुर में प्रशासन ने अवैध निर्माण पर चलाया बुलडोजर

दानापुर। छावनी परिषद क्षेत्र के सदर बाजार मुख्य रास्ते पर शनिवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। छावनी परिषद ने सालों से जमा अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया। अभियान के दौरान जेसीबी की मदद से पक्की सीढ़ियों, झोपड़ियों, गुमटियों, होर्डिंग बोर्ड और एस्बेस्टस लगाकर किए गए अवैध निर्माण को तोड़ा गया। तोड़ी गई झोपड़ियों और गुमटियों को ट्रैक्टर पर लादकर हटाया गया। अतिक्रमण हटाते समय मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घंटों चले इस अभियान के बाद मुख्य सड़कें चौड़ी दिखने लगीं। यह अभियान दानापुर सदर बाजार से थाना मोड़ और इमलीतल तक चलाया गया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। अतिक्रमणकारियों से कुल 12 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला गया। अभियान का नेतृत्व दंडाधिकारी सह सीओ चंदन कुमार और नगर परिषद के नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान छावनी परिषद के प्रधान लिपिक मो. फिरोज, कनीय स्तर सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़क किनारे अवैध कब्जों के कारण अक्सर जाम लगता है, जिससे आम लोगों और स्कूली बच्चों को परेशानी होती है। इसी समस्या को देखते हुए छावनी प्रशासन ने यह अभियान चलाया है। अमरेंद्र कुमार ने यह भी बताया कि पूरे छावनी परिषद क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा। यह अभियान 20 दिसंबर तक जारी रहेगा, और दोबारा अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना वसूलने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

इंसाफ की आस में डीएम के चरणों में फरियादी

फलका प्रखंड कार्यालय में दिखा भावुक दृश्य

कटिहार। जिले के फलका प्रखंड कार्यालय में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब निरीक्षण के दौरान एक फरियादी अचानक जिलाधिकारी के पैर पकड़कर न्याय की गुहार लगाने लगा। नव पदस्थापित जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार फलका प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण पर पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान अचानक हुई इस घटना से मौके पर मौजूद अधिकारी और कर्मचारी कुछ देर के लिए सकते में आ गए। फरियादी की पहचान छोटू कुमार सिंह के रूप में हुई है। उसने बताया कि वह पिछले कई महीनों से एक जमीनी विवाद को लेकर सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक उसे न्याय नहीं मिल पाया है। फरियादी का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा उसके मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है और लगातार टालमटोल कर उसे इधर-उधर घुमाया जा रहा है। इसी पीड़ा और निराशा के चलते उसने जिलाधिकारी के समक्ष सीधे अपनी बात रखने का फैसला किया और भावुक होकर उनके पैर पड़ गया। अचानक उत्पन्न स्थिति में जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने संयम और संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने फरियादी को शांत कराया और पहले सामान्य स्थिति में आने की सलाह दी। इसके बाद डीएम ने उसकी पूरी समस्या को ध्यानपूर्वक सुना। जिलाधिकारी ने फरियादी को भरोसा दिलाया कि उसके मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। डीएम से मुलाकात के बाद फरियादी छोटू कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी ने उसकी बातों को गंभीरता से सुना है और उचित पहल का आश्वासन दिया है। मुलाकात के बाद फरियादी के चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी। उसने कहा कि अब उसे इंसाफ मिलने की उम्मीद जगी है।

महिला के साथ छेड़खानी

पटना। गर्दनीबाग में एक शादीशुदा महिला (19) के साथ छेड़खानी हुई है। महिला स्कूल से दोपहर 12:30 बजे अपनी बच्ची की छुट्टी के बाद लेकर घर लौट रही थी। इसी बीच मनचले ने पीछा करना शुरू कर दिया। एक मैरिज हॉल के पास छेड़छाड़ किया। आरोपी का कहना है कि वो महिला से बचपन से प्यार करता है। जबकि, महिला ने इस बात से साफ इनकार किया है। महिला के अनुसार बदमाश की नीयत और कुछ भी करने की थी। लेकिन वो भागकर घर लौट आई। इस घटना के बाद 12 दिसंबर को दोपहर 1 बजे अपने पति, बच्चों के साथ कार से बाजार के लिए निकली थी।

संक्षिप्त डायरी

बल्ला-गेंद से बदलेगी तकदीर, मुसहर युवाओं के लिए माता शबरी क्रिकेट टूनार्मेंट हुआ शुरू

भोजपुर। आरा शहर के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में नई आशा संस्था द्वारा आयोजित चार दिवसीय माता शबरी क्रिकेट टूनार्मेंट–2025 एवं मुसहर जाति विकास समारोह का भव्य उद्घाटन शनिवार को दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह के बाद सभी टीमों के कप्तानों ने मंचासीन अतिथियों को बुके, मोमेंटो एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। आयोजकों के अनुसार, इस खेल कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य खेल के माध्यम से वंचित समुदायों, विशेषकर मुसहर समाज के युवाओं में आत्मविश्वास का संचार करना और उन्हें अवसरों की मुख्यधारा से जोड़ना है।उद्घाटन समारोह में बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर, बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, जगदीशपुर विधायक श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, संदेश विधायक राधाचरण शाह, शाहपुर विधायक राकेश विशेश्वर ओझा, उद्योगपति अजय कुमार सिंह तथा फुटाब बिहार के अध्यक्ष प्रो. कन्हैया बहादुर सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।इस मौके पर बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुसहर समाज की बेहतरी और उनके सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से इस टूर्नामेंट को एक सशक्त मंच के रूप में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल आपसी एकता को मजबूत करता है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों में आत्मसम्मान और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आयोजन मुसहर समाज के बच्चों और युवाओं के लिए नई राह खोलेगा और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

गन पॉइंट पर 17 लाख की लूट

मुजफ्फरपुर। शनिवार सुबह माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 17 लाख रुपए की लूट हुई है। कर्मचारी रुपए से भरा बैग लेकर सिटेलर को पैसे देने जा रहा था। घटना करपुरा रेलवे गुमटी के पास न्यू फोर लेन रोड की है। अपाचे से आए 2 बदमाशों ने ओवरटेक कर गन पॉइंट पर लिया और कैश लेकर भाग निकले। पुलिस ने फिलहाल आसपास के एरिया में नाकेबंदी की है। अपराधियों की पहचान के लिए 1 किलोमीटर के एरिया के मेजर CCTV कैमरे के फुटेज मंगवाए गए हैं। कैश लेकर जा रहे कर्मचारी विक्रम ने बताया कि, मैं जमालाबाद से कैश लेकर मुबारकपुर-कांटी स्थित कार्यालय में जमा कराने जा रहा था। न्यू बाईपास ओवरब्रिज से गुजर रहे था, तभी पीछे से एक अपाचे बाइक पर सवार दो बदमाशों ने मुझे ओवरटेक कर रोक लिया। एक ने पिस्टल निकाली और मुझपर तान दी। मुझसे बैग देने को कहा। मैंने मना किया तो साथी बोला गोली मार दे। मैं डर गया। इतने में उन लोगों ने मेरे साथ से बैग छीना और भाग निकले। पैसा 'स्माइस मनी फाइनेंस कंपनी' का था। सूचना मिलते ही SDPO पश्चिमी-1 सुचित्रा कुमारी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस कर्मचारी से पूछताछ कर रही है। उन्होंने बताया कि फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 17 लाख रुपए की लूट की घटना सामने आई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच-पड़ताल कर रही है।आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से बैंककर्मी की मौत

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में सुबह एनएच-28ए पर अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक बैंककर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना पूर्वी चंपारण जिले के पिपराकोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-28ए पर बने ओवरब्रिज के पास की है। बताया जा रहा है कि मुजफ्फरपुर से मोतिहारी की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे में बाइक सवार बैंककर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मेहसी थाना क्षेत्र निवासी 35 वर्षीय आदित्य प्रियदर्शी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वे आरबीएल बैंक में बिहार-झारखंड प्रभारी के पद पर कार्यरत थे और किसी विभागीय बैठक में शामिल होने के लिए जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पिपराकोठी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश में जुट गई है।

वाहन चालकों का फाइन विरोध प्रदर्शन, लोक अदालत से निराशा के बाद सड़क पर उतरे लोग

पूर्णिया। सिविल कोर्ट परिसर में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन चालकों का भारी विरोध देखने को मिला। वाहन चालकों ने लोक अदालत में भी जुर्माना (फाइन) राशि माफ या कम न किए जाने से नाराज होकर सड़क पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराया। लोक अदालत से निराश होकर सभी चालक सीधे परिवहन विभाग के कार्यालय गेट पर पहुंचे और विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। परिवहन विभाग के अधिकारियों को हस्तक्षेप कर चालकों को समझाना पड़ा, तब जाकर मामला शांत हुआ। चालकों ने सामूहिक रूप से अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि परिवहन विभाग ने उन पर इतना अधिक जुर्माना थोप दिया है कि इसे चुकाने में उन्हें गंभीर आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कई चालकों पर लगाए गए जुर्माने की राशि लाखों में है, जो उनकी आय से कहीं अधिक है।चालकों ने कई उदाहरण भी दिए। इनमें डगरूआ निखरेल निवासी बमबम साह का ट्रैक्टर पर 1.04 लाख का जुर्माना, रानीपतरा निवासी अखिलेश कुमार मेहता का ट्रैक्टर जुर्माना 55 हजार, चंपानगर निवासी मनोज प्रसाद साह का ट्रैक्टर 80 हजार, श्रीनगर निवासी आशीष कुमार यादव का बाइक जुर्माना 7 हजार, ओमप्रकाश का ट्रैक्टर जुर्माना 85 हजार, कलानंद यादव (टोको चालक) का 78,500, सुपौल निवासी सुमन कुमार चौधरी का ट्रैक्टर 78,500 और पूरणदाहा निवासी विपिन कुमार भगत तथा डगरूआ गढ़बंस निवासी मोहम्मद सैफ का ट्रैक्टर 24,500 शामिल हैं।चालकों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि का जुर्माना भरने से उनका जीवनयापन मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने शनिवार को सिविल कोर्ट, पूर्णिया स्थित राष्ट्रीय लोक अदालत की बेंच नंबर 01 पर पहुंचकर संबंधित अधिकारियों और बेंच पर उपस्थित लोगों के सामने अपने कागजात पेश किए और जुर्माने की राशि को कम करने की गुहार लगाई। वाहन चालकों ने बताया कि उनके घर पर लोक अदालत का नोटिस आया था और उम्मीद थी कि समस्या का समाधान होगा, लेकिन बेंच पर स्पष्ट कर दिया गया कि फाइन माफ नहीं होगा। चालकों ने इस व्यवस्था पर गहरा असंतोष जताया और कहा कि लोक अदालत का आयोजन लोगों की समस्याओं को सुनकर हल करने के लिए किया जाता है, लेकिन यहाँ उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं निकला। लोक अदालत में निराशा मिलने के बाद, सैकड़ों वाहन चालकों ने एकजुट होकर परिवहन विभाग कार्यालय का रुख किया और विभाग के गेट पर आकर जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जुर्माने की राशि तत्काल कम करने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि प्रशासन और परिवहन विभाग उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लेते और जुर्माना कम नहीं किया गया, तो वे बड़े स्तर पर और प्रदर्शन करेंगे।

गया जंक्शन पर प्रसव पीड़ा से कराहती महिला को आरपीएफ ने दिया नया जीवन

गयाजी। पूर्व मध्य रेल के डीडीयू मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर शनिवार सुबह ऑपरेशन मातृ शक्ति के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला। प्लेटफार्म संख्या 2-3 के मिडिल फुट ओवर ब्रिज के नीचे प्रसव पीड़ा से कराह रही एक गर्भवती महिला का आरपीएफ की महिला जवानों ने सुरक्षित प्रसव कराया। इस दौरान मां और नवजात बच्ची दोनों को सकुशल बचा लिया गया। घटना शनिवार की सुबह करीब 9:30 बजे की है। ऑन ड्यूटी आरक्षी धर्मेंद्र कुमार-1 ने ड्यूटी अधिकारी सहायक उप निरीक्षक पवन कुमार को सूचना दी कि प्लेटफार्म 2-3 के बीच फुट ओवर ब्रिज के नीचे एक गर्भवती महिला को तेज प्रसव पीड़ा हो रही है। महिला के साथ चार छोटे बच्चे और एक वृद्ध महिला भी मौजूद थीं। सूचना मिलते ही सहायक उप निरीक्षक पवन कुमार ने तत्परता दिखाते हुए मेरी सहेली टीम में तैनात महिला आरक्षी सोनिका कुमारी को तत्काल मौके पर भेजा और स्टेशन मास्टर को मेडिकल सहायता के लिए सूचित किया। महिला आरक्षी सोनिका कुमारी ने मौके पर पहुंचकर गर्भवती महिला ममता देवी (35 वर्ष), पति प्रवेश कुमार, निवासी ग्राम पिपरा नवडिहा, थाना बेला, जिला गयाजी को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद करते हुए सुरक्षित प्रसव कराया। कुछ ही देर में मंडल रेल अस्पताल गया के डॉ. रवि कुमार पांडे अपनी मेडिकल टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जच्चा-बच्चा का प्राथमिक उपचार किया। महिला ने एक नवजात बच्ची को जन्म दिया। डॉ. पांडे ने बताया कि मां और बच्ची दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार का खतरा नहीं है। प्रसूता की सास क्यारी देवी ने बताया कि वे आगे इलाज के लिए बेला मेडिकल अस्पताल जाएंगी। इसके बाद आरपीएफ की निगरानी में महिला और नवजात को परिजनों के साथ सुरक्षित रवाना कर दिया गया।

ट्रैक पर अफसर, मैदान में जोश...

पटना में राष्ट्रीय स्तर का सिविल सर्विसेज स्पोर्ट्स महाकुंभ

पटना। बिहार को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खेल आयोजन की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ है। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज स्पोर्ट्स मीट 2025–26 का आयोजन 13 से 15 दिसंबर तक राजधानी पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में देशभर से आए सिविल सेवक खिलाड़ी मैदान में अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल 1,084 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इनमें 702 पुरुष एथलीट, 328 महिला एथलीट और 54 अधिकारी शामिल हैं। हरियाणा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक समेत कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए प्रतिभागियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को राष्ट्रीय महत्व प्रदान किया है।विभिन्न राज्यों के सिविल सेवकों का एक मंच पर जुटना खेल भावना के साथ-साथ आपसी समन्वय और सौहार्द को भी मजबूती देगा। स्पोर्ट्स मीट के अंतर्गत एथलेटिक्स की कई प्रमुख स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें 100 मीटर, 200 मीटर और लंबी दूरी की दौड़, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, हैमर थ्रो, हाई जंप, पोल वॉल्ट और रिले रेस शामिल हैं। खास बात यह है कि प्रतियोगिता में 40 से 60 वर्ष आयु वर्ग के वेटरन्स एथलीटों के लिए भी अलग से स्पर्धाएं रखी गई हैं, जिससे अनुभव और ऊर्जा का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रतियोगिता के लिए अत्याधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां सिंथेटिक ट्रैक, थ्रोइंग एरिया, आधुनिक उपकरण और खिलाड़ियों की सुविधा के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजन को लेकर सुरक्षा, चिकित्सा, आवास और परिवहन से जुड़ी तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं, ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। गौरतलब है कि बिहार सरकार लगातार राज्य में खेल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। खेल अकादमियों के विस्तार, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों और खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं से राज्य में खेल संस्कृति को नया आयाम मिला है। ऐसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजन न केवल बिहार की खेल पहचान को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि खेल पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं। इस प्रतिष्ठित आयोजन की संचालन समिति के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार के श्री प्रणव कुमार हैं। वहीं सचिव सह नोडल अधिकारी (एथलेटिक्स) के रूप में बिहार राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शीर्षत कपिल अशोक जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में आयोजन को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। बिहार सरकार ने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों और राज्य प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि यह राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता खेल भावना, अनुशासन, आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करेगी।

संक्षिप्त समाचार

नाम बदलकर की किशोरी से दोस्ती

धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ महानगर के बन्नादेवी क्षेत्र की एक किशोरी से दूसरे समुदाय के युवक ने नाम बदलकर दोस्ती कर ली। आरोप है कि बाद में धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दे दी। मामला संज्ञान में आने पर परिजनों संग करणी सेना पदाधिकारी थाने पहुंच गए। प्रकरण में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी

है। दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार 15 वर्षीय किशोरी कोचिंग जाती थी, तभी उसकी मुलाकात युवक से हो गई। युवक ने इंस्टाग्राम पर किशोरी से बात शुरू कर दी, उसने अपनी पहचान व नाम बदला हुआ बताया। इस बीच दोस्ती बढ़ने पर उसने किशोरी के अश्लील वीडियो और फोटो तक बना लिए। जब किशोरी को उसकी असली पहचान मालूम हुई तो युवक उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। यहां तक धमकी देने लगा कि अगर दूरी बनाई तो फोटो और वीडियो वायरल कर देगा। इस मामले में युवती ने मदद की गुहार लगाई, तब करणी सेना के नेता ज्ञानेंद्र सिंह सहित तमाम साथी परिजनों संग थाने पहुंच गए। काफी देर तक कार्रवाई को लेकर बहस हुई। इसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। एसएचओ विजय कुमार के अनुसार मामले में आरोपी की तलाश की जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

यूपी में भाजपा नेता का कत्ल

प्रधान के बेटे की पीटकर हत्या...बीच सड़क मिली विश्वकर्मा की लाश; पास में थी बुलेट

मुरादाबाद, एजेंसी। गाजीपुर के जमानिया कोतवाली के टिसौरा गांव के ग्राम प्रधान के बेटे व प्रतिनिधि विश्वकर्मा राम (26) की भूमि विवाद में पीटकर हत्या कर दी गई। उनका शव फुल्ली-दौदही नीली रजबाहा स्थित सड़क पर शुक्रवार की सुबह औंधे मुंह मिला। पास ही बुलेट भी गिरी थी। वह बृहस्पतिवार की रात बुआ के घर से लौट रहे थे। मां बिंदु देवी ने गांव के ही पांच लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। विश्वकर्मा राम भाजपा के अनुसूचित मोर्चा के जमानिया मंडल के अध्यक्ष थे।

थानाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान बिंदु देवी ने तहरीर देकर बताया कि भूमि को लेकर गांव के ही श्यामनारायण राय, राजेंद्र राय, सचितानंद राय, हिमांशु राय, मुकेश राय और अन्य से विवाद चल रहा है। पहले भी इन लोगों द्वारा मारपीट की गई थी। इस मामले में प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी। आरोपी मामले में सुलह और भूमि छोड़कर जाने का दबाव बना रहे थे। रंजिश में आरोपियों ने बेटे विश्वकर्मा राम को जाने से मारने की धमकी दी थी। 11 दिसंबर को बेटा और पूरा परिवार शाहपुर गांव बुआ के घर निमंत्रण पर गया था। रात करीब 10 बजे विश्वकर्मा राम अपनी बुलेट से घर जा रहे थे। आरोप लगाया कि रास्ते में फुल्ली और दौदही नीली रजबाहा के बीच रास्ते पिच रोड पर श्यामनारायण राय, राजेंद्र राय, सचितानंद राय, हिमांशु राय, मुकेश राय और अन्य घात लगाकर पहले से बैठे थे। बेटे के वहां पहुंचते ही आरोपियों ने पीटकर उसकी हत्या कर दी। दूसरे दिन सुबह फुल्ली गांव के लोग सड़क पर टहलने निकले तो शव देखकर घटना की जानकारी पुलिस और परिजनों को दी।

कफ सिरप कांड

सिपाही ने काली कमाई से बनाए आलीशान घर

लखनऊ समेत 25 ठिकानों पर 36 घंटे से ईडी की छापेमारी

लखनऊ, एजेंसी। ईडी द्वारा रांची में शुभम जायसवाल की फर्म शैली ट्रेडर्स के ठिकानों पर छापों के दौरान 189 फर्जी फर्मों का ब्योरा मिला है, जिनके जरिए 450 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्शाया गया था। यह लेन-देन कफ सिरप की तस्करी को छिपाने के लिए दर्शाया गया था। वहीं शुभम जायसवाल के वाराणसी स्थित घर से तमाम लग्जरी सामान बरामद किया गया है, जिसमें प्राडा और गुच्ची के डिजाइनर बैग और राडो और ऑडेमर्स पिगुएट जैसे ब्रांड की हाई-एंड लग्जरी घड़ियां शामिल हैं। इनकी कीमत 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। जांच में सामने आया है कि शुभम जायसवाल, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, सहारनपुर के विभोर राणा व विशाल सिंह ने अपने आलीशान घरों में करोड़ों रुपये खर्च किए। अधिकारियों को शक है कि कफ सिरप की तस्करी से होने वाली बेशुमार काली कमाई को खर्च किया गया। सभी के घरों में इंटीरियर का महंगा काम कराया गया है। ईडी के अधिकारी सरकार से अधिकृत वैल्यूअर से घर और इंटीरियर की कीमत का पता लगा रहे हैं ताकि आगे उन्हें जब्त किया जा सके।

केवल कंस्ट्रक्शन में 5 करोड़ खर्च

बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह के घर की जांच में पता चला कि महल जैसी संपत्ति बनाने पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे। शुरुआती जांच में अकेले कंस्ट्रक्शन की लागत लगभग 5 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें ज़मीन की कीमत शामिल नहीं है। आलोक का घर राजधानी के पॉश इलाके में होने की वजह से ज़मीन की कीमत का अलग से पता लगाया जाएगा। वहीं मेसर्स आर्पिक फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने कोडीन-बेस्ड कफ सिरप के गैर-कानूनी व्यापार और डायवर्जन में कंपनी की संलिप्तता का खुलासा किया। कंपनी के ठिकानों पर छापे में कई करोड़ रुपये के बिना हिसाब के लेन-देन का पता चला है। यह भी सामने आया है कि आर्पिक फार्मा अपनी सहयोगी कंपनी मेसर्स इधिका लाइफ साइंसेज के साथ कफ सिरप की तस्करी कर रही

केवल कंस्ट्रक्शन में 5 करोड़ खर्च

बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह के घर की जांच में पता चला कि महल जैसी संपत्ति बनाने पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे। शुरुआती जांच में अकेले कंस्ट्रक्शन की लागत लगभग 5 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें ज़मीन की कीमत शामिल नहीं है। आलोक का घर राजधानी के पॉश इलाके में होने की वजह से ज़मीन की कीमत का अलग से पता लगाया जाएगा। वहीं मेसर्स आर्पिक फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने कोडीन-बेस्ड कफ सिरप के गैर-कानूनी व्यापार और डायवर्जन में कंपनी की संलिप्तता का खुलासा किया। कंपनी के ठिकानों पर छापे में कई करोड़ रुपये के बिना हिसाब के लेन-देन का पता चला है। यह भी सामने आया है कि आर्पिक फार्मा अपनी सहयोगी कंपनी मेसर्स इधिका लाइफ साइंसेज के साथ कफ सिरप की तस्करी कर रही थी।

36 घंटे छापेमारी जारी

प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने दूसरे दिन शनिवार को भी छापेमारी जारी रखी है। छापेमारी पिछले 36 घंटे से जारी है। सिंडिकेट के 25 ठिकानों पर टीम पहुंची है। ईडी की टीमों ने लखनऊ, वाराणसी, अहमदाबाद, जौनपुर, सहारनपुर और रांची के ठिकानों पर छापेमारी की है। वहीं, लखनऊ में आरोपी आलोक सिंह के ठिकानों पर छापा जारी है। इसके पहले, कफ सिरप मामले में लखनऊ में कोडीन युक्त सिरप, टेबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन की कालाबाजारी के मामले में 11 अक्तूबर को गिरफ्तार हुए कृष्णानगर के स्नेहनगर निवासी दीपक मानवानी के दो साथियों सूरज मिश्र और प्रीतम सिंह को कृष्णानगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपियों का एक साथी आरुष सक्सेना अभी पकड़ा नहीं गया है। पुलिस टीम उसकी तलाश में लगी है।

इंडिगो से रिफंड पाने के लिए शुरू हुए आवेदन

साथ में ही मिलेगा बोनस कूपन भी; ऐसे करें अप्लाई

लखनऊ, एजेंसी। बीते दिनों इंडिगो के निरस्त हुए विमानों के लिए टिकट रिफंड की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई है। रिफंड के साथ यात्रियों को बोनस कूपन भी दिया जाएगा। यात्री आवेदन कर सकते हैं। इसमें पीएनआर व लास्ट नेम डालना होगा।

इसके बाद रिफंड की स्थित यात्री इसी वेबसाइट पर जांच सकते हैं। इसके अतिरिक्त 0124-6173838 व 0124-4973838 हेल्पलाइन नंबर व सोशल मीडिया एक्स पर इंडिगो के एकाउंट पर ञ्जद्धद्गढ्ढठ्ठस्रद्ब६श्व पर भी संपर्क कर सकते हैं। यात्री ट्रेवेल एजेंटों की मदद से भी रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इंडिगो एयरलाइन का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विदेशों में मरम्मत के बाद भारत में पुनः आयात किए गए विमान इंजनों और पुर्जों पर चुकाए गए 900 करोड़ रुपये से अधिक के सीमा शुल्क की वापसी की मांग की। यह याचिका जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस शैल जैन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। हालांकि, जस्टिस जैन ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया क्योंकि उनका बेटा इंडिगो में पायलट है।

दूसरी पीठ करेगी सुनवाई

इंडिगो ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि इस तरह के पुनः आयात पर सीमा शुल्क लगाना असंवैधानिक है और एक ही लेन-देन पर दोहरे कराधान के बराबर है। कंपनी के वकील ने बताया कि मरम्मत के बाद विमान इंजनों और पुर्जों के पुनः आयात के समय, उसने बिना किसी विवाद के मूल सीमा शुल्क का भुगतान किया था। कंपनी ने कहा, इसके अलावा, चूंकि मरम्मत एक सेवा के अंतर्गत आती है, इसलिए इस पर रिवर्स चार्ज के आधार पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का भुगतान भी हो गया था। वकील ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने उसी लेन-देन को माल के आयात के रूप में मानकर दोबारा सीमा शुल्क लगाने पर जोर दिया।

एयरलाइन ने दावा किया कि यह मामला पहले ही सीमा शुल्क न्यायाधिकरण की ओर से सुलझाया जा चुका है, जिसने यह फैसला सुनाया था कि मरम्मत के बाद पुनः आयात पर दोबारा सीमा शुल्क नहीं लगाया जा सकता। एयरलाइन ने कहा कि छूट अधिसूचना में बाद में संशोधन किया गया था, लेकिन न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया कि यह संशोधन केवल भविष्य में लागू होगा।एयरलाइन ने कहा कि उसने 4,000 से अधिक बिल ऑफ एंट्री के लिए 900 करोड़ रुपये से अधिक का शुल्क विरोध जताते हुए अदा किया।

अच्छा कमा रही पत्नी भरण-पोषण की हकदार नहीं, परिवार न्यायालय का फैसला हाईकोर्ट ने किया रद्द

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा पति से अलग रहकर अच्छा कमा रही पत्नी भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की अदालत ने पत्नी को गुजारा भत्ता अदा करने के परिवार न्यायालय गौतमबुद्ध नगर का आदेश रद्द कर दिया।

पति ने पुनरीक्षण याचिका में दलील दी कि परिवार न्यायालय की ओर से पत्नी को पांच हजार रुपये प्रति माह अदा करने का आदेश उसकी गलत बयानी के आधार पर दिया है। पत्नी ने अपनी अर्जी में खुद को बेरोजगार होने का दावा किया है, जबकि वह उच्च शिक्षित कामकाजी महिला है। अपनी नौकरी से वह 36,000 रुपये प्रतिमाह कमाती है। कोर्ट ने पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के दौरान पाया कि पत्नी ने ट्रायल कोर्ट में प्रति परीक्षा में 36000 रुपये की आमदनी स्वीकार की है। पत्नी पर कोई और ज़िम्मेदारी भी नहीं है। इसके विपरीत, पति पर बूढ़े माता-पिता के पालन-पोषण समेत अन्य सामाजिक जिम्मेदारियां हैं। कोर्ट ने कहा कि कानून वही पत्नी गुजारा-भत्ता पाने की हकदार हो सकती है, जिसके पास जीवनयापन का साधन न हो। मौजूदा मामले में पत्नी ने अदालत में खुद को बेरोजगार होने का दावा किया, जो न्यायिक प्रक्रिया को दूषित करने का प्रयास है। लिहाजा, दागी हाथों से अदालत आने वाली महिला राहत की हकदार नहीं है।

जनवरी या फरवरी में जारी हो पाएगा आयोग की भर्तियों का कैलेंडर

छात्रों को काफी समय से है इंतजार

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 2026 में प्रस्तावित भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जनवरी या फरवरी में जारी हो पाएगा। आयोग का अभी पूरा ध्यान पीसीएस-2024 मुख्य परीक्षा की स्क्रूटनी पर है और आगामी वर्ष में होने वाली भर्तियों का विवरण अभी तैयार नहीं है। ऐसे में अब दो महीने बाद ही कैलेंडर जारी होने की बात कही जा रही है।

पीसीएस के बाद आयोग की सबसे बड़ी एवं बहुप्रतिक्षित पीसीएस-जे, एपीओ एवं आरओ-एआरओ की भर्ती लंबे समय से नहीं हुई है। आरओ-एआरओ-2023 की मुख्य परीक्षा 31 जनवरी से प्रस्तावित है। पीसीएस जे की भर्ती भी तीन वर्ष से नहीं हुई है। खंड शिक्षा अधिकारी के लिए 2018 में भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी जो 2022 में पूरी हो पाई। इसके बाद कोई नई भर्ती नहीं हुई। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी की भी 2006 के बाद भर्ती नहीं हुई है। प्रतियोगी इन भर्तियों की लगातार मांग उठा रहे हैं और उनकी नजर 2026 में संभावित भर्ती परीक्षाओं के कैलेंडर पर है। हालांकि, प्रतियोगियों को अभी इसके लिए दो महीने का इंतजार करना पड़ सकता है। आयोग ने जनवरी में प्रस्तावित एलटी ग्रेड, प्रवक्ता, पीसीएस-2025 मुख्य परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है लेकिन नई भर्तियों का अभी विवरण तैयार नहीं हुआ है।

लग्जरी होटलों में प्रेमिकाओं को बांटता था गिफ्ट...

फिर करता था ये काम; फर्जी आईएएस को लेकर एक और नया खुलासा

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर में पकड़े गए फर्जी आईएएस गौरव को लेकर एक और नया खुलासा हुआ है। गौरव लग्जरी होटलों में प्रेमिकाओं को बुलाता था और गिफ्ट के साथ महंगे मोबाइल, ज्वेलरी, ब्रांडेड कपड़े देता था। बिहार और शहर की प्रेमिकाओं को ज्वेलरी व महंगे गिफ्ट देकर उनका भरोसा जीतता था।

बिहार के सीतामढ़ी मेहसौल निवासी फर्जी आईएएस ललित किशोर उर्फ गौरव कुमार सिंह की जांच में पता चला है कि बिहार में उसकी करतूतों का भंडाफोड़ होने से पहले वहां की एक युवती को लगातार शहर के लग्जरी होटलों में बुलाता था। गोरखपुर में भी तीन प्रेमिकाओं को लग्जरी होटलों में बुलाकर महंगे मोबाइल, ज्वेलरी, ब्रांडेड कपड़े व गिफ्ट देकर वह उनका भरोसा जीतता था। बिहार में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज होने के बाद गौरव ने अपना ठिकाना बदल लिया और गुलरिहा के मुहल्ले

झुंगिया-मुड़िला की गली में किराए के छिपकर रहने लगा। सोशल मीडिया पर अफसर के तौर पर प्रोफाइल बनाकर वह लोगों को झांसे में लेता रहा। पुलिस की जांच में सामने आया है कि गौरव जब भी गोरखपुर में होता तो बिहार की एक प्रेमिका को शहर के महंगे होटलों में बुलाता था।

बिहार में मामला खुला तो गोरखपुर में आकर छिपा

बिहार के मोकामा में जब ललित के फर्जीवाड़े की शिकायत हुई और पुलिस उसकी तलाश में जुटी तो वह गोरखपुर आ गया। यहां वह गौरव कुमार सिंह के नाम से रह रहा था और लगातार सोशल मीडिया पर खुद को आईएएस बताने वाली पोस्ट कर रहा था।

तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो को मारी टक्कर, उड़े परखच्चे-मची भगदड़, तीन की मौत और पांच घायल

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले में अजगैन-मोहान मार्ग पर धाराखेड़ा गांव के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। मोहान से अजगैन की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को ज़ोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो रिक्शा में सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। यहां दो की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, अजगैन कोतवाली क्षेत्र के धारा खेड़ा गांव के पास कोतवाली क्षेत्र के महूखेड़ा गांव निवासी पुत्ती लाल (46), वहीं थाना क्षेत्र के कोयला गली निवासी रमाशंकर (45) पुत्र राजपाल व एक अन्य लखनऊ आंख दिखाने के लिए ऑटो से जा रहे थे।

पीडीए के जवाब में भाजपा के तरकश का नया सियासी तीर

इसलिए ज्यादा मजबूत चेहरा हैं केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी

महराजगंज, एजेंसी। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को लेकर अचानक सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा इन्हें प्रदेश में पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। उनके चेहरे पर दांव लगाने का मकसद आगामी विधानसभा चुनाव में सपा के पीडीए के दांव को कमजोर करने की कोशिश भी मानी जा रही है।

पंकज कुर्मी (ओबीसी) समुदाय से आते हैं, जो यूपी में एक बड़ा और महत्वपूर्ण वोट बैंक है। यूं तो पार्टी में पहले से ही कई बड़े ओबीसी चेहरे हैं पर पंकज पर दांव नई ऊर्जा और सोच ला सकती है। पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व में इनकी अच्छी पकड़ और सबके लिए उपलब्ध होने वाले नेता की छवि के कारण इस पद के लिए दावेदार अन्य नेताओं की तुलना में उन्हें ज्यादा मजबूत चेहरा माना जा रहा है।

एक साल बाद ही यूपी में विधानसभा चुनाव- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 14 दिसंबर को होना है। करीब एक साल बाद ही यूपी में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के चेहरे से राजनीतिक मैसेज भी देना चाहती है।

लोकसभा चुनाव में यूपी में पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे सपा के पीडीए का दांव सफल होना माना जाता है। ऐसे में अगले चुनाव में भाजपा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं में फिर से अपनी पकड़ वापस पाना चाहती है। इसके लिए पंकज चौधरी नाम का सियासी तीर भी उनकी तरकश में है, जो पार्टी के मिशन-2027 में फायदेमंद हो सकता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का नाम चर्चा में आने से महराजगंज के खांटी भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी है। पार्टी कार्यकर्ताओं

का मानना है कि पंकज चौधरी का ओहदा पार्टी में हमेशा ठीक रहा है। यही वजह है कि चुनाव में भी पार्टी ने इन्हीं पर हर बार भरोसा जताया। पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ के अलावा संगठन में इनको लेकर कभी गतिरोध सामने नहीं आया। शुरुआत से ही पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर आगे बढ़ते चले गए। इनके विरोधी भी इनके व्यक्तित्व की सराहना करते हैं। सात बार सांसद होने के बाद भी जनता से इनकी नजदीकी कम नहीं हुई। कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करने में भरोसा रखते हैं। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अपना दल व अन्य सहयोगियों से परंपरागत कुर्मी वोट को अपने ओर आकर्षित करने में पंकज चौधरी काफी मददगार साबित हो सकते हैं। संघ से इनकी नजदीकी के साथ ही पार्टी के कैडर वाले नेताओं के भी प्रिय माने जाते हैं। यह अपनी कुशल रणनीति का नमूना भी चुनाव में दिखा चुके हैं।

पार्षद के तौर पर शुरू किया राजनीति का सफर

15 नवंबर 1964 को जन्मे गोरखपुर के उद्योगपति स्वर्गीय भगवती चौधरी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उज्ज्वल चौधरी के छोटे सुपुत्र पंकज चौधरी ने गोरखपुर नगर निगम के पार्षद के तौर पर 1989 में राजनीति का सफर शुरू किया। वर्ष 1990 में ही भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्य समिति सदस्य हुए।

10वीं लोकसभा में वर्ष 1991 में महराजगंज संसदीय सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए। 11 वीं और 12 वीं लोकसभा में वर्ष 1996, 1998 में सांसद चुने गए। 1999 में सपा के अखिलेश से हार मिली पर 2004 में फिर निर्वाचित हुए। 2009 में कांग्रेस के स्वर्गीय हर्षवर्धन से हार मिली।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए 464 मतदाताओं की सूची हुई जारी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बहुप्रतीक्षित चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदाता सूची जारी कर दी गई। इसमें कुल 464 मतदाता शामिल हैं। इनमें 5 सांसद, 26 एमएलए, आठ एमएलसी व 425 प्रांतीय परिषद के सदस्य व जिला अध्यक्ष हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की देखरेख में शनिवार को नामांकन पत्र भरे जाएंगे। चुनाव संपन्न कराने के लिए दोनों उप मुख्यमंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश संगठन के चुनाव अधिकारी व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया। 13 दिसंबर को नामांकन पत्र दोपहर दो से तीन बजे तक दाखिल किए जाएंगे।

डायबिटीज की नई दवा: नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में लॉन्च की सेमाग्लूटाइड आधारित दवा 'ओजेम्पिक

नई दिल्ली।

तेजी से बढ़ते ग्लूकागॉन-लाइक पेप्टाइड (जीएलपी-1) बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में सेमाग्लूटाइड आधारित मधुमेह की दवा 'ओजेम्पिक' लॉन्च कर दी है। कंपनी ने इसकी शुरुआती 0.25 मिलीग्राम (एमजी) खुराक की कीमत 2,200 रुपये प्रति सप्ताह रखी है। यह लॉन्च सेमाग्लूटाइड की पेटेंट अवधि खत्म होने से कुछ महीने पहले किया गया है, जो मार्च 2026 में समाप्त हो जाएगी।

ओजेम्पिक का उद्देश्य सस्ती और प्रभावी दवा प्रदान करना है, खासकर ऐसे समय में जब उसकी प्रतिस्पर्धी इलाई लिली की मौनजारो भारत में मोटापे और मधुमेह की सबसे अधिक बिकने वाली दवा बन चुकी है। मौनजारो ने पिछले तीन महीनों में मार्केट में दबदबा बना लिया है। ओजेम्पिक सप्ताह में एक बार लगने वाली इंजेक्शन है, जो टाइप-2 डायबिटीज के इलाज में उपयोग की जाती है। साथ ही, मोटापे और वजन प्रबंधन में भी मरीजों को इसके लाभ देखे गए हैं। यह दवा 0.25 एमजी, 0.5 एमजी और 1 एमजी की तीन खुराकों में उपलब्ध होगी।

प्रारंभिक पैकेजिंग में 0.25 एमजी इंजेक्शन के चार प्री-फिल्ड पेन शामिल हैं, जिसकी कीमत प्रति माह 8,800 रुपये (2,200 रुपये प्रति सप्ताह) रखी गई है। 0.5 एमजी की खुराक प्रति माह 10,170 रुपये (2,542.5 रुपये प्रति सप्ताह) और 1 एमजी की खुराक 11,175 रुपये (2,793.75 रुपये प्रति सप्ताह) में उपलब्ध होगी। नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के प्रबंध निदेशक विकांत श्रोत्रिय ने कहा कि अब ओजेम्पिक भारत में इंसुलिन मूल्य दायरे में उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि भारत में नवाचार का मतलब केवल लॉन्च नहीं बल्कि इसकी पहुंच सुनिश्चित करना भी है। इस साल मार्च में लॉन्च हुई मौनजारो ने मात्र सात महीनों में 496 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इस प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नोवो ने जून 2025 में मोटापे की दवा वेगोवी भी लॉन्च की थी, लेकिन उसकी बिक्री धीमी रही और नवंबर तक महज 50 करोड़ रुपये की आय हुई। इसके बाद कंपनी ने सभी खुराकों की कीमतों में 30 से 35 फीसदी की कटौती की।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परमाणु ऊर्जा विधेयक को मंजूरी दी

- सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परमाणु ऊर्जा विधेयक को मंजूरी दी है। इसका मुख्य उद्देश्य गैर-सामरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों और विदेशी तकनीक आपूर्तिकर्ताओं के लिए खोलना है। इसके तहत परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 में संशोधन प्रस्तावित है। वर्तमान कानून निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश को रोकते हैं, जबकि विधेयक पारित होने पर यह बाधाएं दूर हो सकती हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है। यह पहल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा फरवरी में प्रस्तुत बजट भाषण में घोषित परमाणु ऊर्जा मिशन को लागू करने में मदद करेगी। उच्च-स्तरीय पैनल की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना यह लक्ष्य हासिल करना कठिन होगा। निजी कंपनियों की भागीदारी से परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध होगी और निर्माण में दक्षता बढ़ेगी। इससे तेज और लागत-कुशल परियोजना निष्पादन संभव होगा। हालांकि, आपूर्तिकर्ता और संभावित ऑपरेटर सीएलएनडी अधिनियम के दायित्व की सीमा को लेकर अनिश्चित हैं। विधेयक को संसद के वर्तमान सत्र के विधायी एजेंडे में शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि विधेयक मसौदे के अंतिम चरण में है और मंत्रालयों की टिप्पणियों के बाद इसे आगे बढ़ाया जाएगा। यह कदम भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य के लिए रणनीतिक महत्व रखता है।

नवंबर में रिटेल महंगाई 0.71 फीसदी पहुंची, अक्टूबर में 0.25 फीसदी थी

- अक्टूबर में महंगाई खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी
- नवंबर में महंगाई बढ़ी क्योंकि जरूरी चीजों और ईंधन की कीमतें बढ़ गईं
- शहरी इलाकों में महंगाई तेजी से बढ़ी, जबकि ग्रामीण इलाकों में धीरे-धीरे बढ़ी

नई दिल्ली । सरकार ने नवंबर 2025 के महंगाई आंकड़े जारी किए। रिटेल महंगाई यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 0.71 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह केवल 0.25 फीसदी पर थी, जो पिछले 14 साल में सबसे कम थी।

नवंबर में महंगाई में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस-मछली, मसालों, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। सीपीआई बास्केट में करीब 50 फीसदी हिस्सा खाने-पीने की चीजों का होता है। नवंबर में खाद्य महंगाई माइनस 5.02 फीसदी से बढ़कर -3.91 फीसदी हो गई। इसका मतलब यह है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट धीमी हुई। महंगाई में अंतर शहर और गांव के बीच साफ देखा गया। ग्रामीण महंगाई -0.25 फीसदी से बढ़कर -0.10 फीसदी हुई, जबकि शहरी महंगाई 0.88 फीसदी से बढ़कर 1.40 फीसदी पर पहुंच गई। इससे पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में महंगाई की वृद्धि ज्यादा तेज रही। भारत में सीपीआई की वर्तमान सीरीज 2012 बेस ईयर पर आधारित है। बेस ईयर वह साल होता है जिसकी कीमतों को आधार मानकर तुलना की जाती है। उदाहरण के लिए, अगर 2020 में टमाटर 50 रुपए था और 2025 में 80 रुपए हो गया।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर बैन का विकल्प विचाराधीन: आरबीआई

- क्रिप्टोकरेंसी का कोई आंतरिक मूल्य नहीं है, इसका कोई आधिकारिक जारीकर्ता नहीं

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रवि शंकर ने कहा कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का विकल्प गंभीरता से विचाराधीन है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला सरकार करेगी और यह सभी हितधारकों की राय लेने के बाद होगा। डिप्टी गवर्नर ने क्रिप्टोकरेंसी को सिर्फ कोड का एक टुकड़ा बताया और कहा कि इसमें पैसे की मूलभूत विशेषताएं नहीं हैं, इसलिए इसे वास्तविक मुद्रा नहीं माना जा सकता। उन्होंने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी का कोई आंतरिक मूल्य नहीं है, इसका कोई आधिकारिक जारीकर्ता नहीं है और वह किसी भुगतान के वादे पर आधारित नहीं होती। इसकी कीमतें पूरी तरह सट्टेबाजी और अनुमान पर निर्भर करती हैं। भारत में फिलहाल क्रिप्टो ट्रेडिंग गैरकानूनी नहीं है, लेकिन सरकार इसके लेन-देन पर कड़ा टैक्स लगा रही है। क्रिप्टो से होने वाली आय पर 30 फीसदी टैक्स और हर ट्रांजैक्शन पर एक फीसदी टीडीएस लागू है। भारत में क्रिप्टो निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिसमें सबसे ज्यादा 18 से 25 साल के युवा शामिल हैं। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि क्रिप्टो के जोखिमों को देखते हुए बैन एक विकल्प हो सकता है, लेकिन सभी पक्षों की राय लेने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

चांदी का दवा से लेकर इंडस्ट्रीयल धातु तक का सफर

- चांदी के एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को रोकते हैं

नई दिल्ली।

चांदी सिर्फ आभूषण या निवेश के लिए ही नहीं, बल्कि आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाती है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस को रोकते हैं। घाव भरने वाली ड्रेसिंग, बर्न क्रीम, मेडिकल बैंडेज और सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स में सिल्वर कोटिंग संक्रमण का खतरा कम करती है। कुछ देशों में सिल्वर-आधारित वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम भी पानी को बैक्टीरिया-फ्री बनाने में मदद करते हैं। चांदी दुनिया की सबसे अच्छी इलेक्ट्रिकल कंडक्टर है। इसलिए इसका उपयोग स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी, माइक्रोचिप्स और सर्किट बोर्ड में अनिवार्य है। 5जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बढ़ते चलन के कारण चांदी की इंडस्ट्रियल मांग लगातार बढ़ रही है। सोलर पैनल में सिल्वर पेस्ट का इस्तेमाल सूर्य की रोशनी को बिजली में बदलने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाता है। जैसे-जैसे दुनिया ग्रीन एनर्जी की ओर बढ़ रही है, सोलर पावर की मांग के साथ चांदी की खपत भी बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक कारों में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, पावर कंट्रोल यूनिट और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चांदी का उपयोग अधिक होता है। ईवी सेक्टर के तेजी से बढ़ने के कारण चांदी की इंडस्ट्रियल मांग में इजाफा हो रहा है। भारत में मिठाइयों और धार्मिक अनुष्ठानों में चांदी का उपयोग सांस्कृतिक महत्व रखता है। निवेशक इसे सोने का सस्ता विकल्प मानते हैं, लेकिन असली ताकत इसके ड्यूल कैरेक्टर में है- यह कीमती धातु भी है और इंडस्ट्रियल मेटल भी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 687.26 अरब डॉलर

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.033 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर हो गया। पिछले सप्ताह भंडार 1.877 अरब डॉलर घटकर 686.227 अरब डॉलर था। विदेशी मुद्रा आस्तियां घटकर 556.88 अरब डॉलर रह गईं, जिसमें यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का असर शामिल है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया। वहीं, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में 93 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.721 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 97 लाख डॉलर घटकर 4.675 अरब डॉलर रह गई। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी मुद्रा में गिरावट के बावजूद स्वर्ण और एसडीआर में वृद्धि ने कुल भंडार को स्थिर बनाए रखा।

एयर इंडिया ने कोहरे से उड़ानों में होने वाली देरी के लिए किए विशेष इंतजाम

- एयर इंडिया ने अपनी फॉग केयर पहल शुरू की

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने 10 दिसंबर 2025 से 10 फरवरी 2026 तक देश में आधिकारिक फॉग विंडो घोषित की है। इस दौरान कोहरे के कारण उड़ानों में देरी या रद्द होने की संभावना अधिक होती है। एयरलाइन ने इस समस्या को कम करने और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पहले से विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। एयर इंडिया ने अपनी फॉग केयर पहल शुरू की है। इसके तहत उन उड़ानों को पहले से चिन्हित किया जाएगा, जो कोहरे से प्रभावित हो सकती हैं। प्रभावित यात्रियों को उनकी उड़ानों के बारे में एसएमएस, चाटबोट और ईमेल के जरिए समय रहते जानकारी दी जाएगी। इससे यात्रियों को अपनी यात्रा योजना बदलने या तैयारी करने का अवसर मिलेगा। अगर फ्लाइट लेट होती है या समय बदलता है, तो टिकट बिना अतिरिक्त शुल्क के किसी अन्य दिन के लिए री-शेड्यूल की जा सकती है। यदि ट्रिप कैंसिल करनी हो तो पूरा पैसा वापस मिलेगा, किसी प्रकार की पेनल्टी नहीं लगेगी और देरी होने पर यात्रियों को ग्राउंड असिस्टेंस, रिफ्रेशमेंट और केयर पैक जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। एयर इंडिया ने सीएटी-3बी सर्टिफाइड फ्लाइट और अतिरिक्त क्रू तैनात किए हैं। सीएटी-3बी सर्टिफाइड सर्टिफाइड विमान दिल्ली जैसे हाई-रिस्क एयरपोर्ट पर लगाए जाएंगे। एयरलाइन का इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर मौसम की लगातार निगरानी करेगा और जरूरत पड़ने पर उड़ानों के शेड्यूल में तुरंत बदलाव करेगा। कस्टमर केयर टीमें 24 घंटे यात्रियों को जानकारी और सहायता प्रदान करेंगी।

केएफसी ने यूएई में हटाए रेस्टोरेंट के दरवाजे

- बोर्ड पर लिखा है- जब हम कभी बंद ही नहीं होते, तो दरवाजे की क्या जरूरत?

नई दिल्ली ।

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन केएफसी ने यूएई में अपने कुछ रेस्टोरेंट्स के मुख्य दरवाजे हटा दिए हैं। अब जहां पहले लोग अंदर जाने के लिए दरवाजा खोलते थे, वहां एक बड़ा बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा है- जब हम कभी बंद ही नहीं होते, तो दरवाजे की क्या जरूरत? इसके साथ क्यूआर कोड भी दिए गए हैं, जिन्हें स्कैन करके ग्राहक सीधे आउटलेट तक पहुंच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि यह कदम 24 घंटे खुले रहने की सूचना ग्राहकों तक सबसे असरदार तरीके से पहुंचाने के लिए उठाया गया है। केएफसी का पूरा नाम केंटुकी फ्राइड चिकन है, जिसकी स्थापना कर्नल हार्लैंड सैंडर्स ने की थी। मैकडॉनल्ड्स के बाद यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रेस्टोरेंट चेन है। सितंबर 2025 तक केएफसी के 31,980 से अधिक रेस्टोरेंट 150 देशों में फैले हैं। भारत में केएफसी 1995 में बैंगलोर में पहली बार खुला था और अब 1000 से अधिक आउटलेट हैं। इसके सिग्नेचर प्रोडक्ट्स में ओरिजिनल रेसिपी चिकन, हॉट एंड क्रिस्पी, जिंगर बर्गर और चिकन बकेट शामिल हैं। कर्नल हार्लैंड सैंडर्स का जन्म 9 सितंबर 1890 को इंडियाना में हुआ था। 5 साल की उम्र में पिता की मृत्यु हो गई और मां फैक्ट्री में काम करने लगी। सैंडर्स ने 7 साल की उम्र से खाना बनाना सीखा। सेना, रेलवे, इंश्योरेंस, क्रेडिट कार्ड बिजनेस, लैंप बनाने और नाव चलाने जैसे कई कामों में असफलताओं का सामना करने के बाद उन्होंने केएफसी की स्थापना की।

सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह भर दिखाया उतार-चढ़ाव

- विदेशी निवेशकों की निकासी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले की अनिश्चितता मुख्य कारक रहे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह निवेशकों के लिए मिलीजुली प्रवृत्ति दिखाई। सोमवार से बुधवार तक बाजार में गिरावट का रुख रहा, जबकि सप्ताह के अंत में शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी ने कुछ सुधार के संकेत दिए। विदेशी निवेशकों की निकासी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले की अनिश्चितता इस सप्ताह के मुख्य कारक रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 316 अंक गिरकर 85,395.85 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 106.70 अंक गिरकर 26,079.75 पर खुला। दिन के अंत तक सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 और निफ्टी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 पर बंद हुआ। इस गिरावट के पीछे सेवा और रियल्टी सेक्टर की कमजोरी, मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निरंतर निकासी मुख्य कारण बने। मंगलवार को बाजार ने गिरावट का सिलसिला जारी रखा। सेंसेक्स 84,464.97 पर खुला और दिन के अंत तक 436.41 अंक गिरकर 84,666.28 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 204.75 अंक की कमजोरी के साथ 25,755.80 पर खुला और 120.90 अंक गिरकर 25,839.65 पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत फैसले से पहले निवेशकों ने रक्षात्मक रुख अपनाया, जिससे बाजार में और दबाव बना। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन गिरकर लगभग एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए।

सेंसेक्स 275.01 अंक गिरकर 84,391.27 और निफ्टी 81.65 अंक गिरकर 25,758.00 पर बंद हुआ। इस दौरान दोनों सूचकांकों ने दिन के उच्च और न्यूनतम स्तरों में उतार-चढ़ाव देखा। हालांकि, सप्ताह के अंत में शुक्रवार को बाजार ने सुधार दिखाया। सेंसेक्स 449.53 अंक बढ़कर 85,267.66 और निफ्टी 148.40 अंक बढ़कर 26,046.95 पर बंद हुआ। निवेशकों की बढ़ी हुई सकारात्मकता और रिबल्टी एवं अन्य सेक्टरों में कुछ सुधार ने बाजार को हरे निशान में ला दिया। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव का मिश्रित रुख दिखाया। शुरुआती दिनों में गिरावट के बावजूद सप्ताह के अंत में बाजार ने सुधार के संकेत दिए। विदेशी निवेशकों की गतिविधि, अमेरिकी नीतिगत फैसले और प्रमुख सेक्टरों के प्रदर्शन पर आने वाले हफ्तों में भी बाजार की दिशा निर्भर करेगी।

जियोस्टार और आईसीसी की बनी रहेगी साझेदारी

मुंबई । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और जियोस्टार ने स्पष्ट किया है कि भारत में आईसीसी के मीडिया राइट्स को लेकर दोनों के बीच 2024-2027 का समझौता पूरी तरह लागू है। जियोस्टार ने अपने मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट से कोई कदम पीछे नहीं खींचा है और वह आगामी फरवरी में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का प्रसारण करेगा। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जियोस्टार आईसीसी मीडिया राइट्स से हट रहा है। आईसीसी और जियोस्टार ने संयुक्त बयान में कहा कि यह खबरें पूरी तरह गलत हैं। दोनों संस्थाओं ने दोहराया कि जियोस्टार भारत में आईसीसी का आधिकारिक मीडिया पार्टनर बना रहेगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि आईसीसी 2026 से आगे के मीडिया राइट्स के लिए अन्य कंपनियों जैसे सोनी, प्राइम मीडिया और नेटफ्लिक्स से बातचीत कर रहा है। वहीं, जियोस्टार अपने वित्तीय घाटे को कम करने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियोस्टार ने 2024-25 में खेल अनुबंधों के संभावित नुकसान का अनुमान लगभग 25,760 करोड़ रुपए बताया है।

एसबीआई ने घटाई लोन की ब्याज दर, ग्राहकों को राहत

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने ग्राहकों के लिए लोन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा की है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद उठाया गया है। नई ब्याज दरें 15 दिसंबर से प्रभावी होंगी। बैंकिंग और फाइनेंस की दुनिया में यह बदलाव ग्राहकों के लिए आर्थिक राहत साबित होगा। इससे गृह, वाहन और पर्सनल लोन पर ईएमआई कम होने की उम्मीद है।

एमसीएक्स पर दो लाख का स्तर छूकर औंधे मुंह गिरी चांदी

- चांदी 8,800 रुपए हुई सस्ती, सोना भी पीक से फिसला

नई दिल्ली ।

चांदी की कीमतों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुक्रवार को चांदी ने 2,01,615 रुपए प्रति किलो के लाइफटाइम हाई को छूते हुए नया रिकॉर्ड बनाया। विशेषज्ञों का कहना है कि 2 लाख रुपए का मनोवैज्ञानिक स्तर पार होते ही निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग शुरू कर दी, जिससे कीमतों में तेजी से गिरावट आई। मुनाफावसूली के चलते चांदी की कीमतें चार घंटे के भीतर 8,764 रुपए प्रति किलो नीचे आ गईं और बाजार बंद होने तक 1,92,851 रुपए पर बंद हुईं। कारोबारी सत्र के दौरान कीमतें अपने पीक से 11,538 रुपए तक गिरकर 1,90,077 रुपए प्रति किलो भी पहुंच गई थीं। गुरुवार को चांदी 1,98,942 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी, यानी केवल एक दिन में लगभग 6,091 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। सोने में भी मुनाफावसूली देखी गई, लेकिन गिरावट चांदी जितनी तेज नहीं रही। एमसीएक्स पर सोना शुक्रवार को 1,35,263 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर पहुंचा। बाद में दबाव में आकर बाजार बंद होने पर सोने के दाम 1,33,622 रुपए पर रह गए। सत्र के दौरान सोने का निचला स्तर 1,32,275 रुपए तक गया। गुरुवार की तुलना में सोना शुक्रवार को 1,153 रुपए की बढ़त के साथ बंद हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार उच्च स्तर पर निवेशकों की प्रॉफिट बुकिंग सामान्य प्रक्रिया है। चांदी और सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सावधानी और रणनीति की जरूरत को दर्शाता है।

सेबी के अधिकारी निजी संपत्ति के सार्वजनिक खुलासे की गोपनीयता को लेकर चिंतित: चेयरमैन

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी निजी संपत्ति सार्वजनिक करने को लेकर गोपनीयता संबंधी चिंताएं जताई हैं। समिति ने अधिकारियों की संपत्ति और देनदारियों का सार्वजनिक खुलासा अनिवार्य करने की सिफारिश की है। पांडेय ने बताया कि अधिकारी इस जानकारी को आंतरिक स्वतंत्र इकाई को देने में सहज हैं, लेकिन सार्वजनिक करने पर आपत्ति रखते हैं। समिति की अधिकांश सिफारिशों से सेबी नेतृत्व सहमत है और जल्द निर्णय लिया जाएगा। यह समिति पांडेय के कार्यभार संभालने के बाद लिए गए पहले बड़े फैसलों में से एक थी। उनकी पूर्ववर्ती माधबी पुरी बुच पर हितों के टकराव और विवरणों के खुलासे में कमी के आरोप लगे थे। पांडेय ने कहा कि सेबी म्यूचुअल फंड, एआईएफ, पीएमएस सहित सभी क्षेत्र प्रबंधकों के लिए एकसमान नियम लाने पर विचार कर रहा है। इससे अनुपालन प्रक्रिया सरल और लागत कम होगी।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता हुआ बचपन

ललित गर्ग

यदि वह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को छ़बचपन जीने का अधिकारछ़ लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-

फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिक रूप से।

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं।

मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग कर-के मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और यह भी तुरंत।

भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में डूब गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की यह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी 'मांग' समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है।

यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन को बचाना-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

संपादकीय

अराजकता का कूपन

अब इंडिगो ने अपनी अराजकता पर पर्दा डालने के मद्देनजर 'कूपन' (वाउचर) बांटने की पेशकश की है। ये कूपन 10,000 रुपए के होंगे और 'गंभीर रूप से प्रभावित यात्रियों' को ही दिए जाएंगे। क्या ऐसे यात्रियों की परिभाषा और पात्रता इंडिगो ने स्पष्ट की है? क्या सरकारी तंत्र भी 9 लाख से अधिक यात्रियों की परेशानी और नुकसान की कीमत की भरपाई इस कूपन को स्वीकार कर रहा है? क्या अदालत इस कूपन को मान्यता देगी? फिलहाल मौखिक बयान आ रहे हैं कि ये कूपन मुआवजे से अतिरिक्त होंगे। यात्री अगले 12 माह तक इंडिगो की किसी भी यात्रा में इन कूपन का उपयोग कर सकेंगे, लेकिन इंडिगो ने डीजीसीए के नियमानुसार अभी तक मुआवजा नीति को अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक नहीं किया है। यह अनिवार्य नियम है। सरकारी निर्देश ये भी हैं कि मुआवजा नकद, बैंक ट्रांसफर अथवा यात्री की सहमति पर ही कूपन के रूप में दिया जा सकता है। एकतरफा कूपन की पेशकश नियमानुसार नहीं है। बहरहाल देश ने टीवी चैनलों पर एक चित्र देखा होगा, जिसमें इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स हाथ जोड़े केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू के पास बैठे हैं, मानो देश से माफी मांग रहे हों! देश ऐसे माफ नहीं करेगा। इंडिगो ने उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती का शैड्यूल सरकारी तंत्र के सामने रखा है, लेकिन गुरुवार, 11 दिसंबर, को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की 220 उड़ानें भी कंपनी ने रद्द की हैं। ऐसा क्यों किया गया? क्या यह पूर्वघोषित था? नतीजा यह रहा कि यात्रियों को एक बार फिर तकलीफ, परेशानी उठानी पड़ी। इंडिगो की कार्य-प्रणाली और गवर्नेंस मॉडल की जांच सेबी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने भी शुरू कर दी है। इंडिगो का संचालन मॉडल ही संदेह के घेरे में माना जा रहा है। सेबी का बयान आया है कि सूचीबद्ध कंपनियों को नोटिस जैसी संवेदनशील जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को देनी होती है। इंडिगो को डीजीसीए ने ही दो गंभीर नोटिस जारी कर रखे हैं। चार सदस्यीय समिति ने भी कंपनी के सीईओ से सवाल-जवाब किए हैं। इंडिगो के मुख्यालय में डीजीसीए की निगरानी टीम तैनात कर दी गई है, जिसमें तकनीकी अधिकारी भी हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक न तो कोई जुर्माना थोपा है और न ही कोई अन्य दंड दिया है, बल्कि गुरुवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से संसद को बताया गया कि इंडिगो ने 2024-25 में कुल 7253 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि अन्य विमानन कंपनियां घाटे में रहीं। सरकार को इस पहलू की भी चिंता करनी पड़ेगी कि विमानन कंपनियां घाटे में क्यों हैं?

क्या इंडिगो उनकी उड़ानों पर कब्जा करके मुनाफा कमा रही है? यही कारण हो सकता है कि इंडिगो का विमानन क्षेत्र में एकाधिकार है। क्या इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित नहीं होती? जब इंडिगो के कारण देश के लाखों यात्री बंधक की स्थिति में थे, तो दूसरी कंपनियों ने खूब कालाबाजारी की। यह सवाल दिल्ली उच्च न्यायालय में भी उठा कि विमानन कंपनियों ने सरकार द्वारा किराया तय करने, फ्रीज करने के बावजूद 80-90 हजार रुपए तक का किराया कैसे वसूल किया?

चिंतन-मनन

दुखः भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं, पर उनके अनुरूप कर्मों से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं, वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना, मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा-मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ?भा क्यों? उत्तर मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला, समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया, पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए।

बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई?

पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी।

बादशाह- वह क्या है?

पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया!

बादशाह- (क्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए? टुकड़े-टुकड़े कर दो, ऐसी रामायण मुझे नहीं चाहिए। उसने नई रामायण बनवाने का विचार त्याग दिया।

कहने का आशय यह है कि आज भी प्रायः व्यक्ति अपनी रामायण (प्रशस्ति) चाहते हैं, पर कष्ट देखना, सहना कोई नहीं चाहता। महात्मा गांधी बनने को सब तैयार हैं, लेकिन गोली खाने के लिए कौन तैयार है?

ममता दीदी के बगावती तेवर, आर-पार की लड़ाई

सनत जैन

भारत की राजनीति में जब-जब केंद्र और राज्यों के बीच टकराव की स्थिति बनती है, तब ऐसे समय में लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। ताजा मामला पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का है। जिन्होंने एसआईआर फॉर्म भरने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा, कि उनका जन्म भारत में हुआ है। वह कई बार सांसद रह चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री रह चुकी हैं। वर्तमान में मुख्यमंत्री हैं। उन्हें अपनी नागरिकता प्रमाणित करने की कोई जरूरत नहीं है। बगावती तेवरों के साथ अब वह दिल्ली में धरने के रूप में आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में हैं। ममता दीदी का यह कदम चुनाव आयोग की एसआईआर की कार्यवाही को नकारने का मामला नहीं है। इसके पीछे गहरे राजनीतिक नागरिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों के सवाल छिपे हुए हैं। ममता बनर्जी पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार की नीतियों और निर्णयों को चुनौती देती रही हैं। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार के साथ आर्थिक एवं राजनीतिक लड़ाई लड़ने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। फिर चाहे मनरेगा के मजदूरों का मामला हो, या किसानों का मामला हो, सब में पश्चिम बंगाल की उपेक्षा की गई है। केंद्र सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार के साथ आर्थिक भेदभाव भी किया गया है। ममता दीदी के सिर के ऊपर से पानी गुजर गया है। इस बार उनका तेवर और तीखा है। एसआईआर फॉर्म न भरना सीधे तौर पर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाना है। इसमें वह अब आम जनता को भी शामिल करने जा रही हैं। जिनके वोट काटे जाएंगे वह भी आक्रामक तरीके से इसका विरोध करने दिल्ली और पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में आंदोलन के लिए एकजुट हो सकते हैं। यह संकेत देता है, ममता बनर्जी ने जांच एजेंसियों और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हुए विद्रोही तेवर में आ गई हैं। उनके मुताबिक, एसआईआर फॉर्म महज एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव बनाने और गड़बड़ी करके चुनाव जीतने का औजार बन चुका है। ममता बनर्जी का यह धरना केंद्र और राज्य के संबंधों में बढ़ती खाई से जोड़कर देखा जा रहा है।

दिल्ली में धरना देने का निर्णय साधारण विरोध नहीं है। यह उस राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें ममता बनर्जी अपने अस्तित्व के संघर्ष को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहती हैं। 2024 के बाद के राजनीतिक माहौल में इंडिया गठबंधन में ममता बनर्जी शामिल नहीं थीं। विपक्ष बिखरा हुआ दिख रहा था। वर्तमान स्थिति में ममता बनर्जी को अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए विपक्षी एकता में अपने आपको सशक्त विपक्षी नेता के चेहरे के रूप में स्थापित करने का अवसर भी माना जा रहा है। दिल्ली का धरना उन्हें राष्ट्रीय मीडिया का मंच देगा। सवाल यह भी है, केंद्र सरकार और राज्यों के बीच में जिस तरह का टकराव लगातार बढ़ रहा है, वह लोकतंत्र के हित में है? केंद्र और राज्य दोनों का दायित्व है, वह संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करें। पिछले कुछ वर्षों से जांच एजेंसियां राज्यपाल तथा केंद्र की आर्थिक नीतियों में राज्यों के साथ जो भेदभाव किया जा रहा है। केंद्र सरकार राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों में घिरी है। जिन-जिन राज्यों में गैर भाजपाई सरकारें हैं, उन राज्यों के साथ केंद्र सरकार के संबंध ठीक नहीं हैं। जांच एजेंसियों और राज्यपालों के माध्यम से विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने की प्रक्रिया पिछले कई वर्षों से चल रही है। चुनाव आयोग द्वारा, जिस तरह चुनाव प्रक्रिया का केंद्रीकरण किया गया है। चुनाव आयोग खुलकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में काम करता हुआ नजर आ रहा है। विपक्षी दलों की राज्य सरकारें केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह के हमले किए जा रहे हैं, उसे अब राज्य सरकारें राजनीतिक हमला बताकर विरोध करने के लिए सड़कों पर उतर रही हैं। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है। संवैधानिक संस्थाओं के बीच टकराव बढ़ रहा है। अब तो इसके दायरे में न्यायपालिका भी आ रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह से भाजपा के पक्ष में अलग और विपक्षी दलों के प्रति अलग रुख देखने को मिल रहा है। यह स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच जो टकराव देखने को मिल रहा है, इसका शीघ्र समाधान होना चाहिए। इस तरह के टकराव से स्थितियां खराब होंगी। संवाद और अपनी-अपनी सीमा रेखा पर रहकर समन्वय बनाने की जिम्मेदारी सभी राजनीतिक दलों की है। ममता बनर्जी का यह कदम, केंद्र के लिए एक बड़ा संदेश है। अति सर्वत्र वर्जयेत, भाजपा ने चुनाव जीतने के लिए विपक्षी दलों को पूरी तरह से नेस्त-नाबूत करने की जो रणनीति पर काम किया है, ऐसी स्थिति में विपक्ष अब अपने अस्तित्व की रक्षा करने के लिए डू एंड डाई की स्थिति में आ गया है। विपक्ष अब चुप नहीं बैठेगा। यह बगावती तेवर आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति को बगावत की ओर ले जाते हुए दिख रहे हैं। जिस तरह से महंगाई, बेरोजगारी और अन्य परेशानी आम लोगों को झेलनी पड़ रही है, उससे हर राज्य में आंदोलन बढ़ते चले जा रहे हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब हो रही है। अपराध बढ़ रहे हैं। हताशा में आत्महत्या करने की घटनाएं बढ़ती चली जा रही हैं। अधिकांश

आबादी कर्ज के बोझ से दबी हुई है। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सभी संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जिम्मेदारी सजगता से पूरी करना होगी। जनता सब देख रही है, सब समझ रही है। ज्यादा दिन तक सपने नहीं दिखाए जा सकते हैं। ममता बनर्जी शक्ति-प्रदर्शन के जरिये अपनी सत्ता को सुरक्षित रखना चाहती हैं। दिल्ली का धरना एक राजनीतिक घटना भर नहीं होगी। वर्तमान में भारत के सामने जो चुनौतियां हैं। इस तरह के धरने-प्रदर्शन आम जनता की आवाज के रूप में सामने आते हैं। ममता बनर्जी का यह धरना सिर्फ पश्चिम बंगाल बनाम केंद्र के बीच टकराव का नहीं रह गया है। बल्कि भारतीय नागरिकों की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकार के साथ-साथ जीवनयापन के लिए एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए, तभी हम अपने लोकतंत्र को बेहतर दिशा की ओर ले जा पाएंगे। समय अपनी गति से भागता है। जिस तरह से दुनिया की आर्थिक व्यवस्था लड़खड़ा रही है, उसके कारण दुनिया के कई देशों में लगातार धरने प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकारें जल्दी-जल्दी गिर रही हैं और बन रही हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों में जो राजनीतिक दल अस्तित्व में हैं, उन्हें गंभीरता के साथ इस बात को स्वीकार करना होगा।

लाल धुंध के पार, उभरते भारत का नया भूगोल!

सोनम लववंशी

भारत की आंतरिक सुरक्षा की तस्वीर में नक्सलवाद दशकों से एक ऐसे स्याह धब्बे की तरह मौजूद रहा है, जिसने देश की शांति, संवैधानिक व्यवस्था और विकास की धमनियों में लगातार जहर घोला। यह संघर्ष केवल बंदूकों और बारूदी सुरंगों का नहीं था। यह उस सोच का संघर्ष था, जिसने हिंसा को न्याय का विकल्प मान लिया था। परंतु 2014 के बाद जो परिवर्तन सामने आया, वह केवल नीतियों का सुधार नहीं था, वह देश के सुरक्षा ढांचे, प्रशासनिक अनुशासन और विकास को लेकर राजनीतिक संकल्प का एक निर्णायक पुनर्जन्म था। सच्चाई यह है कि 2004 से 2014 के बीच नक्सल प्रभावित क्षेत्र एक तरह से 'भारतीय मानचित्र पर भौगोलिक रूप से मौजूद, पर प्रशासनिक रूप से गायब क्षेत्र' बन चुके थे। योजनाओं की घोषणाएं होती थीं, पर जमीन पर सरकार का साया तक नहीं दिखता था। सड़कें अधूरी रहतीं, स्वास्थ्य केंद्र धुएं में बदल दिए जाते, स्कूलों को बम से उड़ाकर बच्चों के भविष्य को मलबे में दफन कर दिया जाता। यह वह कालखंड था जब एक पूरी पीढ़ी शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास से कटकर अपने ही देश में परायेपन का जीवन जी रही थी। शासन की अनुपस्थिति ने नक्सलियों को यह वैचारिक और मनोवैज्ञानिक बढ़त दे दी, जिससे वे खुद को 'स्थानीय हितैषी' और 'शोषितों की आवाज' के रूप में पेश कर सके।

दरअसल यूपीए सरकार की नीतियां दिशाहीन थीं। एक तरफ सुरक्षा बलों को अभियान तेज करने के संकेत दिए जाते, तो दूसरी तरफ शीर्ष नेतृत्व ऐसे बयान दे देता जो नक्सलियों को राजनीतिक नरमी का संदेश पहुंचाते। परिणाम यह हुआ कि ऑपरेशन ग्रीन हंट जैसे बड़े अभियान भी समन्वय के अभाव में ठंडे पड़ गए। दंतेवाड़ा जैसे हमले केवल सुरक्षा कमजोरी के नहीं, बल्कि रणनीतिक असंगति और प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतीक बनकर उभरे। मनरेगा, ग्रामीण विकास योजनाएं, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल सब कुछ सिर्फ फाइलों में चल रहा था, जमीन पर नहीं। ठेकेदार गोलीबारी के डर से क्षेत्र छोड़ देते, मजदूर जंगलों में काम करने को तैयार नहीं होते, और प्रशासनिक अधिकारी अपनी हर यात्रा को जोखिम मानकर कार्यालयों में सिमट जाते, लेकिन परिदृश्य 2014 के बाद बदलना शुरू हुआ, और यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि स्पष्ट मंशा, कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति और एकीकृत राष्ट्रीय रणनीति का परिणाम था। मोदी सरकार ने नक्सलवाद को तीन स्तंभों पर आधारित समस्या के रूप में देखा। जिसमें सुरक्षा, विकास और विश्वास शामिल थे। इसलिए समाधान भी तीन स्तरों पर एक साथ दिया गया। पहली बार केंद्र और राज्य सरकारों के बीच न केवल रणनीति साझा की गई, बल्कि उसे समयबद्ध, परिणाम-आधारित और जवाबदेह तरीके से लागू भी किया गया। सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारी निवेश हुआ। फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन, नए कैंप, आधुनिक उपकरण, हेलिपैड, निगरानी तकनीक और आकस्मिक बलों की त्वरित तैनाती। यह केवल बंदूकें बढ़ाने भर का कदम नहीं था, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक बाधा को तोड़ने का प्रयास था जिसने कई जिलों को वर्षों तक 'नो-गो जोन' बनाकर रखा था। जैसे ही सुरक्षा का दायरा मजबूत हुआ, विकास का पहिया घूमना शुरू हुआ। नई सड़कें पहुंचीं, मोबाइल टावर लगे, बैंक खुले, स्कूल फिर से खड़े हुए, स्वास्थ्य केंद्रों में गतिविधियां लौटीं। जिन क्षेत्रों में सूर्यास्त के बाद सरकारी उपस्थिति शून्य हो जाती थी, वहां अब बिजली के खंभे, पुल और सार्वजनिक सेवाएं एक नए सामाजिक युग का संकेत देने लगे। इतना ही नहीं सबसे बड़ा परिवर्तन पुनर्वास नीति में दिखा। नक्सलियों के आत्मसमर्पण को केवल औपचारिक दस्तावेज भर नहीं माना गया, उन्हें देश की मुख्यधारा में सम्मानजनक वापसी का अवसर दिया गया। कौशल प्रशिक्षण, आवास, नकद सहायता, बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षित जीवन की गारंटी। इन सबने मिलकर यह संदेश दिया कि हिंसा का रास्ता छोड़ने पर राज्य न केवल उन्हें स्वीकार करेगा, बल्कि उनका जीवन बसाने में सहयोग भी करेगा। इसने बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पणों को प्रोत्साहित किया और संगठन की ताकत को भीतर से कमजोर किया।

इन सभी प्रयासों का परिणाम आंकड़ों में क्रांतिकारी रूप से स्पष्ट है। आंकड़े कहते हैं कि हालिया दौर में नक्सली हिंसा में लगभग 80 प्रतिशत की गिरावट आई है। जहां 2010 में सौ से अधिक जिले इस संकट की चपेट में थे, वहीं 2024 आते-आते यह संख्या घटकर 38 रह गई। यह मात्र सुरक्षा रिपोर्ट का बदलाव नहीं यह उन जिलों की सामाजिक मुक्ति है, जहां कभी सुबह और शाम के बीच सत्ता नक्सलियों और डर के हवाले रहती थी। आज वे गांव, जो कभी अविश्वास और भय के गढ़ थे, अब विकास को अपनी नई पहचान बना रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण बदलाव जनता की मानसिकता में आया है। पहले कुछ वैचारिक वर्गों में नक्सल हिंसा को 'क्रांतिकारी प्रतिरोध' की तरह प्रस्तुत किया जाता था। विश्वविद्यालयों के मंचों पर इसे बुद्धिजीवी बहसों का विषय बनाकर रोमांटिक रूप दिया जाता था। परंतु अब समाज ने हिंसा के उस मिथक को पूरी तरह खारिज कर दिया है। शांति, स्थिरता, शिक्षा और अवसर इनकी मांग इतनी प्रबल हो चुकी है कि नक्सलवाद का वैचारिक आवरण उतरकर उसकी क्रूरता साफ दिखने लगी है।

भारत आज नक्सलवाद की पकड़ से लगभग मुक्त हो चुका है। यह उपलब्धि किसी एक अभियान या किसी एक नेता की नहीं। यह राजनीतिक संकल्प, सुरक्षा बलों के त्याग, स्थानीय समुदायों की आकांक्षा और विकास आधारित शासन की सटीक दिशा का संयुक्त परिणाम है। यह इस बात का प्रमाण है कि जब राज्य पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाए और हिंसा के विरुद्ध स्पष्ट नैतिक-सुरक्षा रेखा खींच दे, तब सबसे जटिल उग्रवादी चुनौतियां भी परास्त की जा सकती हैं और ऐसे में नक्सलवाद अब भारत के इतिहास का एक सिकुड़ता हुआ अध्याय है। यह सिकुड़न पूर्ण विराम की दिशा में बढ़ती हुई दिखाई देती है। आने वाले वर्षों में जब बच्चे नए स्कूलों में पढ़ेंगे, सड़कें गांवों को शहरों से जोड़ेंगी, और आदिवासी परिवार मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। तब यह परिवर्तन केवल सुरक्षा रिपोर्ट में नहीं, बल्कि उन मुस्कुराहटों में लिखा जाएगा जो दशकों की हिंसा के बाद पहली बार निडर होकर खिली हैं। यह है नया भारत जहां विकास ही सबसे बड़ी सुरक्षा है, और शांति सबसे बड़ी जीत।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

सुरभि चंदना को मिला वूमेनप्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री को हाल ही में वूमेन प्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी बात की जानकारी सुरभि ने पोस्ट के जरिए दी। सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि यह सम्मान उनके लिए एक शांत सा पल है, जबकि उनका पूरा करियर शांत नहीं रहा है। उन्होंने लिखा, एक्टिंग के अलावा मैंने अपना म्यूजिक लेबल फील गुड ऑरिजिनल शुरू किया और अब द सेम ब्रैंड के साथ नई कहानियां बनाने की कोशिश कर रही हूं। इन नए रास्तों ने मुझे अंदर से बदल दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि इस सफर में चलना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, इस सफर को तय करने पर कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, कई बार फिर से शुरुआत करनी पड़ी और कई बार ऐसा लगा कि अब कुछ नहीं बचेगा, लेकिन फिर भी मैंने हार नहीं मानी और चलती रही, अपना रास्ता बनाती गई। अभिनेत्री ने बताया कि जीवन में आई हर मुश्किल, नाकामी ने उन्हें बदला और हर छोटी जीत ने याद दिलाया कि यह सफर क्यों शुरू किया था?

उन्होंने आखिर में लिखा, मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं, और उन कदमों के लिए, जो मुझे जमीन से जुड़ा महसूस कराती हैं। मैं जीवन में आने वाली कहानियों के लिए उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने कुबूल है, इश्कबाज, और नागिन-5 जैसे धारावाहिकों में काम किया है, लेकिन अब उन्होंने टीवी की दुनिया से थोड़ी दूरी बनाते हुए प्रोडक्शन में कदम रखा है। उन्होंने प्रोडक्शन हाउस फील गुड ऑरिजनल्स के बैनर तले सॉन्ग फजी रिलीज किया था। गाने में टीवी की जानी-पहचानी एक्ट्रेस शाइनी दोशी और अभिनेता विशाल आदित्य सिंह नजर आए थे।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआती दौर को किया याद

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में अपने शुरुआती करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब वो नई-नई अभिनेत्री थीं, तो वो बहुत महत्वाकांक्षी थीं और कोई भी काम मिलता था तो हां कह देती थीं।

बहुत लालची थी

एक खबर के अनुसार, प्रियंका ने अबू धाबी के ब्रिज समिट के दौरान कहा, मैं अपने करियर के शुरुआती दौर में बिल्कुल चुनिंदा नहीं थी। जो काम मिलता, कर लेती थी क्योंकि काम मिलना अपने आप में बड़ी बात होती है। मैं अपने 20 के दशक में बहुत लालची थी। हर दिन काम करना चाहती थी।

सफलता के लिए किए कई त्याग

प्रियंका ने बताया कि सफलता के लिए उन्होंने बहुत त्याग किए। प्रियंका ने कहा, मैंने जन्मदिन नहीं मनाए, दिवाली-क्रिसमस नहीं मनाए, और परिवार के साथ समय नहीं बिताया। जब मेरे पापा अस्पताल में थे, तब भी मैं उनके पास नहीं रह सकी। उस उम्र में मुझे इतनी मेहनत करनी पड़ी ताकि आज मैं वह जिंदगी जी सकूं, जो मैं आज जी रही हूं।

प्रियंका को आज इस बात की खुशी है कि उन्हें अपनी की हुई मेहनत का फल मिला है। उन्होंने कहा, आज मेरे पास ये लग्जरी है कि मैं फिल्मों को चुन सकती हूं कि कब हां (फिल्म) कहना है और कब ना। अगर मैंने तब इतनी मेहनत न की होती तो आज ये आजादी न मिलती। इसलिए मैं खुद को बहुत-बहुत थैंक यू कहती हूं।

प्रियंका का वर्कफंट

फिलहाल, प्रियंका इन दिनों निर्देशक राजामौली की फिल्म वाराणसी को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू नजर आएंगे। हाल ही में उनकी हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट रिलीज हुई थी। 2026 में उनकी हॉलीवुड फिल्म द ब्लफ रिलीज होगी।

कृतिका कामरा ने गौरव कपूर संग कन्फर्म किया रिलेशनशिप!

एक्ट्रेस कृतिका कामरा पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही थी। उन्होंने एक तस्वीर शेयर कर यह तो हिंट दिया था कि वह रिलेशनशिप में हैं, पर यह नहीं बताया था कि किसे डेट कर रहे हैं। लगता है अब कृतिका ने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है। वह गौरव कपूर को डेट कर रही हैं, जो टीवी प्रेजेंटर हैं। कृतिका ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें गौरव कपूर भी हैं। इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं, और एक्ट्रेस को बधाई दे रहे हैं।

कौन हैं गौरव कपूर?

गौरव कपूर दिल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने माउंट सेंट मैरी स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की और वेंकटेश्वर कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। वह एक क्रिकेट और टीवी प्रेजेंटर ही नहीं, बल्कि टीवी एक्टर भी हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग के मैच से पहले के शो, टी20 मैचों की कवरेज, और अपने पॉपुलर यूट्यूब शो ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस के लिए जाने जाते हैं। गौरव कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एफएम रेडियो से की और बाद में चैनल वी पर वीजे बन गए।

गौरव कपूर ने डरना मना है से किया था एक्टिंग डेब्यू

गौरव कपूर ने टीवी पर काम करने के अलावा कुछ फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने साल 2003 में फिल्म डरना मना है से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद वह श्श्श, शोले के रीमेक राम गोपाल वर्मा की आग, अगली और पगली, ए वेन्सडे, किक गन मुरुगन, चला मुसद्दी ऑफिस ऑफिस और काय पो छे! जैसी फिल्मों में नजर आए।

गौरव कपूर की पहले हो चुकी है शादी?

गौरव की निजी जिंदगी की बात करें, तो पहले उनकी शादी एक्ट्रेस और मॉडल किरत भट्टल से हुई थी। दोनों ने 2016 में शादी की थी। हालांकि, रिपोर्ट्स हैं कि शायद वो दोनों अलग हो चुके हैं, और इसीलिए गौरव अब कृतिका के साथ रिलेशनशिप में हैं। कृतिका और गौरव के रिश्ते की अफवाहें सोशल मीडिया पर महीनों से चल रही हैं। दोनों को कई बार मुंबई में साथ देखा गया है। कुछ पपाराजी पेज के मुताबिक, कृतिका और गौरव को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी उन अफवाहों पर रिएक्ट नहीं किया था। लेकिन अब कृतिका के लेटेस्ट पोस्ट से लग रहा है कि उन्होंने गौरव कपूर संग अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल कर दिया है।

रणवीर शौरी ने फिल्म धुरंधर को लेकर पेश की अपनी राय

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर इन दिनों खूब चर्चा में है। यह फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी इसे बहुत पसंद किया है। इसी बीच रणवीर शौरी ने धुरंधर को लेकर अपनी राय पेश की है। अभिनेता रणवीर शौरी ने फिल्म देखी और एक्स पर अपनी राय दी। उन्होंने लिखा, सोमवार की रात फुल हाउस के साथ धुरंधर देखी, बहुत मजा आया। यह एक शानदार जासूसी थ्रिलर है। इसमें सिर्फ पाकिस्तान में मौजूद आतंकी सिस्टम के खिलाफ गुस्सा है, बाकी किसी चीज से नफरत नहीं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि लोग किस बात की शिकायत कर रहे हैं। आदित्य धर और पूरी टीम ने कमाल का काम किया है, इनकी तारीफ होनी चाहिए।

रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में कार्तिक आर्यन का बड़ा खुलासा

सऊदी अरब में आयोजित रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कार्तिक आर्यन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने दुनिया भर के दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ बातचीत की। उनकी मौजूदगी ने ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती पहचान को और मजबूत किया। सेशन के दौरान कार्तिक ने खुलासा किया कि शुरुआत में उन्होंने भूल भुलैया 2 को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, जब यह फिल्म पहली बार मेरे पास आई, तब कोई कहानी नहीं थी, सिर्फ एक सीक्वल का आइडिया था। मैं उत्साहित नहीं था। लेकिन भूषण कुमार सर ने मुझे समझाया, फिर हम सबने मिलकर उस पर काम किया और सब कुछ बदल गया। आज मैं जहाँ भी जाता हूँ, बच्चे मुझे 'रूह बाबा' कहकर बुलाते हैं। मुझे खुशी है कि मैंने यह फिल्म की। भूल भुलैया 2 और उसके बाद भूल भुलैया 3 कार्तिक के करियर में मील के पत्थर साबित हुईं। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में किए गए इस खुलासे ने न सिर्फ उनके भूल भुलैया से जुड़े सफर की झलक दिखाई, बल्कि उनके वैश्विक प्रभाव को भी रेखांकित किया, जो उन्हें बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बनाता है।

सौम्या टंडन ने अक्षय खन्ना के साथ धुरंधर के पसंदीदा सीन को लेकर कही यह बात

सौम्या टंडन इन दिनों फिल्म धुरंधर की जबरदस्त सफलता का मजा ले रही हैं। यह फिल्म 2025 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन चुकी है। रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल जैसे सितारों से भरी इस फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है, जो उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक बनाने के लिए मशहूर हैं। हाल ही में फिल्म की एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने फिल्म में अपने सबसे पसंदीदा सीन के बारे में बात की।

फिल्म में सौम्या का किरदार

फिल्म में सौम्या टंडन ने अक्षय खन्ना (रहमान डकैत) की पत्नी उत्कत का किरदार निभाया है। उनका एक खास सीन बहुत चर्चा में है। जिसमें वह अपने पति के लिए सिगार जलाती हैं, ठीक उस वक्त जब रहमान अपने बेटे की हत्या का बदला लेने निकलने वाला होता है। इस सीन में सौम्या का गुस्सा, मां का दर्द और पति का साथ निभाने का जज्बा एक साथ दिखता है, इसलिए दर्शकों को यह सीन बहुत पसंद आ रहा है।

फिल्म में सौम्या का पहला सीन

सौम्या ने बताया कि धुरंधर में उनका यह सीन उनकी फिल्म का सबसे पहला शूट किया गया सीन था। अमृतसर में अक्षय खन्ना से उनकी पहली मुलाकात भी इसी सीन के दौरान हुई थी। एक फैन ने इस सीन को सबसे दमदार पल बताया था।

धुरंधर की कहानी

धुरंधर का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म एक रहस्यमयी लड़के हमजा अली मजारी (रणवीर सिंह) की है, जो रहमान डकैत के गैंग में शामिल होता है, लेकिन असल में वह भारत का जासूस है। वह पाकिस्तान में बड़े लोगों तक पहुंच बनाकर खुफिया जानकारी भारत भेजता है। कुल मिलाकर धुरंधर को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म में अक्षय खन्ना के अलावा सौम्या टंडन का किरदार भी खूब सराहा जा रहा है।

म्यूजिक कंपनी के तले 100 गाने रिलीज करने की तैयारी में हैं विपुल

फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह इन दिनों अपने प्रोडक्शन हाउस के नए विस्तार को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने हाल ही में सनशाइन म्यूजिक और सनशाइन पिक्चर्स डिजिटल नाम के दो नए वर्टिकल लॉन्च किए हैं। विपुल बताते हैं कि म्यूजिक और डिजिटल कंटेंट का विस्तार काफी समय से उनके दिमाग में था लेकिन इसे शुरू करने के लिए सही टीम और उचित वक्त का इंतजार किया जा रहा था। अब म्यूजिक इंडस्ट्री के अनुभवी नाम सुरेश थॉमस टीम भी साथ जुड़ गए हैं, जिससे उनकी प्लानिंग को पंख मिल गए हैं।

दर्शकों के दिलों तक सीधे पहुंचने का जरिया है यू-ट्यूब

यू-ट्यूब को कंटेंट रिलीज के एक बड़े प्लेटफॉर्म के रूप में देखते हुए विपुल कहते हैं... ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट अपलोड करने में सख्त शर्तें होने की बातें सुनता जरूर हूं लेकिन मेरी व्यक्तिगत फिल्मों के साथ ऐसा कोई अनुभव नहीं रहा। फिर भी मैं मानता हूं कि यू-ट्यूब लगातार बढ़ता हुआ माध्यम है और दर्शकों के दिलों तक सीधे पहुंचने का यह आज सबसे प्रभावी रास्ता बन चुका है।

इंडस्ट्री और ऑडियंस हमें हर साल जरूरी सीख देती है...

साल 2025 की सीख पर बात करते हुए विपुल कहते हैं कि... हर साल की तरह इस साल भी इंडस्ट्री ने एक ही बात दोहराई कि कंटेंट ही किंग है। कांतारा और सैयारा जैसी फिल्में इस साल खूब चलीं। अगर आप कंटेंट ही किंग है के फॉर्मूले को सच मानकर आगे बढ़ेंगे, तो बहुत अच्छी बात है। हालांकि, यह सीख फिल्म इंडस्ट्री और ऑडियंस हमें हर साल देती है लेकिन हम सीखते नहीं है और यही हमारी कमजोरी है।

विपुल बताते हैं कि मेरी म्यूजिक कंपनी पहले ही साल 100 गाने रिलीज करने की तैयारी कर चुकी है, जिनमें से 40-50 गाने फाइनल हो चुके हैं। यह सभी गाने ऑडियंस के लिए यूट्यूब पर पूरी तरह फ्री उपलब्ध होंगे। हमारा फोकस सब्सक्राइबर बेस बढ़ाने पर नहीं, बल्कि नए रो टैलेंट को मंच देने पर है। हर महीने करीब 6 से 10 गानों की रिलीज की प्लानिंग है।

मनोज बाजपेयी स्टारर द गवर्नर और जयदीप की हिसाब तैयार हैं...

विपुल ने अपनी दो आगामी फिल्मों के बारे में भी अपडेट दिया कि द गवर्नर और हिसाब तैयार हैं। द गवर्नर में मुख्य भूमिका में मनोज बाजपेयी हैं, अदा शर्मा एक अहम किरदार निभा रही हैं। यह पूर्व गवर्नर की बायोपिक नहीं है, बल्कि उनकी जिंदगी के सबसे बड़े चैलेंज का एक बहुत ही ड्रामेटिक एपिसोड है। इस फिल्म का निर्देशन मराठी इंडस्ट्री के प्रसिद्ध नाम चिन्मय मांडलेकर ने किया है, जो पहली बार हिंदी फिल्म बना रहे हैं। दूसरी फिल्म हिसाब एक अनोखी बैंक रॉबरी प्लॉट पर आधारित है। इसमें जयदीप अहलावत, शेफाली शाह और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार नजर आएंगे। इसका प्लॉट पूरी तरह कियशनल है और आर्टिकल जैसी फिल्मों से बिल्कुल अलग है। यह कहानी सिर्फ एक रॉबरी थ्रिलर नहीं, बल्कि इसमें मजबूत इमोशनल लाइन भी है।

फिर हो गई पाकिस्तान की बेइज्जती!

● ICC से नाराज हुआ PCB, टी20 वर्ल्ड कप से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में अपने कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर न होने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से नाखुश है।

सलमान आगा की फोटो पोस्टर से पहली बार गायब नहीं हुई है। एशिया कप 2025 के दौरान भी यह मामला आया था। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि इस मामले को आईसीसी के समक्ष उठाया गया है क्योंकि प्रचार पोस्टर में केवल पांच कप्तानों की तस्वीर है। इसमें सूर्यकुमार यादव (भारत), एडेन मार्करम (साउथ अफ्रीका), मिचेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया), दासुन शनाका (श्रीलंका) और हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) शामिल हैं।

एशिया कप के दौरान भी हुआ था- सूत्र ने कहा, ''कुछ महीने पहले एशिया कप के दौरान भी हमें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था, उस समय प्रसारकों ने हमारे कप्तान की तस्वीर के बिना ही प्रचार अभियान शुरू कर दिया था।'' उन्होंने बताया कि पीसीबी की एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) से बात करने के बाद ही स्थिति में बदलाव आया।

पाकिस्तान टॉप-5 टीमों में नहीं

उन्होंने कहा, ''इस बार भी हमें ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि आईसीसी ने टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में हमारे कप्तान की तस्वीर नहीं लगाई है।'' उन्होंने कहा कि भले ही पाकिस्तान आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पांच टीमों में शामिल न हो, लेकिन उसका एक समृद्ध इतिहास है और वह विश्व कप में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली टीमों में से एक है। उन्होंने कहा कि पीसीबी को पूरा भरोसा है कि आईसीसी प्रचार पोस्टर और अभियानों में पाकिस्तानी कप्तान को जरूर शामिल करेगी।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा टी-20 आज

धर्मशाला, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को तीसरा टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा। धर्मशाला में मैच से एक दिन पहले मौसम बदला है। आज सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं। इससे ठंड में इजाफा होगा। हालांकि, धर्मशाला में बारिश के आसार नहीं है। मगर सामने नजर आने वाली धौलाधार की पहाड़ियों पर हल्का हिमपात हो सकता है। हिमाचल की ऊंची चोटियों पर भी आज रात और कल हल्की बर्फबारी का पूर्वानुमान है। इससे मैच के दौरान ठंडी हवाएं चल सकती है जो कि गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है। धर्मशाला में दिन का तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच और रात का पारा 6 से 8 डिग्री के बीच रहने का पूर्वानुमान है।

भारतीय टीम आज प्रैक्टिस करेगी। बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, इंडिया टीम शाम 7:30 बजे से 10 तक तक अभ्यास करेगी, जबकि शाम 4:30 बजे से 7:30 बजे दक्षिण अफ्रीका का नेट सेशन प्रस्तावित था। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका टीम अभ्यास नहीं करेगी और केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। धर्मशाला में कल होने वाले मैच से पहले तिरंगा लहराते हुए भारतीय टीम के प्रशंसक।

सीरीज में बढ़त के लिए उतरेगी दोनों टीमें

इस मैच का रोमांच इसलिए बढ़ गया है, क्योंकि 5 मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। बीते दिन चंडीगढ़ में हुए मुकाबले में भारत 51 रन से हार गया था।

ऐसे में धर्मशाला का यह तीसरा मुकाबला सीरीज में बढ़त हासिल करने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए अहम हो गया है।

'छक्का रुकना नहीं चाहिए...'

वैभव सूर्यवंशी ने खोला तूफानी शतक का राज, पाकिस्तानी टीम को भी दी वॉर्निंग

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2025 में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन किया था. 12 दिसंबर (शुक्रवार) को दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में आयोजित इस मुकाबले में वैभव ने 95 गेंदों पर 171 रन बनाए, जिसमें 14 छक्के और 9 चौके शामिल रहे. वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी के दम पर भारतीय अंडर-19 टीम इस मैच को 234 रनों के विशाल अंतर से जीतने में सफल रही. मुकाबले में भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर्स में 433/6 रनों का स्कोर बनाया. जवाब में यूएई की टीम 199/7 रन ही बना सकी और उसे करारी शिकस्त झेलनी पड़ी. वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी शतक जड़ने के बाद टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे को खास इंटरव्यू दिया. इस दौरान वैभव ने अपनी तूफानी इनिंग्स का राज खोला. वैभव को इस बात का मलाल था कि वो और बड़ा स्कोर करने से चूक गए. वैभव ने पाकिस्तान और दूसरी टीम को भी वॉर्निंग देते हुए कहा कि वे इस टूर्नामेंट को जीतने के उद्देश्य से यहां आए हैं.

किस माइंडसेट के साथ उतरे थे वैभव?

वैभव सूर्यवंशी ने कहा, 'माइंडसेट ये था कि बड़े प्लेयर के साथ ओपनिंग करने का मौका था. आयुष म्हात्रे के साथ. इसके लिए ईश्वर का सदा आभारी रहूंगा. कुछ माइंडसेट नहीं था. बस ये सोचकर उतरा था कि 10-12 ओवर क्रीज पर बिताऊंगा, जब सेट हो जाऊंगा तो खुद रन आने लगेंगे. तो मैं बस वही ट्राई करने गया था.' वैभव सूर्यवंशी ने बताया, 'कैप्टन ने बोला था कि छक्का रुकना नहीं चाहिए, मारने में ही मैं आउट हो गया. कन्फ्यूज हो गया. कैप्टन का सुनता तो आउट नहीं होता. 50 ओवर खेलता तो 300 का नहीं पता और थोड़ा बड़ा स्कोर दिखता. सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, पूरे टूर्नामेंट में अच्छा करना है.'

भारत की अब पाकिस्तान से टक्कर

एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम का अगला मुकाबला 14 दिसंबर (रविवार) को पाकिस्तान से होना है. इस हाईवोल्टेज मैच पर फैन्स की निगाहें हैं. पाकिस्तान के बाद भारतीय टीम 16 दिसंबर को मलेशिया का सामना करेगी. टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 21 दिसंबर को होना है. महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. वैभव ने 10 दिनों के भीतर अपना दूसरा शतक जड़ते हुए यह बता दिया कि वह बड़े मंच के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने 2 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में नाबाद 108 रनों की शानदार पारी खेली थी. इससे पहले वैभव सूर्यवंशी का बल्ला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट 2025 में भी गरजा था, तब उन्होंने अपने आक्रामक अंदाज से सभी को चौंका दिया था. यूएई के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने महज 42 गेंदों पर तूफानी 144 रन ठोक दिए थे, जो टूर्नामेंट की सबसे यादगार पारियों में से एक रही.

जन्मतिथि विशेष

दीक्षा डागर ओलंपिक और डेफलंपिक्स खेलने वाली दुनिया की पहली गोल्फर हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में गोल्फ धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। दीक्षा डागर का नाम उन खिलाड़ियों में लिया जाता है जिन्होंने गोल्फ को देश में एक सशक्त खेल के रूप में बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनकी भूमिका इसलिए भी अहम है क्योंकि शारीरिक अक्षमता के बावजूद उन्होंने उस खेल में बड़ी सफलता हासिल की है जिसे देश में आज भी शीर्ष खेलों की सूची में शामिल होने का इंतजार है। दीक्षा डागर का जन्म 14 दिसंबर 2000 को झज्जर, हरियाणा में हुआ था। दीक्षा बचपन से ही सुनने में कमजोर रही हैं। गोल्फ दीक्षा को विरासत में मिली है। उनके पिता नीरज डागर भी गोल्फर हैं। उन्होंने ही दीक्षा का परिचय गोल्फ से कराया था। 6 साल की उम्र में उन्होंने गोल्फ खेलना शुरू कर दिया था। पिता गोल्फर थे, इसलिए खेल की तकनीक बेटी को जल्द समझ आ गई और इसका असर 2011 में दिखा। 2011 में 11 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप जीता। इसके बाद से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2016 में इंग्लैंड के यॉर्कशायर में आयोजित विश्व जूनियर गोल्फ चैंपियनशिप में उन्होंने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इन दो पदकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पहचान दिलायी।

2017 में ताइपे में हुए डेफलिंपिक्स में दीक्षा ने मिश्रित टीम इवेंट में रजत पदक जीता। इस आयोजन में पदक जीतने वाली वह भारत की पहली महिला गोल्फर बनीं। दीक्षा 'हेरिटेज लेडीज ओपन' और 'लागो ताहो ओपन' जैसे प्रमुख टूर्नामेंट जीत चुकी है। दीक्षा ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था। 24 साल की इस खिलाड़ी ने 2017 डेफलिंपिक्स में रजत जबकि 2021 और 2025 डेफलिंपिक्स में स्वर्ण जीता। टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और अमेरिकी गोल्फर टाइगर वुड्स को अपना प्रेरणास्रोत मानने वाली दीक्षा ओलंपिक्स और डेफलंपिक्स दोनों में हिस्सा लेने वाली इतिहास की पहली गोल्फर हैं। भारत सरकार ने 2023 में दीक्षा को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया था।

दीक्षा डागर बेशक अपने आस-पास घटित होने वाली चीजों को सुनने में सक्षम न हों, लेकिन उनके गोल्फ स्टिक से निकलने वाली गेंद की गूंज पूरी दुनिया सुनती है। दृढ़ इच्छाशक्ति की धनी इस खिलाड़ी से भारत को भविष्य में बड़ी उम्मीद है।

'गिल को बाहर करें और संजू को दें मौका'

तीसरे टी20 से पहले पूर्व भारतीय ने दोहरे मापदंड पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट को प्लेइंग इलेवन से शुभमन गिल को बाहर करके उनकी जगह संजू सैमसन को मौका देना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब भारतीय उप-कप्तान एशिया कप 2025 में वापसी के बाद से खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में लगातार फेल हो रहे हैं।

गिल को ड्रॉप करने का आ गया है समय- भारत बनाम साउथ अफ्रीका तीसरे टी20 मुकाबले से पहले कैफ ने गौतम गंभीर के दोहरे मापदंडों पर भी सवाल उठाए और कहा कि संजू सैमसन प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के हकदार थे। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि उप-कप्तान गिल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने का समय आ गया है। गिल ने कई बार आक्रामक खेलने की कोशिश की, लेकिन वो फेल रहे। उन्होंने कहा कि सैमसन एक टॉप-क्वालिटी खिलाड़ी हैं जो ज्यादा मौकों के हकदार हैं। कैफ के मुताबिक गिल को बाहर करके किसी बेहतर खिलाड़ी को टीम में लाना टीम के हित में होगा। कैफ ने कहा कि गिल ने सब कुछ ट्राई कर लिया है और मुझे लगता है कि अब उन्हें ब्रेक देने और खुद को साबित कर चुके खिलाड़ियों को आजमाने का समय आ गया है।

आईपीएल में पैसों की बारिश!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए जल्द ही ऑक्शन होने वाला है. 16 दिसंबर को आईपीएल की नीलामी के तहत खिलाड़ियों के नाम पर बोली लगेगी, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को उनकी उम्मीद के हिसाब से रकम नहीं मिलेगी, जबकि कुछ प्लेयर्स को तिजोरी खोलकर पैसा मिलता नजर आएगा. इन सभी में एक खिलाड़ी ऐसा भी होगा, जिस पर सबसे महंगी बोली लगेगी और वह आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे महंगा प्लेयर बनेगा. ऐसे में चलिए जानते हैं कि साल 2008 से लेकर 2025 तक कौन-कौन से खिलाड़ी आईपीएल की नीलामी में सबसे महंगे प्लेयर बन चुके हैं.

पिछले सीजन कौन बना था सबसे महंगा खिलाड़ी?

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को झोली भरकर पैसे मिले थे. लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंत पर जमकर पैसा बरसाया और उन्हें 27 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर न सिर्फ टीम में शामिल किया, बल्कि कप्तान भी बनाया. इस रकम के साथ ही पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बने थे.

2008 से 2025 तक हर सीजन के सबसे महंगे खिलाड़ी कौन?

भारत के डोमेस्टिक क्रिकेट में भ्रष्टाचार, 4 खिलाड़ियों को किया गया सस्पेंड

आईपीएल 2008 से लेकर 2025 तक के सबसे महंगे खिलाड़ियों के नाम और उनकी रकमः

साल	खिलाड़ी	टीम	सबसे अधिक कीमत
2008	एम एस धोनी	सीएसके	6 करोड़
2009	केविन पीटरसन, एंड्रयू फ्लिंटॉफ	आरसीबी, सीएसके	7.55 करोड़
2010	शेन बॉन्ड, कीरोन पोलार्ड	केकेआर, एमआई	4.8 करोड़
2011	गौतम गंभीर	केकेआर	11.04 करोड़
2012	रवींद्र जडेजा	सीएसके	12.8 करोड़
2013	ग्लेन मैक्सवेल	एमआई	6.3 करोड़
2014	युवराज सिंह	आरसीबी	14 करोड़
2015	युवराज सिंह	डीसी	16 करोड़
2016	शेन वॉटसन	आरसीबी	9.5 करोड़
2017	बेन स्टोक्स	आरपीएसजी	14.5 करोड़
2018	बेन स्टोक्स	आरआर	12.5 करोड़
2019	जयदेव उनादकट, वरुण चक्रवर्ती	आरआर, केकेआर	8.4 करोड़
2020	पैट कमिंस	केकेआर	15.5 करोड़
2021	क्रिस मॉरिस	आरआर	16.25 करोड़
2022	ईशान किशन	एमआई	15.25 करोड़
2023	सैम कुरेन	पंजाब	18.5 करोड़
2024	मिशेल स्टार्क	केकेआर	24.75 करोड़
2025	ऋषभ पंत	एलएसजी	27 करोड़

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के

10 किमी दौड़ का नेतृत्व करेगा ऑल-वुमेन पेसर स्क्वॉड, 25 किमी में उतरेगी डिफेंस टीम

कोलकाता, एजेंसी। 10 किलोमीटर की रेस में सबसे प्रेरक पेसर्स में कोलकाता की रोशनी गुहाठाकुरता भी शामिल है। जन्म से द्विपद क्लबफुट से जूझी और बचपन में बड़ी सर्जरी के बाद चलने योग्य हुई रोशनी आज एक सफल मैराथन और अल्ट्रा रनर हैं।

वे 85 मिनट बस पेस को लीड करेंगी। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण में इस बार 22 प्रेरक पेसर शामिल किए गए हैं, जो 21 दिसंबर को हजारों धावकों को सही गति देने के लिए ट्रैक पर उतरेंगे। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल से सम्मानित यह दुनिया की पहली 25 किलोमीटर रोड रेस है।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर पर ब्रिटेन का साफ संदेश: नहीं बदलेंगे नीति, फैसला भारत-पाक के हाथ

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस सप्ताह संसद के वेस्टमिंस्टर हॉल में हुई बहस के दौरान ब्रिटिश सरकार ने कश्मीर को लेकर अपनी दीर्घकालिक नीति की पुष्टि की कि यह भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीरियों की इच्छाओं के आधार पर हल करने का मुद्दा है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के मंत्री हामिश फाल्कनर ने पाकिस्तानी मूल के लेबर सांसद इमरान हुसैन द्वारा प्रस्तावित 'कश्मीर- आत्मनिर्णय शीर्षक वाली बहस के दौरान आधिकारिक रुख प्रस्तुत किया। ब्रिटिश-पाकिस्तानी मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या वाले ब्रैडफोर्ड ईस्ट के सांसद ने मंत्री से एक महत्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर देने के लिए कहा कि क्या कश्मीर एक ''द्विपक्षीय मुद्दा है या एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा। फाल्कनर ने कहा, ''मैं कश्मीर पर ब्रिटेन सरकार के लंबे समय से जारी रुख की पुष्टि करता हूं, जो यह है कि कश्मीरी लोगों की इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए, इस स्थिति का स्थायी समाधान ढूंढना भारत और पाकिस्तान का काम है।

ईयू ने रूसी संपत्तियां की फ्रीज, हंगरी-स्लोवाकिया की चाल नाकाम

यूक्रेन, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने शुक्रवार को रूस की यूरोप में स्थित संपत्तियों पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मॉस्को समर्थक सरकारों वाले देश हंगरी और स्लोवाकिया, यूक्रेन को समर्थन देने के लिए अरबों यूरो का उपयोग रोक न सकें।यूरोपीय संघ ने आर्थिक आपात स्थितियों के लिए बनाई गई एक विशेष प्रक्रिया का उपयोग करते हुए संपत्तियों पर तब तक के लिए रोक लगा दी जब तक यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध को रूस रोक नहीं देता और इसमें हुए भारी नुकसान के लिए अपने पड़ोसी देश की क्षतिपूर्ति नहीं करता। यूरोपीय संघ परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि यूरोपीय नेताओं ने अक्टूबर में यह प्रतिबद्धता जताई थी कि ''रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ आक्रामक युद्ध समाप्त करने और हुए नुकसान की भरपाई करने तक रूसी संपत्तियों के उपयोग, स्थानांतरण या बिक्री पर रोक रखी जाएगी। आज हमने उस प्रतिबद्धता को पूरा किया है।

ट्रंप के संघर्ष रोकने का दावा फेल, थाई सेना ने सीमा पर फिर बरसाए बम,

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी सीमा संघर्ष में आयदिन नए-नए मोड़ सामने सामने आ रहे है। एक तरफ जहां बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वो एक फोन पर ये संघर्ष रुकवा देंगे। वहीं दूसरी ओर ताजा अपडेट ये है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर हमले और तेज होते नजर आ रहे हैं। आज यानी शनिवार को भी थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया सीमा के पास हवाई हमला किया। जानकारी के मुताबिक, थाई वायुसेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए कई ठिकानों पर बम गिराए। मीडिया रिपोर्टस की मानें तो स्थानीय समयानुसार शनिवार की सुबह 5:50 बजे, थाई सेना ने कंबोडिया के पश्चिमी प्रांत बट्टम्बैंग के त्मोर दा शहर के एक होटल की इमारत को निशाना बनाकर एक बम गिराया। इसके पांच मिनट बाद, 5:55 बजे उसी इलाके में एक और होटल इमारत पर बमबारी की गई।

रूसी मीडिया ने डिलीट किया शहबाज शरीफ की बेइज्जती वाला वीडियो

● पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट से ज्यादा लंबा इंतजार कराना पड़ा।

अश्गाबात, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शांति और विश्वास मंच (पीस एंड ट्रस्ट फोरम) के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट से ज्यादा लंबा इंतजार कराना पड़ा। इस घटना ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, जब रूसी मीडिया चैनल आरटी इंडिया ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शरीफ को कथित तौर पर पुतिन-तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन की बंद कमरे वाली बैठक में 'घुसते' दिखाया गया। वीडियो वायरल होते ही पाकिस्तानी पीएम का मजाक उड़ने लगा, लेकिन कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने इसे डिलीट कर दिया।

घटना का बैकग्राउंड: क्या हुआ तुर्कमेनिस्तान में?

तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात में 12 दिसंबर को आयोजित इस फोरम ने देश की 30वीं स्थायी तटस्थता वर्षगांठ मनाई। इसमें रूस, तुर्की, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों के नेता शामिल हुए। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक का शेड्यूल था, जो रूस-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने का हिस्सा था। लेकिन बैठक में देरी हुई। शेयर करते हुए लिखा कि शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार सहित पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने एक हॉल में 40 मिनट इंतजार किया। इसने एक अन्य वीडियो के साथ लिखा कि थक-हार कर शरीफ पुतिन-एर्दोगन की बंद बैठक में घुस गए, जहां वे सिर्फ 10 मिनट रुक सके और फिर बाहर आ गए। वीडियो में शरीफ को असहज दिखाया गया, जबकि पुतिन और एर्दोगन अपनी बातचीत में व्यस्त थे। हालांकि पुराने विवादित वीडियो को लेकर न तो रूस और न ही पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है।

मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई

आरटी इंडिया ने एक्स पर लिखा- पीएम शरीफ ने पुतिन के लिए 40 मिनट इंतजार किया, फिर एर्दोगन वाली बैठक में घुस गए। वे 10 मिनट बाद बाहर आ गए। यह पोस्ट तेजी से वायरल हुई, जिसके बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। यूजर्स ने इसे अंतरराष्ट्रीय अपमान करार दिया, कुछ ने कहा- पुतिन ने भिखारियों के लिए समय बर्बाद नहीं किया।

वायरल होने के कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने वीडियो और पोस्ट डिलीट कर दिया। चैनल ने एक्स पर सफाई जारी करते हुए कहा- हमने तुर्कमेनिस्तान में पीस एंड ट्रस्ट फोरम में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ के व्लादिमीर पुतिन से मिलने का इंतजार करने वाली पिछली पोस्ट डिलीट कर दी है। हो सकता है कि वह पोस्ट घटनाओं को गलत तरीके से दिखा रही हो। ' हालांकि बाद में पाकिस्तानी पक्ष की ओर से कुछ अन्य वीडियो जारी किए गए हैं जिनमें शरीफ-पुतिन से मिलते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में शरीफ को पुतिन के साथ कारिडोर में हाथ मिलाते और बातचीत करते दिखाया गया। खुद पाकिस्तान स्थिति रूसी दूतावास ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 12 दिसंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अश्गाबात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।..

इमरान खान मामले पर एलन मस्क की एंट्री

● पूर्व पत्नी ने लिखा खास मैसेज; की बड़ी अपील

इस्लामाबाद , एजेंसी। इमरान खान की हालत को लेकर उनका परिवार लगातार चिंता जता रहा है। अब पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने एक्सके मालिक एलन मस्क को एक खुला संदेश लिखकर आरोप लगाया है कि उनके पोस्ट लोगों तक पहुंच ही नहीं पा रहे। उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म पर उनकी बातों की पहुंच लगभग शून्य कर दी गई है।

पूर्व पत्नी ने क्या आरोप लगाए

जेमिमा गोल्डस्मिथ ने शुक्रवार को एक्सपर लिखा कि इमरान खान के साथ हो रहे बर्ताव और उनकी कानूनी स्थिति पर उनकी पोस्ट लोगों तक नहीं पहुंच रही। उन्होंने एलन मस्क से अपील करते हुए कहा कि प्लेटफॉर्म पर उनके

अकाउंट की विजिबिलिटी कम कर दी गई है। उनके मुताबिक इमरान खान को 22 महीने से गैरकानूनी तरीके से अकेले रखा गया है और उनके बेटों को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा। जेमिमा ने कहा कि एक्सही एकमात्र जगह बची है जहां से वह दुनिया को बता सकती है कि इमरान मानवाधिकारों से वंचित एक राजनीतिक कैदी है। उन्होंने लिखा, ''आपने फ्री स्पीच का वादा किया था, न कि ऐसी स्पीच का जिसे कोई सुन ही न सके। जेमिमा पहले भी आरोप लगा चुकी हैं कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनके बेटों को पिता से बात करने से रोका और यहां तक कहा कि अगर वे पाकिस्तान आए तो उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। बहन अलीमा खान ने भी इस हफ्ते जेल के बाहर कहा कि परिवार पिछले 8 महीनों से हर मंगलवार जेल आता है, लेकिन उन्हें इमरान से मिलने नहीं दिया जाता।

एपस्टीन के महल से मिली आपत्तिजनक तस्वीरें; ट्रंप, क्लिंटन समेत बड़े नाम शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने शुक्रवार को यौन अपराधों के आरोपी और दिवंगत फाइनेंसर जेफ्री एपस्टीन की संपत्ति से प्राप्त 19 तस्वीरें सार्वजनिक की। इन तस्वीरों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू सहित कई प्रभावशाली और चर्चित हस्तियां दिखाई दे रही हैं। डेमोक्रेट सांसदों द्वारा जारी की गई ये तस्वीरें एपस्टीन की संपत्ति से बरामद लगभग 95 हजार से अधिक तस्वीरों का एक बेहद छोटा हिस्सा हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद एक बार फिर एपस्टीन से जुड़े संबंधों और संभावित खुलासों को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप और जेफ्री एपस्टीन एक समय तक एक-दूसरे को जानते थे। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि उनका एपस्टीन से संबंध लगभग 2004 के आसपास खत्म हो गया था। ट्रंप ने कई बार यह भी कहा है कि एपस्टीन से जुड़े किसी भी आपराधिक या गलत कार्य में उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। जारी की गई तस्वीरों में ट्रंप की एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो भी शामिल है, जिसमें उनके आसपास मौजूद छह महिलाओं के चेहरे धुंधले किए गए हैं। ये सभी तस्वीरें बिना किसी कैप्शन या संदर्भ के सार्वजनिक की गई हैं।

कनाडा में गैंगवार, ट्रक ड्राइवरों के दो गुटों में अंधाधुंध फायरिंग

भारतीय मूल के तीन आरोपी गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में पुलिस ने भारतीय मूल के तीन ट्रक ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। तीनों पर गोलीबारी में शामिल होने का आरोप है। कनाडा पुलिस ने ब्रैम्पटन में हुई फायरिंग का वीडियो शेयर करते हुए बताया कि पुलिस एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है। यह मामला 7 अक्टूबर की रात 10:45 बजे का है। मैकवीन ड्राइव और कैसलमोर के बीच मौजूद एक पार्किंग में 2 समूहों के बीच झड़प हो गई। लड़ाई इतनी बढ़ी कि दोनों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया था। कनाडा पुलिस के अनुसार, मामले की जांच के दौरान 3

व्यक्तियों की पहचान हुई है। 20 नवंबर को पुलिस ने वारंट जारी करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान मनजोत भट्टी, नवजोत भट्टी और अमनजोत भट्टी के रूप में हुई है। वहीं, चौथा संदिग्ध अभी तक पुलिस की पकड़ में नहीं आया है।

ईरान ने ओमान में जब्त किया 60 लाख लीटर डीजल से भरा टैंकर

● जहाज पर भारत-श्रीलंका-बांग्लादेश के क्रू सवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अवैध ईंधन ले जा रहे एक तेल टैंकर को ओमान में जब्त किया है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस तेल टैंकर में भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश के 18 क्रू मेंबर सवार थे।

दरअसल, गल्फ ऑफ ओमान में ईरान ने एक तेल टैंकर के जब्ती की कार्रवाई की है। यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के तट पर एक तेल टैंकर को जब्त करने के दो दिन बाद हुई है।

ईरान की न्यूज एजेंसी ने होर्मोजगान के दक्षिणी प्रांत के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ओमान सागर के तट के पास 60 लाख लीटर अवैध डीजल ईंधन ले जा रहे एक

तेल टैंकर को कब्जे में लिया गया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि जहाज ने रोके जाने से पहले अपने सभी नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिए थे।

बता दें कि ईरान में खुदरा ईंधन की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं, जिससे इसे अन्य देशों में तस्करी करके भेजना विशेष रूप से लाभदायक हो जाता है। इसीलिए ईरानी सेना द्वारा नियमित रूप से जहाजों की चेकिंग की जाती है, ताकि वे खाड़ी में अवैध रूप से ईंधन का परिवहन करने पर रोक लगा सकें। इससे पहले पिछले महीने ईरान ने पिछले महीने खाड़ी के जलक्षेत्र में एक तेल टैंकर को अवैध माल ले जाने के आरोप में जब्त कर लिया था। इस दौरान ईरान ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि वह किसी अन्य देश के खिलाफ जवाबी कार्रवाई थी। इससे भी पहले ईरान इस क्षेत्र में कई कमर्शियल जहाजों को निशाना बना चुका है।

बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी पर हमला, सिर में गोली फंसी

● यूनुस बोले- चुनावी माहौल में ऐसी हिंसा अस्वीकार्य ● नवंबर में हादी को मौत की धमकियां मिली थी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में चुनाव होने में 2 महीने ही बचे है, इसी बीच ढाका में शुक्रवार दोपहर को दक्षिणपंथी युवा नेता को गोली मार दी गई। यह हमला ढाका के बिजॉयनगर में बॉक्स कल्वर्ट रोड पर करीब 2:25 बजे हुआ। शेख हसीना की विरोधी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता और आगामी चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी हमले के समय चुनाव प्रचार कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार तीन हमलावर मोटरसाइकिल पर आए, गोली चलाकर तुरंत फरार हो गए। हादी को तुरंत ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि गोली उनके सिर में फंसी हुई है और हालत बेहद नाजुक है। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके (7 सिस्टर्स) शामिल थे। इस पोस्ट के बाद, अज्ञात बंदूकधारी ने उन्हें गोली मार दी। इस घटना पर बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने गहरी चिंता जताई है। यूनुस ने चुनावी माहौल में इस तरह की हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह देश के शांत राजनीतिक वातावरण के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यूनुस ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द हमलावरों की पहचान कर कड़ी सजा दी जाए।

शरीफ उस्मान हादी एक प्रमुख बांग्लादेशी राजनीतिक कार्यकर्ता,

लेखक और दक्षिणपंथी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता हैं। नवंबर 2025 में उन्हें फेसबुक पर 30 विदेशी नंबरों से मौत की धमकियां मिली थी। वे जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले बड़े आंदोलन के बाद उभरे एक प्रभावशाली युवा नेता के रूप में पहचाने जाते है। हादी बांग्लादेश की सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों पर कई किताबें लिख चुके हैं, जो जुलाई प्रदर्शनों से पहले देश की सांस्कृतिक चुनौतियों पर केंद्रित हैं।

दिसंबर 2024 में उन्होंने अवामी लीग पर छात्रों की हत्याओं का आरोप लगाया। इसके अलावा, इस्लामिक क्राइम्स ट्रिब्यूनल के शेख हसीना को मौत की सजा देने पर हादी ने इसे एक मिसाल बताया। हादी आगामी संसदीय चुनावों में ढाका-8 निर्वाचन क्षेत्र (मोटीझील, शाहबाग, रमना, पल्टन और शाहजहांपुर) से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके थे।

इंकलाब मंच ने शेख हसीना की सरकार गिराई थी

इंकलाब मंच अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद एक संगठन के रूप में उभरा। इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरा दिया था। यह संगठन अवामी लीग को आतंकवादी करार देते हुए पूरी तरह खत्म करने और नौजवानों की सुरक्षा की मांग को लेकर सक्रिय रहा। यह संगठन राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा पर जोर देता है। मई 2025 में अवामी लीग को भंग करने और चुनावों में अयोग्य ठहराने में इस संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चुनाव आयोग ने एक दिन पहले ही 13वें संसदीय चुनाव की तारीख का ऐलान किया था। ऐसे में यह हमला राजनीतिक हिंसा की आशंका बढ़ा रहा। बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने गुरुवार शाम इसका ऐलान किया।

हाफिज सईद के करीबी आतंकी ने भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवादी संगठनों की पनाहगाह माना जाता है। इसी बीच एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी और हाफिज सईद का करीबी अब्दुल रऊफ भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान देता दिख रहा है। वीडियो में रऊफ भारत में आतंकवाद बढ़ाने, कश्मीर में हिंसा फैलाने और परमाणु बम की धमकी देते हुए नजर आ रहा है। उसने भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया है—जो पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर की गई भारत की जवाबी कार्रवाई थी। वीडियो को एक अकाउंट ने शेयर किया है। इसमें अब्दुल रऊफ कहता दिख रहा है, लोग कहते हैं कश्मीर की लड़ाई खत्म हो गई है लेकिन ऐसा नहीं है। लड़ाई जारी है। एक दिन पूरी दुनिया में इस्लाम आएगा। अब्दुल रहमान मक्की (लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक) कहा करते थे कि हम दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे, वे होकर रहेगा। हम गजवा-ए-हिंद में सफल होंगे। रऊफ दावा करता है कि भारत की स्थिति पिछले कुछ महीनों में बदल गई है और पाकिस्तान की क्वौम जीतती हुई है—ऐसा कहकर वह युवाओं को भड़काने की कोशिश करता दिखता है। वीडियो में आतंकी अब्दुल रऊफ आगे कहता है, ''अगले 50 साल तक हिंदुस्तान की जुर्रत नहीं है कि हम पर आंख उठाकर देखे। इतना मारा इतना मारा कि उनकी नस्लें याद रखेंगी। ये राफेल कुछ नहीं, एस-400 कुछ

अदालत में मौजूदगी पड़ी भारी: पाकिस्तान ने नॉर्वे का राजदूत किया तलब

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान ने मानवाधिकार मामले की अदालती कार्यवाही में ''अनुचित उपस्थिति को लेकर नॉर्वे के राजदूत को तलब कर 'डेमार्श जारी किया है। 'डेमार्श एक औपचारिक राजनयिक नोटिस होता है, जिसके माध्यम से किसी देश की सरकार दूसरे देश की सरकार को अपने रुख, विचार, या विरोध से अवगत कराती है। नॉर्वे के राजदूत को डेमार्श जारी किए जाने के बाद पाकिस्तान और नॉर्डिक देशों के बीच कूटनीतिक रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान ने इस कदम को अपनी न्यायिक और आंतरिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करार देते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

नॉर्वे के राजदूत पर अल्बर्ट इलसास ने बृहस्पतिवार को मानवाधिकार कार्यकर्ता इमान जैनब मजारी-हाजिर और उनके पति हादी अली चाठा की विवादित सोशल मीडिया पोस्ट से संबंधित मामले में उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही में हिस्सा लिया था। अदालत में उनकी मौजूदगी को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नॉर्वे के राजदूत को इस्लामाबाद में अदालती कार्यवाही में उनकी ''अनुचित उपस्थिति के संबंध में आज विदेश मंत्रालय में यूरोप मामलों के अतिरिक्त विदेश सचिव ने तलब किया।

उन्होंने कहा कि राजदूत का अदालती कार्यवाही में उपस्थित होना राजनयिक प्रोटोकॉल और संबंधित अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। अंद्राबी ने कहा, ''यह देखते हुए कि उनकी हरकत देश के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी के समान है, राजदूत से आग्रह किया गया कि वह राजनयिक व्यवहार के स्थापित मानकों का पालन करें, जैसा कि वियना कन्वेंशन के संबंधित अनुच्छेदों में वर्णित है। इमान और उनके पति के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम, 2016 के तहत मुकदमा जारी है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय का रुख किया है और अंतरिम राहत देने से इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के इनकार के खिलाफ अपनी अपील पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया है।

नवजात को जयपुर ले जाते वक्त रास्ते में ऑक्सीजन खत्म, तड़प-तड़प कर मौत

-एम्बुलेंस ड्राइवर छोड़कर भागा, शव लेकर भटकता रहा पिता, बस से लेकर पहुंचा गांव

जयपुर (एजेंसी)। भरतपुर से जयपुर ले जाते समय नवजात की एम्बुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होने से मौत हो गई। बच्चे के पिता का आरोप है कि रास्ते में ऑक्सीजन सिलेंडर खाली हो गया, जिससे मासूम ने उनकी गोद में ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही है। नवजात को सांस लेने में दिक्कत थी। गुरुवार को उसका जन्म बयाना के सरकारी अस्पताल में हुआ था, जहां से पहले उसे भरतपुर के जनाना अस्पताल और फिर जयपुर रेफर किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिता मुकेश ने बताया कि एम्बुलेंस में लगे ऑक्सीजन सिलेंडर से बच्चे को सपोर्ट दिया जा रहा था, लेकिन करीब दो घंटे बाद रास्ते में ऑक्सीजन खत्म हो गई। बच्चा छटपटाने लगा और कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया। आरोप है कि एम्बुलेंस ड्राइवर बच्चे को बस्सी के सरकारी अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया। पिता बच्चे के शव को लेकर अस्पताल परिसर में बैठा रहा, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली। परिजनों का कहना है कि सूचना देने के बावजूद बस्सी पुलिस ने न तो एफआईआर दर्ज की और न ही कोई मदद की। पुलिस ने पिता को बच्चे के शव के साथ बस में बैठाकर भरतपुर भेजा। भरतपुर पहुंचने पर भी अस्पताल और पुलिस से परिजनों को कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मजबूर होकर परिवार नवजात का शव गांव ले गए, जहां देर रात उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासन की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटना पुलिस ने 7 साइबर फ्रॉडस्टर को पकड़ा, जिसमें 4 नाबालिग शामिल

पटना (एजेंसी)। पटना पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। शहर के बायपास इलाके से 7 साइबर फ्रॉडस्टर पकड़े गए हैं, जिसमें 4 नाबालिग शामिल हैं। सभी किराए के मकान में रहकर गेमिंग एप के जरिए लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे थे। साइबर पुलिस इनके बारे में पटना को प्रतिबिंब पोर्टल के जरिए जानकारी मिली थी। इसी के तहत पुलिस ने कार्रवाई की है। पकड़े गए आरोपियों में नालंदा, मुजफ्फरपुर और मोतिहारी के शामिल हैं। इस गैंग का सरगना कोई दूसरा है। इस गैंग का नेटवर्क विदेश से जुड़ा हो सकता है। इनके पास से लैपटॉप, मोबाइल फोन, और अन्य डॉक्यूमेंट्स बरामद किए गए हैं। लैपटॉप से भी पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। इनके नेटवर्क में शामिल अन्य साथियों की भी जानकारी मिली है। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि कुछ डेटा इनके मास्टरमाइंड देते थे और कुछ सोशल साइट्स के जरिए लोग कनेक्ट हो जाते थे। लोगों को झांसे में लेने के लिए सोशल साइट्स के जरिए इन लोग प्रचार प्रसार करते थे। जो भी व्यक्ति इनके जारी किए गए विज्ञापन गेमिंग ऐप के जरिए जुड़ता था। उसे झांसे में लेकर धोखाधड़ी करना शुरू कर देते थे। फिलहाल, साइबर पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा में से कौन बेहतर... रेणुका चौधरी ने कहा, वे सेब और संतरे की तरह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा एकदम अलग हैं। उनके बोलने का तरीका भी बहुत अलग है। उनकी आपस में तुलना नहीं होनी चाहिए। एक टीवी इंटरव्यू में कांग्रेस नेत्री रेणुका ने कहा, वे सेब और संतरे की तरह हैं। जिनकी तुलना नहीं की जा सकती और न ही करना चाहिए। संसद में दोनों अलग-अलग विषयों पर बोल रहे थे। हालांकि दोनों ने मजबूती से अपनी बात रखी। कांग्रेस नेता ने कहा, हम इतने स्टीरियोटाइपिकल हैं कि हम एक खास तरह के रिस्पॉन्स की उम्मीद करते हैं और वह वैसा ही होना चाहिए। किसी और तरह से नहीं। अलग-अलग लोग चीजों को अलग-अलग तरह से बताते हैं। मुझे लगता है कि हर कोई अपनी बात पर अड़ा रहा और जो जरूरी था, उन मुद्दों को उठाया। रेणुका से जब पूछा गया कि बेहतर स्पीकर कौन है, तब उन्होंने एक नाम बताने से मना कर दिया। यहां एक दूसरे से बेहतर या खराब होने की बात ही नहीं है।

चूड़ाचांदपुर जिले में तलाश अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के चूड़ाचांदपुर जिले में तलाश अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को जानकारी देकर बताया कि खुगा बांध क्षेत्र में चलाए तलाश अभियान के दौरान लोकल रूप से निर्मित राइफल, पिस्तौल की 3 मैगजीन, एक बम, एक ग्रेनेड, दो वायरलेस सेट, चार परिष्कृत विस्फोटक और अन्य हथियार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बल जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाश अभियान और घेराबंदी जारी रखे हुए हैं। मणिपुर में ढाई साल पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से ही तलाश अभियान जारी है। मैइती और कुकी-जो समुदायों के बीच मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों अन्य लोग बेघर हुए हैं। इस साल फरवरी में एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, को निलंबित रखा गया है।

जालंधर में भाजपा के लोकल नेता के रिश्तेदार की धारदार हथियार से हत्या

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब के जालंधर में तीन हमलावरों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के रिश्तेदार की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात को बस्ती दानिशमंदां इलाके में हुई, जब हमलावरों ने विकास अंगुरल (16) पर किसी धारदार हथियार से हमला किया। पुलिस के मुताबिक, हमले में गंभीर रूप से घायल विकास को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने विकास को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि विकास भाजपा नेता शीतल अंगुरल के चचेरे भाई का बेटा था। शीतल जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक थे। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए थे।

दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में कोहरा और बर्फीली हवाएं बढ़ाएंगी मुसीबत, अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर भारत में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण ठिठुरन बढ़ गई है और लोगों को सुबह-शाम भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों के लिए शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। वहीं पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। इसका सीधा असर सड़क यातायात पर पड़ा और कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए। दिल्ली में अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री तक गिर सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को भी दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में घना कोहरा देखने को मिल सकता है।

पंजाब और हरियाणा में शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। ठंडी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। किसानों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि ठंड का असर स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार सर्द बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कोहरे का असर दिख सकता है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक जाने का अनुमान है। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन बर्फीली हवाएं ठंड को और बढ़ा देंगी। मौसम विभाग के अनुसार 13 और 14 दिसंबर के बीच शीतलहर का प्रभाव और तेज हो सकता है।

लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक आने वाले दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों, खासकर पूर्वांचल और तराई क्षेत्रों में घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अगले दो से तीन दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट और उसके बाद दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते दिनों बरेली, गोरखपुर, अयोध्या, कुशीनगर, बलिया, बस्ती, मुरादाबाद और आजमगढ़ में घना कोहरा दर्ज किया गया। बिहार में पछुआ हवाओं के कारण ठंड में इजाफा हुआ है। अगले दो दिनों तक तापमान में खास बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन सुबह और शाम घना कोहरा छाया रह सकता है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। उधर ओडिशा के कई हिस्से भी शीतलहर की चपेट में हैं, जहां कुछ पहाड़ी इलाकों में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। ठंड के इस दौर ने जनजीवन को खासा प्रभावित किया है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के हसन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की याचिका को खारिज किया, जिसमें उन्होंने 3 अन्य बलात्कार मामलों में लंबित मुकदमों को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की थी। गौरतलब है कि जेडीएस से निष्कासित रेवन्ना को उनके खिलाफ दर्ज चार बलात्कार मामलों में से एक में दोषी साबित किया जा चुका है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अनुरोध किया था कि शेष मामलों को उस अदालत के अलावा किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करें, जिसने उन्हें दोषी ठहराया था और घरेलू सहायिका के साथ बलात्कार के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि पहले मामले में उन्हें दोषी ठहराने वाले न्यायाधीश बाकी मामलों की सुनवाई करते समय उस फैसले से प्रभावित नहीं होने वाले हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि निचली अदालतों के पीठासीन अधिकारी तथ्य से प्रभावित हैं कि उन्होंने याचिकाकर्ता को दूसरे मामले में दोषी पाया है और जाहिर है कि लंबित मामलों में निर्णय लंबित मामलों में साक्ष्यों के आधार पर होगा। पिछली सुनवाई के आधार पर याचिकाकर्ता (रेवन्ना) के खिलाफ कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। इसके पहले, कर्नाटक हाईकोर्ट ने बलात्कार मामले में दोषी साबित हुए प्रज्वल रेवन्ना की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने की याचिका खारिज की थी। न्यायमूर्ति के.एस. मुद्गल और न्यायमूर्ति वेंकटेश नाइक टी की खंडपीठ ने कहा कि आरोपों की गंभीरता को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। न्यायालय ने बताया कि रेवन्ना के खिलाफ पहले से ही कई मामले लंबित हैं, इससे गवाहों को प्रभावित करने का खतरा है। न्यायालय ने कहा कि आरोपी के व्यापक प्रभाव के कारण पिछली सुनवाई में भी उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी, और पीड़िता द्वारा घटना की सूचना देने में देरी का कारण भी यही प्रभाव था।

बड़ा हादसा टला: इंडिगो फ्लाइट की लैंडिंग में गड़बड़ी, बाल-बाल बचे 75 यात्री

रांची (एजेंसी)। अब विमानों से सफर करना भी जोखिम भरा हो गया है। वजह ये है कि आए दिन कहीं न कहीं से विमानों की गड़बड़ी वाली खबरें आने लगी हैं। झारखंड की राजधानी रांची के एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा होते-होते बच गया। यहां 75 यात्रियों को लेकर इंडिगो का विमान लैंड कर रहा था तभी कुछ तकनीकी गड़बड़ी हुई और उसका पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया। गनीमत रही कोई हादसा नहीं हुआ और सभी यात्री बाल-बाल बच गए। हालांकि कुछ यात्रियों के घायल होने की खबरें आ रही हैं।

इंडिगो की भुवनेश्वर-रांची फ्लाइट 6E7361 की लैंडिंग के दौरान हार्ड लैंडिंग हुई, जिससे विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। इस विमान में सवार 75 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। हालांकि, कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आने की सूचना है। सूत्रों के मुताबिक, यह फ्लाइट निर्धारित समय शाम 7:55 बजे की जगह करीब रात 8:30 बजे रांची एयरपोर्ट पर उतरी। लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी सामने आने की बात कही जा रही है, जिसके कारण विमान संतुलन ठीक से नहीं बना पाया और रनवे पर जोरदार टचडाउन हुआ। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि एयरपोर्ट स्टाफ और इंडिगो की टीम ने स्थिति को संभाल लिया।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात करीब 9:40 बजे विमान को ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया। यह विमान रांची से वापस भुवनेश्वर जाने वाला था, लेकिन तकनीकी जांच के कारण उड़ान रद्द करनी पड़ी। दूसरी फ्लाइट तत्काल उपलब्ध नहीं होने के कारण 35 यात्रियों को कार के जरिए भुवनेश्वर भेजा गया। वहीं, शेष यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था होटल में कराई गई है। एयरपोर्ट प्रशासन और इंडिगो की तकनीकी टीम ने विमान की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में लैंडिंग के वक्त तकनीकी समस्या की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल, सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना के बाद रांची एयरपोर्ट पर कुछ देर के लिए सतर्कता बढ़ा दी गई थी और रनवे की भी जांच की गई। एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

बाबरी मस्जिद निर्माण के लिए जमकर हो रही धनवर्षा, सोने की अंगूठी, नथ और बालियां भी उगल रहीं दानपेटियां

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद निर्माण के अपने प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहे हैं। 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर आधारशिला रखने के बाद से अब तक लगभग 5 करोड़ रुपये का चंदा जुटाया जा चुका है। 23 बीघा भूमि पर प्रस्तावित इस मस्जिद के निर्माण की जिम्मेदारी संभाल रही समिति के सदस्य रोजाना शाम को दान पेटियों से एकत्र धन गिनते हैं। हाल ही में एक दिन में 23 लाख रुपये से अधिक नकद के साथ सोने की अंगूठी, नथ और बालियां भी दान में मिलीं। चंदा देश-विदेश से विभिन्न माध्यमों से आ रहा है, जिसमें नकद, ऑनलाइन ट्रांसफर और गहने शामिल हैं।

हुमायूं कबीर ने बताया कि एक व्यक्ति ने 1 करोड़ रुपये देने का वादा किया था, जो अभी प्राप्त नहीं हुआ है। वे विदेशी फंडिंग के लिए बैंकिंग व्यवस्था स्थापित करने के बाद कतर, सऊदी अरब, बांग्लादेश और इंग्लैंड सहित अन्य देशों से और अधिक धन की उम्मीद कर रहे हैं। आधारशिला समारोह में भारी समर्थन मिलने से वे अपनी नई राजनीतिक पारी को लेकर भी उत्साहित हैं। पार्टी से निलंबित होने के बावजूद हुमायूं कबीर का राजनीति छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। वे बंगाल की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद वे किंगमेकर बनेंगे और उनके बिना कोई सरकार नहीं बन सकेगी। भरतपुर से विधायक कबीर 17 दिसंबर को विधानसभा सत्र में उपस्थित रहेंगे, लेकिन इस्तीफा देने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। जनवरी में इस्तीफे पर विचार करने की बात कही है।

22 दिसंबर को वे अपनी नई पार्टी का शुभारंभ करने वाले हैं, हालांकि नाम अभी गोपनीय है। पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी से गठबंधन की उम्मीद थी, जो पूरी नहीं हुई। अब मुर्शिदाबाद में कांग्रेस और वाम मोर्चा के साथ सीट बंटवारे की योजना है, जिसकी घोषणा पार्टी गठन के बाद होगी।

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने कबीर के इस एजेंडे से पूरी तरह दूरी बना ली है। पार्टी का मानना है कि यह उनकी समावेशी राजनीति के सिद्धांतों के विपरीत है। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता लगभग 30 प्रतिशत हैं, जबकि मतुआ जैसे हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के वोट भाजपा और तृणमूल के बीच बंटे हैं। आधारशिला वाले दिन तृणमूल ने एकता दिवस मनाकर सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश दिया। हुमायूं कबीर का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कांग्रेस से तृणमूल में आए कबीर सत्ताधारी दल के पहले कार्यकाल में जूनियर मंत्री रहे। 2015 में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए छह साल निष्कासित हुए, फिर 2018 में भाजपा जॉइन की, लेकिन 2019 लोकसभा चुनाव में तृणमूल उम्मीदवार से हार गए। निष्कासन पूरा होने पर फिर तृणमूल में लौटे। इस विवादास्पद प्रोजेक्ट और नई पार्टी से बंगाल की राजनीति में नया मोड़ आने की संभावना है।

याचिकाकर्ता पर नाराज सुप्रीम कोर्ट ने कहा, तब क्या हमें सभी को चांद पर बसा देना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भूकंप के खतरों को कम करने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, तब क्या हमें सभी को चांद पर बसा देना चाहिए या कहीं और? दरअसल याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि पहले सिर्फ दिल्ली को उच्च भूकंप का हाई रिस्क जोन माना जाता था, लेकिन अब नए आकलन के अनुसार देश की 75 प्रतिशत आबादी हाई रिस्क जोन में रहती है। याचिकाकर्ता ने बताया कि हाल में जापान में एक बड़ा भूकंप आया था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, पहले हमें इस देश में ज्वालामुखी लाना होगा, तब हम इसकी तुलना जापान से कर सकते हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि भूकंप आने की स्थिति में अधिकारियों को नुकसान को कम करने के लिए व्यवस्था करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा, यह सारी सरकार की जिम्मेदारी है। ये कहकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश... ममता बनर्जी का तोहफा

बीजेपी नेता दिलीप घोष ने बंगाल सरकार पर बोला हमला

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल बीजेपी नेता दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल के निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा कथित तौर पर बाबरी मस्जिद की नींव रखने लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने इस कृत्य को बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश बताया है। बीजेपी नेता घोष ने पश्चिमी मेदिनीपुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अगर पूरे देश में कहीं भी बाबरी मस्जिद नहीं है, तब बंगाल में इस नाम से मस्जिद क्यों बन रही है? यह इसलिए हो रहा है क्योंकि यहां बांग्लादेश बनाने की साजिश चल रही है, और यह ममता बनर्जी का तोहफा है। उन्होंने कहा कि मस्जिद बनाना गलत नहीं है, लेकिन इस मस्जिद को बाबर के नाम पर क्यों बनाया जा रहा है? बाबर एक अत्याचारी था, आक्रांता था। जिसने करोड़ों हिन्दुओं की हत्या की। उन्होंने दावा किया कि बाबरी मस्जिद का कॉन्सेप्ट यहां की जनता ने साफ कर दिया है और अदालत के आदेश से राम मंदिर बन गया है। बीजेपी नेता घोष ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। घोष ने कहा कि यह पूरा ड्रामा एक्सपोज हो गया है, और ममता बनर्जी का पूरे मामले में पीछे से हाथ है, यह भी साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि लोगों का इस मामले में आग्रह कम हो गया है।

इतना ही नहीं बीजेपी नेता घोष ने अन्य मुद्दों पर भी ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी हमेशा धमकाती रहती हैं, जिसके कारण कई बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) आत्महत्या कर रहे हैं, और वह पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को भी धमकाती हैं। उन्होंने दावा किया कि अभी तक तकरीबन 58 लाख फर्जी मतदाताओं को सूची से हटाया जा चुका है, और फाइनल सूची में करीब इतने और फर्जी मतदाताओं के नाम हटने वाले हैं, इस बात से ममता डरी हुई हैं, क्योंकि ये ममता के बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठी वोटर थे। इन्हीं के दम पर ममता लगातार चुनाव में जीत हासिल कर रही थीं। लेकिन अब एसआईआर के कारण इन अवैध वोटरों को हटाया जा रहा है।

वहीं संसद परिसर में टीएमसी सांसद के कथित ई-सिगरेट पीने वाले विवाद पर बीजेपी नेता घोष ने इस कृत्य को तृणमूल की संस्कृति बताया, जो संवैधानिक पदों पर रहे लोगों का अपमान करना, कोर्ट और चुनाव आयोग का सम्मान न करना, और कानून के खिलाफ काम करना सिखाती है। उन्होंने टीएमसी की भाषा और व्यवहार को अत्यंत निंदनीय बताया।

कैप्टन अमरिंदर सिंह की होगी घर वापसी बोले- भाजपा बहुत कठोर पार्टी, कांग्रेस ही बेहतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व प्रमुख नेता और वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बीजेपी का दृष्टिकोण उन्हें कठोर लगता है, जबकि कांग्रेस पार्टी अधिक लचीली थी और उसमें परामर्श की प्रक्रिया मजबूत थी। कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 2021 में कांग्रेस छोड़ दी थी, क्योंकि वे पार्टी की शीर्ष नेतृत्व के व्यवहार से आहत महसूस कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस बनाई और 2022 में उसे बीजेपी में विलय कर दिया।

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ यह बयान राजनीतिक दृष्टि से काफी अहम है। बीजेपी राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है, लेकिन पिछले चुनावों में उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब एक अलग तरह का क्षेत्र है। देश के अन्य हिस्सों में बीजेपी मजबूत हो रही है, लेकिन पंजाब में ऐसा क्यों नहीं हो रहा? उन्होंने पिछले चुनावों का उदाहरण देते हुए बताया कि पार्टी को बहुत कम सीटें मिलीं।

इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी में जमीनी स्तर के नेताओं से सलाह नहीं ली जाती। जो लोग मैदान में काम कर चुके हैं और राज्य की राजनीति को अच्छी तरह समझते हैं, उनकी राय नहीं मांगी जाती। फैसले ऊपरी स्तर पर लिए जाते हैं। कांग्रेस में भी फैसले शीर्ष स्तर पर होते थे, लेकिन वहां विधायकों, सांसदों और अन्य नेताओं से व्यापक परामर्श होता था। बीजेपी में ऐसा नहीं होता, जिससे अनुभवी नेताओं की उपेक्षा होती है।

कैप्टन के इस बयान से पंजाब की राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि क्या वे कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इसकी संभावना साफ तौर पर नकार दी। जब पूछा गया कि क्या उन्हें कांग्रेस की याद आती है, तो उन्होंने कहा कि नहीं, पार्टी की याद नहीं आती, बल्कि वहां की व्यवस्था की याद आती है। कांग्रेस में व्यापक परामर्श होता था और अनुभव को महत्व दिया जाता था, जो बीजेपी में कमी है। कांग्रेस राय लेने में अधिक लचीली है, जबकि बीजेपी का रवैया थोड़ा कठोर है। यह बयान पंजाब की बदलती राजनीति में बीजेपी की रणनीति पर सवाल उठाता है। कैप्टन जैसे वरिष्ठ नेता की यह टिप्पणी पार्टी के लिए चुनौती पैदा कर सकती है, खासकर जब राज्य में मजबूत आधार बनाने की कोशिश हो रही हो।

फिरोजाबाद: एसआईआर से लेकर इंडिगो और कफ सीरप तक सपा नेता रामगोपाल यादव का सरकार पर तीखा हमला

फिरोजाबाद (एजेंसी)। जिले एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने मीडिया से बातचीत में केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर चुनाव आयोग और सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए।

रामगोपाल यादव ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा सूक्ष की समय-सीमा बढ़ाए जाने से आशंका है कि मंत्री अधिकारियों पर दबाव बनाकर फर्जीवाड़ा करवाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री मैनपुरी गए, मुख्यमंत्री मुरादाबाद पहुंचे और मंत्रियों की ड्यूटी लगाकर अधिकारियों के साथ बैठकें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन बैठकों को छिपाने के लिए कहा जाता है कि पार्टी पदाधिकारियों के साथ मीटिंग हुई है, ताकि अखबारों में खबर न छपे।

उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी ने इस पूरे मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की है और सबूत भी दिए हैं कि मंत्री SIR पर चर्चा कर रहे हैं। इसके बाद अगले ही दिन अखबारों में इसका खंडन छपवाया गया। रामगोपाल यादव ने कहा कि यह सब गड़बड़ी करने की तैयारी है, लेकिन सपा के कार्यकर्ता हर बूथ पर सतर्क हैं और कोई गड़बड़ी नहीं होने देंगे।

इंडिगो एयरलाइंस के मुद्दे पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आदेश के बाद पायलटों को साप्ताहिक अवकाश दिया गया, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसी दूसरी बड़ी एयरलाइंस को फायदा पहुंचाना चाहती है। उनका कहना था कि जिस एयरलाइंस को टाटा ने खरीदा है, उसे आगे चलकर अडानी को फायदा पहुंचाने की मंशा है और एक खास कॉरपोरेट समूह को लाभ दिलाने की कोशिश हो रही है।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने को लेकर उठे सवालों पर रामगोपाल यादव ने कहा कि यह बेहद छोटा और निराधार आरोप है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप लगाने वाले लोग बेहद मूर्खतापूर्ण बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही एक तरह की आपात स्थिति लागू है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर कोई किसी के खिलाफ गाली दे, तो कार्रवाई नहीं होती, लेकिन अगर किसी मंत्री या मुख्यमंत्री के खिलाफ एक शब्द भी बोल दिया जाए तो तुरंत मुकदमा दर्ज हो जाता है।

कफ सिरप मामले पर बोलते हुए, रामगोपाल यादव ने कहा कि असली आरोपियों पर कभी कार्रवाई नहीं हो सकती और सिर्फ मामले को दिखावे के तौर पर उछाला जा रहा है।